Monthly Current Affairs
August 2019
दैनिक सामयिकी यूपीएससी आईएएस की तैयारी के लिये

01.08.2019

1. **मंत्रिमंडल ने सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या 31 से बढ़ाकर 34 करने को मंज़ूरी प्रदान की है।**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शीर्ष अदालत में वर्तमान में न्यायाधीशों की संख्या को 31 से बढ़ाकर 34 करने की मंज़ूरी प्रदान की है, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश भी शामिल हैं।
- वर्तमान में, शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 31 है।

संबंधित जानकारी

सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956

- सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 मूल रूप से अधिकतम 10 न्यायाधीशों (भारत के मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर) के लिए प्रदान किया गया था।
- इस संख्या को सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अधिनियम, 1960 के द्वारा बढ़ाकर 13 और 1977 में 17 तक कर दिया गया था।
- हालांकि वर्ष 1979 के अंत तक सर्वोच्च न्यायालय की कार्य क्षमता को 15 न्यायाधीशों (भारत के मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर) तक सीमित किया गया था।
- 1986 में मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाकर 25 कर दी गई थी।
- इसके बाद, सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अधिनियम, 2009 ने अदालत में न्यायाधीशों की संख्या को बढ़ाकर 25 से 30 कर दिया था।
- यह 2009 में किया गया पिछला संशोधन था जिसमें न्यायाधीशों की संख्या को 25 से बढ़ाकर 30 (भारत के मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर) कर दिया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

2. **भारत के बड़े शहर पानी के संकट से घिर रहे हैं: जल तनाव सूचकांक**

- लंदन आधारित जोखिम विश्लेषण फर्म वेरिस्क मैपलक्रॉफ्ट ने भारत को जल तनाव सूचकांक में दुनिया के 46वें सबसे अधिक जोखिम वाले देश के रूप में सूचीबद्ध किया है।
- जल तनाव सूचकांक घरों, उद्योगों और कृषि क्षेत्रों की जल खपत दर और नदियों, झीलों और धाराओं में उपलब्ध संसाधनों को मापता है।

सूचकांक की मुख्य विशेषताएं

- सूचकांक के अनुसार दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, नासिक, जयपुर, अहमदाबाद और इंदौर अत्यधिक जोखिम वाले शहरों में से हैं।
- 20 सबसे बड़े शहरों में से 11 शहर पानी के तनाव के "अत्यधिक जोखिम" का सामना कर रहे हैं और सात शहर "उच्च जोखिम" की श्रेणी में हैं।
- वेरिस्क मेपलक्रॉफ्ट ने अपने जल संसाधनों के लिए सबसे बड़े खतरे का सामना करने वाले शहरों को स्थान प्रदान करने के लिए अनुमानित जनसंख्या वृद्धि के रुझान के साथ सूचकांक का निर्माण किया है।
- संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि वर्ष 2035 तक दिल्ली की आबादी 28 मिलियन से बढ़कर 43 मिलियन से भी अधिक हो जाएगी, लगभग 52 प्रतिशत की वृद्धि होगी। जबकि समान समयावधि के दौरान चेन्नई में शीर्ष 15 मिलियन तक 47% की वृद्धि होगी।

- इसके अतिरिक्त भारत को जलवायु परिवर्तन भेद्यता सूचकांक में "उच्च जोखिम" का दर्जा दिया गया है, जो सुझाव देता है कि "विस्तारित शुष्क मौसम' जैसे जलवायु परिवर्तन के प्रभाव देश के शहरों के लिए स्थितियों को और भी बदतर बना सकते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण सूचकांक

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

3. **<u>मंत्रिमंडल ने इसरो प्रौद्योगिकी संपर्क इकाई को मॉस्को में मंज़ूरी प्रदान की है।</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रूस के मास्को में इसरो प्रौद्योगिकी संपर्क इकाई (आई.टी.एल.यू.) की स्थापना को मंज़ूरी प्रदान की है।
- यह इसरो के कार्यक्रम संबंधी लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए रूस और पड़ोसी देशों के साथ विविध मामलों पर सामयिक हस्तक्षेप हेतु प्रभावी तकनीकी समन्वय को सक्षम करेगा।
- संपर्क अधिकारी को इसरो की तरफ से आई.टी.एल.यू. में नियुक्त किया गया है, जो संबंधित देशों में शोधकर्ताओं, सरकारी एजेंसियों और उद्योगों के साथ अपनी बैठकों से उत्पन्न होने वाले इनपुटों और अनुसंधान और प्रौद्योगिकी में विकास के बारे में तकनीकि जानकारी प्रदान करता है।
- वे अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में चल रहे सहयोगी द्विपक्षीय कार्यक्रमों का भी समर्थन करते हैं और इसरो द्वारा संदर्भित मामलों पर कार्रवाई करते हैं।

लाभ:

- इसरो पारस्परिक समन्वित परिणामों के लिए रूस और पड़ोसी देशों में अंतरिक्ष संस्थाओं/ उद्योगों के साथ सहयोग करने में सक्षम होगा।
- इसरो के गगनयान मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम 2022 में कुछ प्रमुख प्रौद्योगिकियों के विकास और विशिष्ट सुविधाओं की स्थापना की आवश्यकता है, जो अंतरिक्ष में जीवन जीने हेतु आवश्यक हैं।

संबंधित जानकारी

इसरो प्रौद्योगिकी संपर्क इकाई

- अंतरिक्ष विभाग ने संयुक्त राज्य अमेरिका के वाशिंगटन में और फ्रांस के पेरिस में इसरो प्रौद्योगिकी संपर्क इकाइ (आई.टी.एल.यू.) नामक प्रौद्योगिकी संपर्क इकाईयों को स्थापित किया है।
- इसका मुख्य उद्देश्य क्रमशः अमेरिका और यूरोप में विभिन्न सरकारी और अंतरिक्ष संस्थाओं के साथ संपर्क करना है।
- भारत ने रूस के निकट देशों के साथ अपने अंतरिक्ष सहयोग का विस्तार किया है।
- यह अंतरराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी सहयोग के बढ़े हुए स्तर के लिए व्यापक निर्बाध समन्वय और इंटरफ़ेस समर्थन के लिए मदद करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

4. **<u>मंत्रिमंडल ने यू.एन.आई.एस.ए. पर हस्ताक्षर करने को मंज़ूरी प्रदान की है।</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारतीय गणतंत्र द्वारा की गई मध्यस्थता के परिणामस्वरूप संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय निपटान समझौता सम्मेलन (यू.एन.आई.एस.ए.) पर हस्ताक्षर करने को मंज़ूरी प्रदान की है।
- यह मध्यस्थता 7 अगस्त, 2019 को सिंगापुर में या संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित होगी।

लाभ:

- सम्मेलन पर हस्ताक्षर करने से निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा और वैकल्पिक विवाद समाधान (ए.डी.आर.) पर अंतर्राष्ट्रीय अभ्यासों का पालन करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता के बारे में

विदेशी निवेशकों को सकारात्मक संकेत प्रदान करेगा।

संबंधित जानकारी

- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 20 दिसंबर, 2018 को मध्यस्थता ("सम्मेलन") के परिणामस्वरूप संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय निपटान समझौता सम्मेलन को अपनाया है।
- यह सम्मेलन मध्यस्थता के परिणामस्वरूप अंतरराष्ट्रीय निपटान समझौते के प्रवर्तन और पार्टियों को ऐसे समझौतों को लागू करने हेतु प्रेरित करने के लिए एकसमान और कुशल ढांचा प्रदान करता है।
- यह सम्मेलन दो अतिरिक्त आधारों को परिभाषित करता है, जिस पर अदालत अपने स्वयं के प्रस्ताव पर राहत देने से इनकार कर सकती है।
- ये आधार इस तथ्य से संबंधित हैं कि विवाद मध्यस्थता द्वारा निपटाने योग्य नहीं है या सार्वजनिक नीति के विपरीत है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

5. **<u>भारत, अफ्रीका में पाँचवाँ सबसे बड़ा निवेशक बन गया है।</u>**

- भारत 54 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के संचयी निवेश के साथ अफ्रीका में पांचवा सबसे बड़ा निवेशक बन गया है।
- हाल ही में, अफ्रीकी महाद्वीपीय मुक्त व्यापार क्षेत्र समझौता लांच किया गया है, जो अफ्रीका को विश्व का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार क्षेत्र बना देगा।
- भारत 18 नए मिशन खोलने जा रहा है, जिनमें से सात मिशन पश्चिमी अफ्रीका में होंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- ए.आई.आर.

6. **<u>भारत का उर्वरक क्षेत्र, विश्व के सबसे अधिक ऊर्जा कुशल क्षेत्रों में है।</u>**

- विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र (सी.एस.ई.) ने अपनी रिपोर्ट ग्रेन बाई ग्रेन में पाया है कि देश का उर्वरक क्षेत्र, ऊर्जा उपयोग और ग्रीनहाउस गैस (जी.एच.जी.) उत्सर्जन के मामले में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ में से एक है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- उत्तर प्रदेश सर्वश्रेष्ठ है, इसके बाद गुजरात में क्रिभको की हजीरा इकाई और कर्नाटक में मैंगलोर केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड की पनाम्बुर इकाई है।
- "भारतीय उर्वरक उद्योग, देश के सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्रों में से एक है।

ग्रीन रेटिंग परियोजना

- रिपोर्ट- ग्रेन बाई ग्रेन- भारत में उर्वरक उद्योग के पर्यावरण प्रदर्शन का संपूर्ण मूल्यांकन है, यह भारत में ग्रीन रेटिंग प्रोजेक्ट द्वारा शुरू की गई सातवीं रेटिंग की परियोजना है।
- यह परियोजना पहले लुगदी और कागज, ऑटोमोबाइल, क्लोरो-क्षार, सीमेंट, लोहा और इस्पात और ऊष्मीय ऊर्जा क्षेत्रों को रैंक प्रदान करती थी।
- रेटिंग अच्छे प्रदर्शकों की पहचान करती है और खराब प्रदर्शकों को सुधार के लिए प्रेरित करती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण रिपोर्ट

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>विशुद्ध टेरेफ्थैलिक अम्ल (पी.टी.ए.) पर एंटी डंपिंग शुल्क लगाया है।</u>**

- वित्त मंत्रालय ने दक्षिण कोरिया और थाईलैंड से आयातित होने वाले विशुद्ध टेरेफ्थैलिक अम्ल (पी.टी.ए.) के सभी आयातों पर निश्चित एंटी-डंपिंग शुल्क लगाया है।

- विशुद्ध टेरेफ्थैलिक अम्ल, पॉलिएस्टर चिप्स के निर्माण में प्राथमिक कच्चा माल है, जिसका उपयोग कपड़ा, पैकेजिंग, साज-सज्जा, उपभोक्ता वस्तुओं, रेजिन और कोटिंग्स में कई अनुप्रयोगों में किया जाता है।

संबंधित जानकारी

- एंटी-डंपिंग शुल्क, एक संरक्षणवादी शुल्क है जिसे एक घरेलू सरकार उस विदेशी आयात पर लगाती है जिसे वह मानती है कि इसकी कीमत उचित बाजार मूल्य से कम है।
- डंपिंग वह प्रथा है जिसके अंतर्गत निर्यात करने वाला राष्ट्र अपने माल और सेवाओं को उस कीमत से कम कीमत पर बेचता है जिस पर आयात करने वाला राष्ट्र अपने घरेलू बाजार के भीतर समान वस्तुओं और सेवाओं को बेचता है।
- डंपिंग का उद्देश्य एक विदेशी बाजार में प्रतिस्पर्धा को बढ़ाकर बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाना है और इस तरह एकाधिकार की स्थिति पैदा करना है जहां निर्यातक उत्पाद की कीमत और गुणवत्ता को एकतरफा रूप से निर्धारित कर सकेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- टी.ओ.आई.

02.08.2019

1. **<u>ओमेगा 76: नया अणु दवा के प्रतिरोध को संबोधित करने का दावा करता है।</u>**

- भारतीय विज्ञान संस्थान (आई.आई.एस.सी.), बैंगलोर के शोधकर्ताओं ने एक रोगाणुरोधी प्रोटीन डिजाइन किया है जो एसिनेटोबैक्टेर बाउमन्नी नामक बहुरोग-प्रतिरोधी जीवाणु को मारने का दावा करता है।
- उन्होंने ओमेगा 76 नामक प्रोटीन को डिजाइन करने के लिए एक जैव सूचना विज्ञान दृष्टिकोण का उपयोग किया है। प्रयोगों से ज्ञात होता है कि यह जीवाणु की कोशिका झिल्ली को तोड़कर जीवाणु को मार देता है।
- पारंपरिक औषधियां जीवाणु कोशिकाओं में विशिष्ट मार्गों या प्रक्रियाओं को अवरुद्ध करके कार्य करती हैं लेकिन जीवाणु ऐसी औषधियों के खिलाफ प्रतिरोध हासिल करने के लिए विकसित होते हैं।
- हाल ही के समय में, रासायनिक अणुओं के एक वर्ग को एंटीमाइक्रोबियल पेप्टाइड्स कहा जाता है, यह एक विकल्प के रूप में उभरा है।
- यह जीवाणु की कोशिका झिल्ली को तोड़कर उसे मारने का दावा करता हैं। नया अणु इस समूह से संबंधित है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- डाउन टू अर्थ

2. **<u>विभिन्न धार्मिक समूहों के मध्य बेरोजगारी की दर में वृद्धि हुई है।</u>**

- एन.एस.एस.ओ. के साथ ही पी.एल.एफ.एस. (जुलाई 2017- जून 2018) द्वारा किए गए रोजगार एवं बेरोजगार सर्वेक्षण के 66वें राउंड (जुलाई 2009 से जून-2010 के बीच) और 68वें राउंड (जुलाई 2011-जून 2012 के बीच) में डाटा के तीन सेट तैयार किए गए हैं।
- बेरोजगारी की दर पुरुषों और महिलाओं के साथ-साथ शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए भी अलग कर दी गई है।

संबंधित जानकारी

- "सामान्य स्थिति" श्रेणी में श्रमिकों में शामिल हैं-

1. वे व्यक्ति जिन्होंने सर्वेक्षण की तारीख से पहले 365 दिनों के अपेक्षाकृत बड़े हिस्से में काम किया है।
2. शेष लोगों में से वे व्यक्ति हैं जिन्होंने सर्वेक्षण की तारीख से पहले 365 दिनों की संदर्भित

अवधि के दौरान कम से कम 30 दिनों के लिए काम किया है।

- श्रेणी (A) "प्रमुख स्थिति" और श्रेणी (B) से "सहायक स्थिति" को संदर्भित करती है और "सामान्य स्थिति" परिभाषा दोनों को संदर्भित करती है।
- इस तरह, सामान्य स्थिति बेरोजगारी की अधिक आसान माप है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –इंडियन एक्सप्रेस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. **<u>ओ.बी.सी. उप-वर्गीकरण पैनल को 6 और महीनों के लिए विस्तारित किया गया है।</u>**

- मुख्य न्यायाधीश जी. रोहिणी आयोग को 2017 में 12 सप्ताह के भीतर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओ.बी.सी.) के उप-वर्गीकरण के परीक्षण के कार्य के साथ नियुक्त किया गया था, जिसे केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा और छह महीने के लिए विस्तारित कर दिया गया है।

संबंधित जानकारी

मुख्य न्यायाधीश जी. रोहिणी आयोग

- यह संविधान के अनुच्छेद 340 के अंतर्गत गठित पांच सदस्यीय पैनल है।
- इसकी अध्यक्षता दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) जी. रोहिणी द्वारा की जा रही है।
- इसकी रिपोर्ट में ओ.बी.सी. के अंतर्गत अत्यंत पिछड़े वर्गों के लिए उप-कोटा की सिफारिश करने की उम्मीद है।

अन्य आरक्षण पैनल

- 1980 में तत्कालीन सरकार द्वारा मंडल आयोग की स्थापना की गई थी।
- इसने 52% ओ.बी.सी. की आबादी का अनुमान लगाया था और 1,257 समुदायों को पिछड़े के रूप में वर्गीकृत किया था।
- इसने ओ.बी.सी. को शामिल करने के लिए मौजूदा कोटा को 5% से बढ़ाकर 49.5 प्रतिशत करने की सिफारिश की थी जो केवल एस.सी./एस.टी. के लिए था।
- इसकी सिफारिशों को 1990 में तत्कालीन सरकार ने लागू किया था।
- इंद्रा साहनी मामले में, सर्वोच्च न्यायालय ने ओ.बी.सी. के लिए जाति-आधारित आरक्षण को वैध करने को सही माना था।
- वर्तमान में, सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में ओ.बी.सी. को 27% कोटा दिया जाता है, इसके अंतर्गत परिवार की वार्षिक आय 8 लाख रुपये तक होनी चाहिए और इससे अधिक आय वाले लोगों को क्रीमी लेयर के रूप में संदर्भित किया जाता है और वे आरक्षण के लिए पात्र नहीं हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>महत्वपूर्ण खनिज तत्वों की आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए KABIL स्थापित किया गया है।</u>**

- हाल ही में, तीन केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्दमों की भागीदारी के साथ खानिज बिदेश इंडिया लिमिटेड (KABIL) की स्थापना की गई है, इन सार्वजनिक क्षेत्र के उद्दमों के नाम राष्ट्रीय एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड, हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (HCL) और खनिज अन्वेषण कंपनी लिमिटेड है।
- KABIL के गठन का उद्देश्य भारतीय घरेलू बाजार में महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना है।
- यह राष्ट्र की खनिज सुरक्षा को भी सुनिश्चित करेगा।
- यह भारत की ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में मदद करता है और परिवहन के एक हरित मोड का चयन करता है जो वर्ष 2015 में

पेरिस में आयोजित हुए संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में भारत का संकल्प है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

5. **<u>मध्यप्रदेश, रोगाणुरोधी प्रतिरोध (ए.एम.आर.) के लिए योजना रखने वाला दूसरा राज्य है।</u>**

- भोपाल में रोगाणुरोधी प्रतिरोध की रोकथाम के लिए मध्य प्रदेश राज्य कार्रवाही योजना (MP-SAPCAR) जारी की गई है।
- इसके साथ ही भारत में केरल के बाद मध्य प्रदेश दूसरा ऐसा राज्य बन गया है जिसने रोगाणुरोधी प्रतिरोध के प्रबंधन हेतु एक कार्य योजना विकसित की है।
- MP-SAPCAR- 6 प्रमुख रणनीतिक प्राथमिक क्षेत्रों और बहुक्षेत्रीय भागीदारी के माध्यम से ए.एम.आर. की रोकथाम करने हेतु "वन हेल्थ" दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करता है।

संबंधित जानकारी

- विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, ए.एम.आर. एक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरा है। मनुष्यों, जानवरों और जलीय कृषि में एंटीबायोटिक दवाओं का दुरुपयोग ए.एम.आर. में योगदान देता है।
- बढ़ते ए.एम.आर. के साथ, एंटीबायोटिक्स तेजी से मनुष्यों में बीमारियों के इलाज के लिए अप्रभावी होती जा रही हैं।
- इसका समय पर नियंत्रण नहीं होने पर ए.एम.आर. के कारण वर्ष 2050 तक लगभग 10 मिलियन लोगो की मृत्यु होने की संभावना है और इसके परिणामस्वरूप वैश्विक आर्थिक नुकसान होने का अनुमान है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- डाउन टू अर्थ

6. **<u>डब्ल्यू.बी. ने हरियाली के संरक्षण और पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए 'सेव ग्रीन, स्टे क्लीन' जागरूकता अभियान लॉन्च किया है।</u>**

- राज्य के मुख्यमंत्री ने कोलकाता में 'सेव ग्रीन, स्टे क्लीन' नामक अभियान शुरू किया है।
- इस अभियान के अंतर्गत, राज्य सरकार हरियाली के प्रसार के लिए पूरे राज्य में 1 लाख से अधिक पौधे वितरित करेगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- ए.आई.आर.

7. **<u>वर्ष 2018 की वैश्विक जी.डी.पी. रैंकिंग में भारत 7वें स्थान पर खिसक गया है: डब्ल्यू.बी.</u>**

- विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2018 में वैश्विक जी.डी.पी. रैंकिंग में भारत सातवें स्थान पर फिसल गया है।
- वर्ष 2017 में भारत 6वें स्थान पर था।
- वर्ष 2018 में भारत की जी.डी.पी. 2.7 ट्रिलियन डॉलर थी, जब कि ब्रिटेन और फ्रांस की जी.डी.पी. 2.8 ट्रिलियन डॉलर थी।

रैंकिंग	देश	जी.डी.पी. 2018 (USD ट्रिलियन)
पहला	अमेरिका	20.5
दूसरा	चीन	13.6
तीसरा	जापान	5.0
चौथा	जर्मनी	4.0
पांचवां	यूनाइटेड किंगडम	2.8
छठा	फ्रांस	2.8
सातवां	भारत	2.7

8. **<u>चार राज्यों में परीक्षण आधार पर एक राष्ट्र-एक राशन कार्ड योजना लागू की गई है।</u>**

- केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात और महाराष्ट्र में परीक्षण आधार पर एक राष्ट्र-एक राशन कार्ड योजना शुरू की है।

- जिन परिवारों के पास खाद्य सुरक्षा कार्ड हैं, वे इन राज्यों में किसी भी राशन की दुकान से सब्सिडी वाले चावल और गेहूं खरीद सकते हैं।
- इस योजना का उद्देश्य लाभार्थियों को स्वतंत्रता प्रदान करना है क्यों कि वे एक पी.डी.एस. दुकान से बंधे नहीं रह सकते हैं, इससे दुकान मालिकों पर उनकी निर्भरता कम होगी और भ्रष्टाचार कम होगा।
- इस योजना के सबसे बड़े लाभार्थी वे प्रवासी श्रमिक होंगे जो बेहतर रोजगार के अवसरों की तलाश के लिए दूसरे राज्यों में जाते हैं।

नोट:

- केंद्र सरकार खाद्य सुरक्षा कार्ड की पोर्टेबिलिटी को सक्षम करके अगस्त, 2020 तक सभी राज्यों में एक राष्ट्र एक राशन कार्ड योजना का विस्तार करने की योजना बना रही है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –सरकारी योजना

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

05.08.2019

1. **<u>राज्य सभा में जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन विधेयक 2019 प्रस्तुत किया गया</u>**

- सरकार ने जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन विधेयक, 2019 को राज्यसभा में प्रस्तुत किया।
- इसने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को रद्द करने का प्रस्ताव भी पारित किया।
- गृह मंत्री ने अपने बयान में बताया गया कि लद्दाख को अब केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दिया जाएगा, जबकि जम्मू और कश्मीर एक अलग केंद्र शासित प्रदेश होगा।
- मंत्री ने दावा किया कि अनुच्छेद 370 ने जम्मू-कश्मीर को भारत में शामिल होने में कोई मदद नहीं की और उन्होंने कहा, अनुच्छेद 370 से पहले ही जम्मू और कश्मीर भारत का हिस्सा था।

संबंधित जानकारी

जम्मू और कश्मीर का विशेष दर्जा

- संविधान का अनुच्छेद 370 जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान करता है, जबकि अनुच्छेद 35A राज्य के "स्थायी निवासियों" और उनके विशेष अधिकारों और विशेषाधिकारों को परिभाषित करने के लिए राज्य विधानमंडल को अधिकार प्रदान करता है।

अनुच्छेद 35A क्या है?

- अनुच्छेद 35A, जिसे वर्ष 1954 में राष्ट्रपति आदेश द्वारा संविधान में शामिल किया गया था, जम्मू और कश्मीर के नागरिकों को विशेष अधिकार और विशेषाधिकार देता है।
- यह राज्य के बाहर के व्यक्ति से शादी करने वाली महिला को संपत्ति के अधिकार से वंचित करता है। यह प्रावधान, जिसके कारण राज्य की ऐसी महिलाएँ संपत्ति पर अपना अधिकार खो देती हैं, यह उनके वारिसों पर भी लागू होती है।
- यह राज्य के बाहर के लोगों को वहां अचल संपत्ति खरीदने या रखने से रोकता है, स्थायी रूप से बसने, या राज्य-प्रायोजित छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ उठाने से रोकता है।
- यह जम्मू-कश्मीर सरकार को उन लोगों को रोजगार प्रदान करने से भी रोकता है, जो गैर-स्थायी निवासी हैं।

अनुच्छेद 370 क्या है?

- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 370 एक "अस्थायी प्रावधान" है जो जम्मू और कश्मीर को विशेष स्वायत्त दर्जा देता है।
- जम्मू और कश्मीर को संविधान के भाग XXI के तहत अनुच्छेद 370 के तहत विशेष दर्जा दिया गया है, जो "अस्थायी, माध्यमिक और विशेष प्रावधानों" से संबंधित है।

- संविधान के सभी प्रावधान जो अन्य राज्यों पर लागू होते हैं, जम्मू और कश्मीर पर लागू नहीं होते हैं।

Topic- GS Paper 2 –Governance
Source- AIR

2. **नासा सैटेलाइट ने जीजे 357 डी नामक 'पहला निकटवर्ती सुपर-अर्थ' खोजा**

- वैज्ञानिकों ने हमारे अपने सौर मंडल के बाहर पहली संभावित रहने योग्य दुनिया का वर्णन किया है जो लगभग 31 प्रकाश वर्ष दूर है।
- सुपर-अर्थ ग्रह - जिसका नाम जीजे 357 डी है - 2019 की शुरुआत में नासा के ट्रांज़िटिंग एक्सोप्लेनेट सर्वे सैटेलाइट (टीईएसएस) द्वारा खोजा गया था, जो एक्सोप्लैनेट के लिए आकाश तलाश करने हेतु डिज़ाइन किया गया मिशन है।
- कैनरी द्वीप के खगोल भौतिकी संस्थान और ला लागुना विश्वविद्यालय, दोनों स्पेन में खगोलविदों ने, खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी पत्रिका में जी.जे 357 प्रणाली की खोज की घोषणा की।
- एक स्थूल वायुमंडल परत के साथ, जी.जे. 357 डी ग्रह पृथ्वी से 22% बड़ा है और पृथ्वी की तरह अपनी सतह पर तरल पानी बनाए रख सकता है।

संबंधित जानकारी

सुपर-अर्थ

- यह पृथ्वी से अधिक द्रव्यमान वाला एक एक्स्ट्रासोलर ग्रह है, लेकिन सौर मंडल के बर्फ के विशालकाय, यूरेनस और नेपच्यून के द्रव्यमान से काफी नीचे है।

Topic- GS Paper 3 –Science & Tech
Source- Livemint

3. **भारत ने क्विक रिएक्शन सरफेस-टू-एयर मिसाइल का परीक्षण किया**

- भारत ने ओडिशा में एक परीक्षण रेंज से एक परिष्कृत हर मौसम और हर भूभाग में उपयुक्त क्विक रिएक्शन सरफेस-टू-एयर मिसाइल (QRSAM) का परीक्षण किया।

संबंधित जानकारी

क्विक रिएक्शन सरफेस-टू-एयर मिसाइल (QRSAM)

- इसे डी.आर.डी.ओ. ने भारत की सेना के लिए विकसित किया है।
- यह एक हर मौसम और हर भूभाग में उपयुक्त मिसाइल है, जिसे एक ट्रक पर रखा जा सकता है और एक कनस्तर (छोटे टीन के डिब्बे) में संग्रहित किया जा सकता है।
- प्रणाली स्वदेशी रूप से विकसित चरणबद्ध सरणी रडार, इनरट्रियल नेविगेशन सिस्टम, डाटा लिंक और आर.एफ. सीकर से लैस हैं
- क्यू.आर.एस.ए.एम. ठोस-ईंधन प्रणोदक का उपयोग करता है और इसकी सीमा 25-30 किमी है।

Topic- GS Paper 3 –Defence
Source- AIR

4. **भारत में बाघ वायरस से खतरे का सामना कर रहे हैं**

- एक हाल ही में हुए अध्ययन के अनुसार, राजस्थान के रणथंभौर नेशनल पार्क के आसपास 86 प्रतिशत परीक्षण किए गए कुत्तों के रक्तप्रवाह में सीडीवी प्रतिरोधी पाया गया।
- एक संभावित वायरस - कैनाइन डिस्टेंपर वायरस (CDV) - जो कि वन्यजीव अभयारण्यों में और उसके आसपास रहने वाले CDV- संक्रमित कुत्तों से फैल सकता है, इसके चलते वन्यजीव जीवविज्ञानियों के बीच चिंता उत्पन्न होने लगी है।
- रणथंभौर नेशनल पार्क में कुत्तों से लेकर बाघों, तेंदुओं तक रोग हस्तांतरण का यह एक उच्च संकट है।

संबंधित जानकारी

कैनाइन डिस्टेंपर वायरस

- कैनाइन डिस्टेंपर एक संक्रामक वायरल बीमारी है जो कुत्तों, काइयोट, लोमड़ियों, पांडा और भेड़ियों सहित विभिन्न प्रकार की जानवरों की प्रजातियों के श्वसन, जठरांत्र और तंत्रिका तंत्र पर हमला करती है।
- यह परिवार पैरामाइक्सोवाइराइड (वायरस के एक ही परिवार जो मनुष्यों में खसरा, गलन और ब्रोंकोलाईटिस का कारण बनता है) के एकल-फंसे हुए आर.एन.ए. वायरस के कारण होता है।
- यह वायरस मनुष्यों में खसरे के वायरस और रिन्डरपेस्ट वायरस के समान है जो मवेशियों को प्रभावित करता है।
- यह रोग साँस के माध्यम से अत्यधिक संक्रामक है और यह साझा भोजन और पानी के कटोरे और उपकरणों द्वारा भी फैल सकता है।
- कैनाइन डिस्टेंपर संक्रमण का कोई इलाज नहीं है।

नोट:

- वर्ष 2019 में, गिर के जंगल से 20 से अधिक शेरों ने कैनाइन डिस्टेंपर वायरस के संक्रमण के कारण दम तोड़ दिया।

Topic- GS Paper 3 –Environment
Source- The Hindu

5. **राज्य दर राज्य द्वारा भूजल अति-दोहन**

- देश में 6,881 "निर्धारण इकाइयों" (ब्लॉक, तालुका, वाटरशेड आदि) में से 1,186 में भूजल संसाधनों का अत्यधिक दोहन किया जाता है।
- इसका 2017 में मूल्यांकन किया गया था।
- ये सभी अति-शोषित मूल्यांकन इकाइयां 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में हैं।
- पंजाब में 79 प्रतिशत ब्लॉकों में अति-शोषण की सीमा है, इसके बाद राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश, प्रत्येक में 50 प्रतिशत या उससे अधिक हैं।
- तमिलनाडु, जिसमें सबसे अधिक संख्या में ब्लॉक हैं, में भी अति-शोषित इकाइयों की संख्या सबसे अधिक है।

Topic- GS Paper-1- Natural Resources
Source- Indian Express

6. **इसरो अंतरिक्ष मलबे की जांच करने के लिए दूरबीन और रडार स्थापित करेगा**

- इसरो अपनी अंतरिक्ष संपत्ति की सुरक्षा हेतु अंतरिक्ष मलबे की निगरानी के लिए अपनी प्रणाली विकसित कर दूरबीनों और राडार का एक नेटवर्क स्थापित कर रहा है।
- वर्तमान में, इसरो के पास अंतरिक्ष में संचार, नेविगेशन और निगरानी उपग्रह सहित 50 कार्यात्मक उपग्रह हैं।
- इसरो एन.ओ.आर.ओ.डी. (उत्तरी अमेरिका एयरोस्पेस डिफेंस कमांड) डेटा पर निर्भर था, जो सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध है, जो अंतरिक्ष मलबे पर नज़र रखने और हमारे सक्रिय एवं निष्क्रिय (मृत) उपग्रहों की निगरानी के लिए है जो सदैव सटीक नहीं होते हैं।
- एन.ओ.आर.ओ.डी. सटीक डेटा भी रखता है, जो विशेष रूप से उनके लिए उपलब्ध है जो इसके नेटवर्क के सदस्य हैं।
- अपने उपग्रहों के साथ टकराव से बचने के लिए अंतरिक्ष मलबे के संचलन के बारे में सटीक डेटा प्राप्त करने के लिए, इसरो ने देश के चार कोनों में दूरबीन और रडार स्थापित करने का निर्णय लिया है।
- पहला टेलिस्कोप सेटअप पोनमुडी (तिरुवनंतपुरम) में और दूसरा माउंट आबू (राजस्थान) में और तीसरा उत्तर में और चौथा उत्तर पूर्व में स्थापित होगा।

Topic- GS Paper 3 –Science and Technology
Source- TOI

7. **बख्तरबंद, सशस्त्र बलों के विशेष वाहनों को बी.एस-VI उत्सर्जन मानदंड से छूट दी गई है**

- सरकार ने भारतीय सशस्त्र और अर्धसैनिक बलों के बख्तरबंद और अन्य विशेष वाहनों को वाहन उत्सर्जन मानदंडों बी.एस.-VI से छूट दी है जो 1 अप्रैल, 2020 से लागू होंगे।

संबंधित जानकारी

भारत स्टेज एमिशन स्टैंडर्ड (बी.एस.ई.एस.)

- ये आंतरिक दहन इंजन और स्पार्क-इग्निशन इंजन उपकरण से मोटर वाहनों सहित वायु प्रदूषकों के उत्पादन को विनियमित करने के लिए भारत सरकार द्वारा स्थापित उत्सर्जन मानक हैं।
- पर्यावरण एवं वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा कार्यान्वयन के लिए मानक और समय-सीमा निर्धारित की जाती है।
- यूरोपीय नियमों के आधार पर मानकों को पहली बार वर्ष 2000 में प्रस्तुत किया गया था।
- अप्रैल 2017 से पूरे देश के लिए भारत स्टेज IV उत्सर्जन मानदंड लागू किए गए हैं।
- 2016 में, भारत सरकार ने घोषणा की कि देश बी.एस.-V मानदंडों को पूरी तरह से छोड़ देगा और वर्ष 2020 तक बी.एस.-VI मानदंडों को अपनाएगा।

बी.एस.-IV और नए बी.एस.-VI के बीच अंतर

- नए प्रस्तुत किए गए ईंधन में 50 प्रतिशत प्रति मिलियन से 10 पी.पी.एम. तक सल्फर की मात्रा को 80 प्रतिशत तक कम करने का अनुमान है।
- डीजल कारों से NOx (नाइट्रोजन ऑक्साइड) का उत्सर्जन भी पेट्रोल इंजन वाली कारों से लगभग 70 प्रतिशत और 25 प्रतिशत कम होने की उम्मीद है।

Topic- GS Paper 3 –Environment
Source- The Hindu

8. **<u>मेकांग गंगा सहयोग</u>**

- विदेश मंत्री ने 10 वीं मेकांग गंगा सहयोग मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान एक जीवंत आर्थिक विकास गलियारे के विकास हेतु भारत और मेकांग गंगा सहयोग (एम.जी.सी.) के अन्य सदस्य देशों के बीच बेहतर संयोजकता पर बल दिया है।
- यह बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित किया गया था।

संबंधित जानकारी

मेकांग गंगा सहयोग (एम.जी.सी.)

- यह छह देशों - भारत और पाँच आसियान देशों, अर्थात् कंबोडिया, लाओस, म्यांमार, थाईलैंड और वियतनाम द्वारा पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा, साथ ही परिवहन एवं संचार में सहयोग के लिए एक पहल है।
- इसे वर्ष 2000 में वियनतियाने, लाओ पीडीआर में शुरू किया गया था।
- इसका उद्देश्य इन दो प्रमुख नदी घाटियों में रहने वाले लोगों के बीच निकटतम संयोजकता को सुविधाजनक बनाना है।

Topic- GS Paper 2 –International Organisation
Source- PIB

9. **<u>अनुसंधान, नवाचार और प्रौद्योगिकी (IMPRINT) और उच्चतर आविष्कार योजना (UPAY)</u>**

- केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री ने आई.आई.टी. दिल्ली में टेकएक्स - प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।
- टेकएक्स का आयोजन मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एम.एच.आर.डी.) की दो प्रमुख योजनाओं अर्थात अनुसंधान, नवाचार और प्रौद्योगिकी (IMPRINT) और उच्चतर आविष्कार योजना (UPAY) के तहत विकसित उत्पादों और प्रोटोटाइप को प्रदर्शित करने के लिए किया गया था।

संबंधित जानकारी

इम्प्रिंट (IMPRINT)

- इसे वर्ष 2015 में 10 चयनित प्रौद्योगिकी डोमेन में व्यवहार्य प्रौद्योगिकी (उत्पादों या प्रक्रियाओं) में जानकारी का अनुवाद करके सबसे अधिक प्रासंगिक इंजीनियरिंग चुनौतियों का समाधान प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था।
- परियोजनाओं को संयुक्त रूप से एम.एच.आर.डी. और 50:50 के अनुपात में भाग लेने वाले मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित किया जाता है।
- ये 10 प्रौद्योगिकी डोमेन हेल्थ केयर, एनर्जी, सस्टेनेबल हैबिटेट, नैनो-टेक्नोलॉजी हार्डवेयर, जल संसाधन और नदी प्रणाली, उन्नत सामग्री, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, सुरक्षा और रक्षा, और पर्यावरण विज्ञान और जलवायु परिवर्तन हैं।

उच्चतर आविष्कार योजना (UAY)

- यह वर्ष 2015 में एक उच्च स्तर के नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भी शुरू किया गया था जो सीधे उद्योग की जरूरतों को प्रभावित करता है और इस तरह भारतीय विनिर्माण के प्रतिस्पर्धी छोर को बेहतर बनाता है।
- परियोजनाओं को एम.एच.आर.डी. द्वारा संयुक्त रूप से वित्त पोषित किया जाता है, भाग लेने वाले मंत्रालय और उद्योग 50:25:25 के अनुपात में हैं।

Topic- GS Paper 2 –Governance
Source- Indian Express

06.08.2019

1. **<u>मेघदूत: किसानों की सहायता के लिए लांच की गई एक नई मोबाइल ऐप</u>**

- पृथ्वी विज्ञान और कृषि मंत्रालय ने “मेघदूत” नाम से एक नई मोबाइल ऐप लांच की है, जो किसानों को उनकी स्थानीय भाषा में स्थान, फसल और पशुधन संबंधी मौसम आधारित कृषि सलाह प्रदान करेगी।
- इस ऐप को भारतीय मौसम विभाग, भारतीय ऊष्णकटिबंधीय मौसम विभाग और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा मिलकर बनाया गया है।
- यह तापमान, वर्षा, आद्रता और पवन गति एवं दिशा से संबंधित पूर्वानुमान भी प्रदान करेगी। कृषि कार्यों में यह जानकारी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यह ऐप किसानों को उनकी फसल और मवेशियों की देखभाल करने के उचित विधियों की भी सलाह देगी।
- यह ऐप तस्वीरों और मानचित्रों के रूप में सूचनाएं प्रदान करेगी जो किसानों के लिए स्टोर की तस्वीर स्पष्ट करने में मदद करेगा।

विषय - सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत - डाउन टू अर्थ

2. **<u>राष्ट्रीय संसाधन सक्षमता नीति (NREP), 2019</u>**

- पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने एक राष्ट्रीय संसाधन सक्षमता नीति 2019 का मसौदा पेश किया है।
- इसका उद्देश्य पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव डाले इन संसाधनों का किफायती इस्तेमाल करना है।
- यह नीति वर्ष 2030 तक भारत के धात्विक और गैर-धात्विक संसाधनों की अपनी खपत को दोगुना करने में सहायता करती है।
- मसौदे की नीति का लक्ष्य एक राष्ट्रीय संसाधन सक्षमता प्राधिकरण (NREA) स्थापित करके प्राकृतिक पर्यावरण पर आर्थिक वृद्धि की इस अंतर्निहित लागत को न्यूनतम करना है।

NREP 2019 के सिद्धांत हैं -

1. धारणीय विकास लक्ष्यों को निरंतर प्राप्त करते हुए और पृथ्वी की सहनशीलता सीमा में रहने हुए, प्राथमिक स्रोत उपभोग को ‘धारणीय’ स्तरों तक कम करना है।

2. संसाधन किफायती और चक्रण उपायों को अपनाकर कम सामग्री के साथ उच्च मूल्य का निर्माण करना
3. अपशिष्ट को न्यूनतम करना
4. पर्यावरण सुरक्षा और उसकी पुनर्स्थापना के उद्देश्य के लिए लाभदायक रोजगार अवसर और व्यवसायिक मॉडल विकसित करना।

राष्ट्रीय संसाधन सक्षमता प्राधिकरण

- इसे पर्यावरण (सुरक्षा) अधिनियम, 1986 से इस नीति के नियामक प्रावधान बनाने की शक्ति मिली है।
- यह विभिन्न क्षेत्रों के लिए सामग्री का पुनर्चक्रण करने, पुनः उपयोग करने और जमीन भरने के लक्ष्यों के लिए संसाधन कुशल रणनीतियाँ विकसित एवं क्रियान्वित करने में मदद करेगी और यह गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए द्वितीयक कच्चे माल के पुनःउपयोग के मानकों को निर्धारित करेगी।
- यह विभिन्न उद्योंगों एवं क्षेत्रों में उपयोग की गई सामग्री और उससे पैदा अपशिष्ट, उसका पुनर्चक्रण और जमीन को भरने के डेटाबेस (आंकड़ों) को भी व्यवस्थित करेगी और इन सभी के क्रियान्वयन पर नज़र रखेगी।

विषय - सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 – पर्यावरण

स्रोत - PIB

3. **<u>उत्कृष्ट कॉलेजों के लिए संसाधन सहायता: एक नया उच्च शिक्षा मॉडल</u>**

- राजस्थान सरकार ने एक नया उच्च शिक्षा मॉडल लांच किया है, जिसका नाम है " उत्कृष्ट कॉलेजों के लिए संसाधन सहायता" है।
- इसका उद्देश्य संसाधनों की उपलब्धता को तर्कसंगत बनाने के लिए जिला स्तर पर सरकारी कॉलेजों के बीच संकायों और चल परिसंपत्तियों का वितरण है।
- यह मॉडल सुविधाओं को बांटने के लिए एक पूल भी बनाएगा जिससे बुनियादी ढांचे और संकायों की कमी वाले कॉलेज लाभान्वित होंगे।

विषय - सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 2 – प्रशासन

स्रोत - इंडियन एक्सप्रेस

4. **<u>ब्रिटेन के संरचना पुरस्कार के लिए "स्टैचू ऑफ़ यूनिटी' को चयन सूची में शामिल किया गया है</u>**

- गुजरात के केवडिया शहर में सरदार पटेल के स्मारक "द स्टैच ऑफ यूनिटी" को ब्रिटेन स्थित इंस्टीट्यूशन ऑफ स्ट्रक्चरल इंजीनियर्स ने "द स्ट्रक्चर अवार्ड्स 2019" के लिए चयन सूची में शामिल किया है।
- इस पुरस्कार कार्यक्रम का उद्देश्य संरचना इंजीनियरों द्वारा किए जाने वाले महत्वपूर्ण कार्यों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

संबंधित जानकारी

स्टेचू ऑफ़ यूनिटी

- यह गुजरात में नर्मदा जिले के केवडिया शहर में स्थित है।
- इसे नर्मदा नदी के साधु वट द्वीप पर बनाया गया है।
- यह दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है जिसकी ऊंचाई 182 मीटर है।

विषय - सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 1 – कला और संस्कृति

स्रोत - AIR

5. **<u>सी.आर.पी.सी. धारा 144: एक संक्षिप्त परिचय</u>**

सीआरपीसी की धारा 144 क्या है?

- दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 सुरक्षा खतरे या दंगा के तत्काल मामलों को रोकने और उस क्षेत्र में पांच या अधिक लोगों के एकसाथ खड़े होने को रोक लगाने के लिए जारी की जाती है।

- इसकी अधिसूचना क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी की जाती है। यह धारा प्रशासन को इंटरनेट सेवाएँ रोकने की भी अनुमति देती है।

धारा 144 सीआरपीसी कब लगाई जाती है?

- जब कुछ लोगों द्वारा सार्वजनिक शांति और व्यवस्था को भंग करने की आशंका होती है, तो सीआरपीसी धारा 144 को लागू किया जाता है।
- इस धारा के तहत, पुलिस या अर्धसैनिक या सुरक्षा बलों को छोड़कर सभी नागरिकों को सार्वजनिक स्थानों पर लाठियाँ, तेज धार वाले हथियार या आग्नेयास्त्र जैसे हथियारों को ले जाने पर रोक है।
- इस धारा के तहत कोई भी आदेश दो महीने से अधिक समय तक लागू नहीं रहता है।
- हालांकि, यदि राज्य सरकार मानव जीवन पर खतरे या दंगा रोकने के लिए आवश्यक समझती है, तो यह प्रारंभिक आदेश जारी करने की तारीख से छह महीने से अधिक समय तक धारा के तहत प्रतिबंध का विस्तार कर सकती है।

यदि कोई धारा 144 सीआरपीसी का उल्लंघन करता है, तो क्या सजा है?

- गैरकानूनी भीड़ में शामिल किसी भी व्यक्ति को "दंगे में शामिल होने" के लिए गिरफ्तार किया जा सकता है
- ऐसे अधिनियम के लिए अधिकतम सजा तीन साल है।

धारा 144 और कर्फ्यू के तहत निषेधात्मक आदेशों में क्या अंतर है?

- यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि सीआरपीसी धारा 144 कर्फ्यू के बराबर नहीं है।
- कर्फ्यू आदेश अधिक गंभीर परिस्थितियों में जारी किए जाते हैं जहां लोगों को एक विशेष समय या अवधि के लिए घर के अंदर रहने के निर्देश दिए जाते हैं।
- बाजार, स्कूल, कॉलेज, आदि जैसे प्रतिष्ठानों को बंद रहने का आदेश दिया जाता है, और केवल आवश्यक सेवाओं को पूर्व सूचना पर चलाने की अनुमति दी जाती है।
- यातायात पर भी पूर्ण प्रतिबंध होता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 2 -भारतीय राजनीति

स्रोत - इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>बासमती चावल के लिए 9 कीटनाशकों का उपयोग प्रतिबंधित</u>**

- पंजाब कृषि विभाग ने नौ कीटनाशकों के उपयोग को प्रतिबंधित किया जिनका आम तौर पर पंजाब में बासमती चावल की फसल में इस्तेमाल होता है।
- ये कीटनाशक ऐसफेट, कार्बेन्डाजिम, थियामेथोक्साम, ट्रायजोफोस, ट्राईसाइक्लोजोल, बुप्रोफेजिन, कार्बोफ्यूरॉन, प्रोपिकोनाजोल और थियोफैनेट मिथाइल हैं।
- पंजाब कृषि विभाग द्वारा इनमें से अधिकांश प्रतिबंधित कीटनाशकों और कवकनाशी की सिफारिश नहीं की जाती है।

संबंधित जानकारी

- पंजाब में भारत के कुल बासमती निर्यात का 40% से अधिक मांग को पूरा करता है; किसान कीटनाशक विक्रेताओं की सलाह पर कीटनाशकों का उपयोग करते हैं।
- यह कृषि विशेषज्ञों के निर्देशों के उलट है और कृषि विभाग इसकी सिफारिश नहीं करता है।
- इन प्रतिबंधित कीटनाशकों के उपयोग से, पंजाब में बासमती के कुल किसानों का 25 प्रतिशत कीटनाशक कंपनियों को भारी लाभ होने के साथ निवेश लागत 2000 रुपये से 4000 रुपये प्रति मौसम हो जाती है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 2 - प्रशासन

स्रोत - द हिंदू

7. **<u>संयुक्त राज्य अमेरिका ने चीन को "मुद्रा मैनिपुलेटर" नामित किया</u>**

- संयुक्त राज्य अमेरिका ने चीन को एक "मुद्रा मैनिपुलेटर" कहा है, यह कदम दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण व्यापार संबंधों को बढ़ा सकता है।
- इस निर्णय के बाद, चीन के नवीनतम कार्यो द्वारा अनुचित प्रतिस्पर्धात्मक लाभ को समाप्त करने के लिए अमेरिका अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ जुड़ जाएगा।

संबंधित जानकारी

- अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने आरोप लगाया कि "चीन अपनी अनुचित व्यापार अभ्यासों और मुद्रा हेरफेर के साथ सैकड़ों अरबों डॉलर को लगातार प्राप्त करना जारी रखता है, जो वे अमेरिका से लेते रहे हैं"।
- विदेशी मुद्रा बाजार में, बड़े पैमाने पर हस्तक्षेप के माध्यम से चीन के पास एक अनिर्धारित मुद्रा की सुविधा का एक लंबा इतिहास है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत - AIR

8. **<u>मोहाली को पहला 3-D ट्रैफिक सिग्नल मिला</u>**

- देश में अपनी तरह की पहली पहल में, मोहाली ट्रैफिक पुलिस ने चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा तैयार 3-डी स्मार्ट ट्रैफिक सिग्नल लांच किया है।
- 'इंटेलाइट्स' नामक वायरलेस प्रणाली को पायलट प्रोजेक्ट के आधार पर, एयरपोर्ट रोड के पास ट्रैफिक क्रॉसिंग पर स्थापित किया गया है, और इसे स्मार्ट सटीक दृश्य वायरलेस सेंसर सिस्टम के साथ ट्रैफिक सिग्नल को नियंत्रित करेगा।
- यातायात की भीड़ की बढ़ती समस्या पर अंकुश लगाने के लिए इंटेलाइट्स 360 डिग्री का समाधान देता है।
- वर्तमान में, ट्रैफिक लाइट्स की घड़ी एक पूर्व निर्धारित मान प्रदर्शित करती है जिससे समय की बर्बादी होती है।
- उदाहरण के लिए, ऐसे परिदृश्य पर विचार करें जहां '20 सेकंड 'की हरी बत्ती दिखाई जाती है, लेकिन उस विशेष चौराहे पर कोई वाहन मौजूद नहीं है - इस प्रकार अनावश्यक समय बर्बाद होता है।
- इस समस्या से निपटने के लिए, 'इंटेलाइट्स' एक इंटेलिजेंट ट्रैफ़िक टाइमर नियंत्रण का प्रस्ताव लाता है; जो एक चौराहे पर यातायात घनत्व के अनुसार लाल, पीली और हरी बत्तियों की घड़ी को समायोजित करने के लिए डायनेमिक सिग्नल कंट्रोल तकनीक का उपयोग करता है।
- टीम ने सड़कों पर वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करते हुए एंबुलेंस के लिए 'ग्रीन कॉरिडोर' का बचाव करने के लिए अपनी तरह का, वास्तविक समय समाधान विकसित करने पर भी काम किया है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3-विज्ञान और प्रौद्योगिकी

स्रोत- डाउन टू अर्थ

07.08.2019

1. **<u>केंद्र ने कोसी, मेची नदियों को जोड़ने के लिए एक परियोजना को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- केंद्र ने बिहार के सीमांचल क्षेत्र को जीवन की बड़ी राहत प्रदान करते हुए 4,900 करोड़ रुपये की कोसी-मेची इंटरलिंकिंग परियोजना को मंजूरी प्रदान की है।
- यह मध्य प्रदेश के केन-बेतवा के बाद देश की दूसरी प्रमुख नदी इंटरलिंकिंग परियोजना है।
- कोसी को "बिहार का दु:ख" भी कहा जाता है।
- यह न केवल उत्तर बिहार के बड़े हिस्सों को आवर्ती बाढ़ के खतरे से राहत देगा बल्कि उत्तरी

बिहार के अररिया, किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार जिलों में फैले हुए 2.14 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधा प्रदान करेगा।

- यह सीमांचल क्षेत्र में अगली हरित क्रांति की शुरूआत करने की क्षमता रखता है।

हरित परियोजना

- कोसी-मेची इंटरलिंकिंग परियोजना, एक हरित परियोजना है।
- इसके पर्यावरणीय अनुमोदन नोट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि इस परियोजना में जनसंख्या का विस्थापन शामिल नहीं है और इसके अंतर्गत किसी भी वन भूमि का अधिग्रहण नहीं किया जाएगा।
- परियोजना के 10 कि.मी. की सीमा के भीतर कोई राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य, पारिस्थिकी-संवेदनशील क्षेत्र आदि मौजूद नहीं हैं।

मेची नदी

- मेची, महानंदा नदी की महत्वपूर्ण सहायक नदी है।
- हालांकि, इसकी घाटी सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने में अक्षम रहती है।
- कोसी नदी के पानी को महानंदा में प्रवाहित करने से अधिशेष जल के पुनर्वितरण का अनुकूलन होगा जो क्षेत्र में सिंचाई क्षमता को एक अलग दौर में ले जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

टॉपिक- ए.आई.आर.

2. **<u>संसद ने जम्मू-कश्मीर को दो संघ शासित प्रदेशों में विभाजित करने के विधेयक को पारित किया है, विशेष दर्जे को समाप्त करने वाले प्रस्ताव को अपनाया है।</u>**

- संसद ने संविधान के अनुच्छेद 370 के अंतर्गत जम्मू और कश्मीर के विशेष राज्य का दर्जा समाप्त करने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के लिए संकल्प को मंजूरी प्रदान की है।

संबंधित जानकारी

भारतीय संघ में केंद्र शासित प्रदेशों की स्थिति

- भारत दो प्रकार की घटक इकाइयों- राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ एक संघीय राजव्यवस्था है।
- भारत के संविधान के अनुच्छेद 1 में कहा गया है कि भारत के क्षेत्र में प्रदेशों की तीन श्रेणियां शामिल हैं:

1. राज्य
2. केंद्र शासित प्रदेश
3. वे क्षेत्र जो किसी भी समय भारत सरकार द्वारा अधिग्रहित किए जा सकते हैं।

- इस प्रकार, केंद्र शासित प्रदेश, भारतीय राजनीति के संवैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त खंड हैं।
- वे प्रत्यक्ष रूप से केंद्र के नियंत्रण में हैं और इस प्रकार उन्हें केंद्र शासित प्रदेश भी कहा जाता है।

वर्तमान में केंद्र शासित प्रदेशों के निर्माण का क्या कारण है?

वर्तमान में भारत में विभिन्न कारणों से सात केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए हैं:

- रणनीतिक महत्व- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षदीप
- सांस्कृतिक विशिष्टता- दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव और पुदुचेरी
- राजनीतिक और प्रशासनिक कारण- चंडीगढ़ और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
- मणिपुर और त्रिपुरा राज्यों को इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए विशेष उपचार की आवश्यकता के कारण केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया था, जो अब अनुसूचित क्षेत्रों के अंतर्गत या तो अनुसूची V या VI में आते हैं।

केंद्र शासित प्रदेशों के साथ केंद्र के संबंध

- केंद्र के पास केंद्र शासित प्रदेशों को संचालित करने की शक्ति होती हैं। अत: अनुच्छेद 239 के अंतर्गत राष्ट्रपति एक प्रशासक को केंद्र शासित प्रदेश के कार्यकारी के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करता है।
- प्रशासक की स्थिति, किसी राज्य के राज्यपाल की स्थिति से काफी अलग होती है।
- उसके पास राज्यपाल के समान विवेकाधिकार नहीं होता है, जो संविधान के अंतर्गत एक स्वतंत्र पद है।
- राष्ट्रपति, पड़ोसी राज्य के राज्यपाल को भी केंद्रशासित प्रदेश के प्रशासक के रूप में नियुक्त कर सकता है।
- प्रशासक को विभिन्न केंद्र शासित प्रदेशों में या तो उपराज्यपाल या प्रशासक कहा जाता है।
- अनुच्छेद 240 के अंतर्गत, राष्ट्रपति के पास अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव और पुदुचेरी की शांति, प्रगति और सुशासन के लिए नियम बनाने की शक्ति निहित है।
- पुदुचेरी के संदर्भ में, राष्ट्रपति केवल विधानसभा को निलंबित या भंग किए जाने पर कानून बनाने के लिए एक विनियमन कर सकता है।
- पुदुचेरी और दिल्ली को छोड़कर किसी केंद्र शासित प्रदेश की अपनी कोई विधानसभा नहीं है।
- इस प्रकार, सातवीं अनुसूची में उल्लिखित सभी सूचियों के अंतर्गत किसी भी विषय पर कानून बनाने की शक्ति संसद के पास है जिसमें पुदुचेरी और दिल्ली भी शामिल है।

गृह मंत्रालय की भूमिका

- केंद्र में गृह मंत्रालय कानून, वित्त और बजट, सेवाओं और प्रशासकों की नियुक्ति से संबंधित केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित सभी मामलों हेतु नोडल मंत्रालय है।
- बिना विधानसभा वाले सभी पांच केंद्र शासित प्रदेशों में सामाजिक और आर्थिक विकास से संबंधित सामान्य मुद्दों पर चर्चा करने के लिए गृह मंत्री की सलाहकार समिति (एच.एम.ए.सी.) का मंच है।
- अनुच्छेद 239AB के अंतर्गत, दिल्ली की एन.सी.टी. के संदर्भ में संवैधानिक मशीनरी के विफल हो जाने पर राष्ट्रपति अनुच्छेद 239AA के किसी भी प्रावधान के संचालन को निलंबित कर सकते हैं और संविधान के अंतर्गत ऐसे प्रावधान बना सकते हैं जो दिल्ली के एन.सी.टी. को संचालित करने के लिए आवश्यक हैं।
- यह राज्यों के संबंध में अनुच्छेद 356 के समान है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 -गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>2017 की जनगणना के अनुसार, देश में हाथियों की जनसंख्या 29,964 है।</u>**

- 2017 में हुई जनगणना के अनुसार, देश में हाथियों की जनसंख्या 29,964 अनुमानित की गई है।
- दक्षिण क्षेत्र में 14,612 और उसके बाद पूर्वोत्तर में 10,139 हाथी थे।
- प्रत्येक चार वर्षों में एक बार बाघों की जनगणना राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाती है और प्रत्येक पांच वर्षों में एक बार हाथियों की जनगणना राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- ए.आई.आर.

4. **<u>फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए काम करने वाली संयुक्त राष्ट्र की संस्था में भारत ने $ 5 मिलियन का योगदान दिया है।</u>**

- भारत ने संयुक्त राष्ट्र फिलिस्तीन शरणार्थी संस्था में 5 मिलियन डॉलर का योगदान दिया

है और संगठनात्मक काम के लिए निरंतर राजकोषीय समर्थन सुनिश्चित करने का आह्वान किया है।

संबंधित जानकारी

संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य संस्था (यू.एन.डब्ल्यू.आर.ए.)

- यह एकमात्र संयुक्त राष्ट्र संस्था है जो एक विशिष्ट क्षेत्र या संघर्ष से शरणार्थियों की मदद करने हेतु समर्पित है और शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र के उच्चायुक्त से अलग है।
- यह इसका समर्थन करने वाली आबादी को शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक सेवाएं प्रदान करती है।
- यह सहायता ऑपरेशन के पांच क्षेत्रों: जॉर्डन, लेबनान, सीरिया, गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक में प्रदान की जाती है जिसमें पूर्वी यरूशलेम भी शामिल है।
- इन पांच क्षेत्रों के बाहर फिलिस्तीनी शरणार्थियों को यू.एन.एच.सी.आर. द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।
- इसने 1948 के संघर्ष के बाद इजरायल राज्य के अंदर यहूदी और अरब फिलिस्तीन शरणार्थियों को राहत प्रदान की थी जब तक कि इजराइल सरकार ने 1952 में यहूदी शरणार्थियों की जिम्मेदारी नहीं ली थी।
- फिलिस्तीन शरणार्थी की समस्या के समाधान की अनुपस्थिति में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बार-बार यू.एन.आर.डब्ल्यू.ए. के शासनादेश को नवीनीकृत किया है, हाल ही में इसे 30 जून 2020 तक विस्तारित किया गया है।
- संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य संस्था का मुख्यालय जेरूसलम में स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

5. **<u>वैज्ञानिकों को मंगल ग्रह पर 'मेगा-सुनामी' के साक्ष्य मिले हैं।</u>**

- मंगल की सतह पर पाए जाने वाले प्रभाव क्रेटरों पर किए गए एक नए अध्ययन से पता चलता है कि अगर लाल ग्रह पानी आता है तो यहां पर एक "मेगा-सुनामी" का अनुभव किया जा सकता है जिसने ग्रह को आकार दिया है।
- यह अध्ययन प्रभाव क्रैटर्स की पहचान पर ध्यान केंद्रित करता है जो समुद्र में प्रभावित हुए हैं और इनसे सुनामी उत्पन्न होने की संभावना है।
- अनुसंधान ने लोमोनोसोव नामक उल्का प्रभाव स्थल का विश्लेषण किया है जो 120 किलोमीटर की गहराई पर स्थित है, समुद्र की अनुमानित गहराई के समान ऊंचाई है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>उपभोक्ता संरक्षण विधेयक 2019</u>**

- राज्यसभा ने उपभोक्ता संरक्षण विधेयक, 2019 पारित किया है जो 1986 के उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम का प्रतिस्थापित करेगा।

विधेयक की प्रमुख विशेषताओं में शामिल हैं:

उपभोक्ता की परिभाषा:

- एक उपभोक्ता को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया जाता है जो किसी भी उत्पाद को खरीदता है या विचार के लिए एक सेवा प्रदान करता है। इसमें वह व्यक्ति शामिल नहीं है जो पुनर्विक्रय के लिए एक उत्पाद या वाणिज्यिक उद्देश्य के लिए एक सेवा प्राप्त करता है।
- इसमें सभी माध्यमों के द्वारा हस्तांतरण करना शामिल है जिसमें ऑफलाइन और इलेक्ट्रॉनिक साधनों के माध्यमों से ऑनलाइन, टेलीशोपिंग, बहु-स्तरीय विपणन या प्रत्यक्ष बिक्री शामिल है।

उपभोक्ताओं के अधिकार:

- विधेयक में छह उपभोक्ता अधिकारों को परिभाषित किया गया है, जिसमें निम्न अधिकार शामिल हैं:

1. जीवन और संपत्ति के लिए खतरनाक उत्पाद और सेवाओं के विपणन के खिलाफ संरक्षित किया जाना चाहिए
2. उत्पाद या सेवाओं की गुणवत्ता, मात्रा, शक्ति, शुद्धता, मानक और कीमत के बारे में सूचित किया जाना चाहिए
3. प्रतिस्पर्धी कीमतों पर विभिन्न प्रकार के उत्पादों या सेवाओं तक पहुंच का आश्वासन दिया जाए
4. अनुचित या प्रतिबंधात्मक व्यापारिक प्रथाओं के खिलाफ निवारण प्रदान करना

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सी.सी.पी.ए.)

- केंद्र सरकार उपभोक्ताओं के अधिकारों के संवर्धन, संरक्षण और उन्हें लागू करने के लिए सी.सी.पी.ए. की स्थापना करेगी।
- यह उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन, अनुचित व्यापारिक प्रथाओं और भ्रामक विज्ञापनों से संबंधित मामलों को विनियमित करेगा।
- सी.सी.पी.ए. के पास महानिदेशक की अध्यक्षता में एक जांच विंग होगी, जो इस तरह के उल्लंघनों की जांच कर सकती है।

भ्रामक विज्ञापनों हेतु जुर्माना:

- सी.सी.पी.ए. झूठे या भ्रामक विज्ञापन के लिए निर्माता या प्रचारक पर 10 लाख रुपये तक का जुर्माना लगा सकता है और दो साल तक कारावास की सजा दे सकता है।
- इसके बाद के अपराध के मामले में जुर्माना 50 लाख रुपये तक का हो सकता है और पांच साल तक की कैद हो सकती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वपूर्ण विधेयक

स्रोत- पी.आई.बी.

7. **<u>ए.ई.आर. ए. (संशोधन) विधेयक- 2019</u>**

- राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण, ए.ई.आर.ए. (संशोधन) विधेयक- 2019 को अपनी सहमति प्रदान की है।
- यह विधेयक प्रमुख हवाई अड्डों के लिए वार्षिक यात्री यातायात की सीमा को 15 लाख से बढ़ाकर 35 लाख से अधिक यात्रियों तक पहुंचाता है।
- इससे पहले, भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण अधिनियम, 2008 ने एक प्रमुख हवाई अड्डे को 15 लाख से अधिक वार्षिक यात्री यातायात के रूप में या केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित किसी अन्य हवाई अड्डे के रूप में परिभाषित किया था।
- विधेयक के प्रावधानों के अनुसार, प्राधिकरण उन मामलों में टैरिफ, टैरिफ संरचनाओं या विकास शुल्क का निर्धारण नहीं करेगा, जहां ये राशि बोली दस्तावेज का एक हिस्सा थी, जिसके आधार पर हवाई अड्डे के संचालन को सम्मानित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

8. **<u>राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा</u>**

- हाल ही में, पोल पैनल ने टी.एम.सी., सी.पी.आई. और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) को कारण बताओ नोटिस दिए थे कि लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी की हार के बाद राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा वापस क्यों नहीं लिया जाना चाहिए।
- प्रतीक आदेश 1968 के अंतर्गत, एक पार्टी का राष्ट्रीय दर्जा समाप्त होने पर उसे पूरे देश में एक समान प्रतीक का उपयोग करके चुनाव लड़ने का अधिकार नहीं प्राप्त रहता है।
- वर्तमान में, भारत में 7 दलों को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त है:

  (a) अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस

  (b) बी.एस.पी.

(c) भाजपा

(d) आई.एन.सी.

(e) सी.पी.आई.-एम.

(f) राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी

(g) नेशनल पीपुल्स पार्टी (इंडिया)

एक राष्ट्रीय पार्टी के रूप में मान्यता प्राप्त करने हेतु शर्तें

- पोल पैनल द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार, किसी भी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी के रूप में मान्यता प्रदान की जाती है यदि निम्न में से कोई भी शर्त पूरी होती है:
- यदि वह लोकसभा या विधानसभा के आम चुनाव में किसी भी चार या अधिक राज्यों में किए गए मतदान के छह प्रतिशत वैध मतों को पाती है और इसके अतिरिक्त, यह किसी भी राज्य या राज्यों से लोकसभा में चार सीटें जीतती है या
- यदि वह आम चुनाव में लोकसभा की दो प्रतिशत सीटें जीतती है और ये उम्मीदवार तीन राज्यों से चुने गए हैं या
- यदि उसे चार राज्यों में राज्य पार्टी के रूप में मान्यता प्राप्त है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –भारतीय संविधान

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

08.08.2019

1. **आई.आई.टी- गुवाहाटी ने जीवाणुओं का शीघ्र पता लगाने के लिए एक पोर्टेबल डिवाइस "ओ.एफ.ई.टी." का निर्माण किया है।**

- आई.आई.टी. गुवाहाटी के शोधकर्ताओं ने एक कम लागत वाली और पोर्टेबल डिवाइस विकसित की है जिसका नाम जैविक क्षेत्र प्रभाव ट्रांजिस्टर (ओ.एफ.ई.टी.) है।
- जैविक क्षेत्र प्रभाव ट्रांजिस्टर, एक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस है जो इस सिद्धांत पर काम करता है कि निश्चित अर्धचालकों के चैनलों के आसपास के क्षेत्र में चार्ज करने से उनमें विद्युत प्रवाह उत्पन्न हो सकता है।
- इसमें कोशिका कल्चर और सूक्ष्मजीवविज्ञानी परख की आवश्यकता के बिना जीवाणु का तेजी से पता लगाने की क्षमता है।
- इसे समय लेने वाली तकनीकों के माध्यम से जीवाणु संक्रमण का पता लगाने की मौजूदा चुनौती का समाधान निकालने के लिए विकसित किया गया था।
- यह डिवाइस जीवाणु का तेजी से पता लगाने में सक्षम होगी, जो न केवल स्वास्थ्य देखभाल में महत्वपूर्ण है बल्कि पर्यावरणीय अनुप्रयोगों की निगरानी में भी मदद करती है।
- वर्तमान में, शरीर के तरल पदार्थों में जीवाणु की पहचान प्रयोगशालाओं में की जाती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- टी.ओ.आई.

2. **भारत, दुनिया का 13वाँ पानी की सबसे अधिक कमी वाला देश है: डब्ल्यू.आर.आई.**

- विश्व संसाधन संस्थान (डब्ल्यू.आर.आई.) द्वारा जारी एक्वीडक्ट वाटर रिस्क एटलस के अनुसार, भारत, दुनिया के 17 पानी की सबसे अधिक कमी वाले देशों में से 13वें स्थान पर है।
- पड़ोसी देश पाकिस्तान के बाद आधारभूत पानी की कमी के 'अत्यंत उच्च' स्तर पर है।
- 17 में से 12 देश, मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका (एम.ई.एन.ए.) क्षेत्र से हैं, दस्तावेजों में चेतावनी दी गई है कि जलवायु परिवर्तन इस संकट को अधिक जटिल कर सकता है।
- कोई क्षेत्र "पानी की कमी" के अंतर्गत तब आता है जब वहां पानी की मांग, उपलब्ध मात्रा से अधिक हो जाती है या पानी की खराब गुणवत्ता के कारण वह उपयोग हेतु नहीं होता है।

भारत परिदृश्य

- डब्ल्यू.आर.आई. ने कहा है कि भारत की आबादी, संयुक्त रूप से पानी की अत्यधिक कमी वाले अन्य 16 देशों की तीन गुना आबादी से अधिक है।
- यह दर्शाता है कि भारत की आबादी का तीन-चौथाई से अधिक हिस्सा पानी की अत्यधिक कमी का सामना कर रहा है।
- एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले वर्ष नीति आयोग ने घोषणा की थी कि देश "अपने इतिहास के सबसे अधिक जल संकट से पीड़ित है"।
- भारत के भूजल संसाधन बहुत अधिक आहरित हैं, ये बड़े पैमाने पर सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए प्रयोग किए जा रहे हैं।
- 1990 से 2014 के बीच कुछ उत्तरी जलवाही स्तरों में भूजल तालिकाओं में 8 से.मी. प्रति वर्ष से अधिक की दर से गिरावट आई है।
- नव पुनर्गठित केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने भी गंभीर स्थिति के बारे में लोकसभा में चिंता जताई थी।
- भारत में 6,881 मूल्यांकन इकाइयों (ब्लॉक, तालुका, जलविभाजन और अन्य) के 1,186 में भूजल संसाधनों का अत्यधिक दोहन किया गया है।

संबंधित जानकारी

विश्व संसाधन संस्थान (डब्ल्यू.आर.आई.)

- यह एक वैश्विक अनुसंधान गैर-लाभकारी संगठन है जो 7 क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है:

  (1) खाद्य

  (2) वन

  (3) जल

  (4) ऊर्जा

  (5) शहर

  (6) जलवायु

  (7) महासागर
- इसका मिशन मानव समाज को पृथ्वी के पर्यावरण की रक्षा करने वाले तरीकों से जीना सिखाने के प्रति प्रेरित करना है।
- यह स्थानीय और राष्ट्रीय सरकारों, निजी कंपनियों, सार्वजनिक रूप से आयोजित निगमों और अन्य गैर-लाभकारी संगठनों के साथ साझेदारी करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

3. **<u>अन्य राज्यों को विशेष दर्जा</u>**

- संविधान के अनुच्छेद 371 में पूर्वोत्तर और कुछ अन्य राज्यों के आदिवासी समुदायों के लिए विशेष प्रावधान हैं।
- संविधान के भाग XXI में जम्मू और कश्मीर के अतिरिक्त कुछ राज्यों के अस्थायी, संक्रमणकालीन और विशेष प्रावधान पर अनुच्छेद हैं।

महाराष्ट्र और गुजरात (अनुच्छेद 371)

- अनुच्छेद के अनुसार, महाराष्ट्र के राज्यपाल के पास महाराष्ट्र में विदर्भ, मराठवाड़ा जैसे क्षेत्रों के लिए "पृथक विकास बोर्ड" स्थापित करने की एक विशेष जिम्मेदारी है, जब कि गुजरात को सौराष्ट्र और कच्छ में ऐसा करने की शक्ति प्राप्त है।

नागालैंड (अनुच्छेद 371ए.)

- नागालैंड में, भारतीय संसद नागा धर्म या सामाजिक प्रथाओं, नागा प्रथागत कानून और प्रक्रिया, नागा प्रथागत कानून द्वारा नागरिक और आपराधिक न्याय के प्रशासन में लिए गए निर्णय और भूमि और उसके संसाधनों के स्वामित्व और हस्तांतरण के मामलों में राज्य विधानसभा की सहमति के बिना कानून नहीं बना सकती है।

असम (अनुच्छेद 371बी.)

- पूर्णतया नागालैंड की तरह, भारत के राष्ट्रपति, राज्य विधानसभा की एक समिति के गठन और

कार्यों के लिए प्रावधान कर सकते हैं, यह समिति आदिवासी क्षेत्रों से चुने गए सदस्यों से मिलकर बनी है।

मणिपुर (अनुच्छेद 371सी.)

- राष्ट्रपति, सरकार के व्यापार के नियमों में किए जाने वाले संशोधनों के लिए विधानसभा में राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों से विधानसभा के निर्वाचित सदस्यों की एक समिति के गठन और कार्यों के लिए प्रावधान कर सकते हैं।

आंध्र प्रदेश (अनुच्छेद 371डी., 371ई.)

- भारत के राष्ट्रपति को "लोगों के लिए समान अवसर और सुविधाएं" सुनिश्चित करनी चाहिए या राज्य सरकार द्वारा सरकारी नौकरियों, शिक्षा और अन्य योजनाओं के मामले में आरक्षण सुनिश्चित करना चाहिए।
- अनुच्छेद 371ई. आंध्र प्रदेश में संसद के एक कानून द्वारा केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की अनुमति प्रदान करता है।

सिक्किम (अनुच्छेद 371एफ.)

- यह अनुच्छेद सिक्किम को न्यूनतम 30 सदस्यों की एक विधानसभा रखने की अनुमति प्रदान करता है, संविधान में इसके अतिरिक्त अन्य कोई प्रावधान नहीं है।
- ये सदस्य भारतीय संसद में सिक्किम के प्रतिनिधि का चुनाव करेंगे।

मिजोरम (अनुच्छेद 371जी.)

- अनुच्छेद के अनुसार, आंध्र प्रदेश की विधान सभा में 40 से कम सदस्य नहीं होने चाहिए।
- इसके अतिरिक्त मिजोरम में नागालैंड के समान संसद "मिज़ो के धर्म अथवा सामाजिक प्रथाओं, मिज़ो प्रथागत कानून और प्रक्रिया, मिजो प्रथागत कानून द्वारा नागरिक और आपराधिक न्याय के प्रशासन में लिए गए निर्णय, भूमि के स्वामित्व और हस्तांतरण के मामलों में राज्य विधानसभा की सहमति के बिना कानून नहीं बना सकती है।

अरुणाचल प्रदेश (अनुच्छेद 371एच)

- यह अनुच्छेद राज्यपाल को राज्य के कानून और व्यवस्था के लिए विशेष जिम्मेदारी देता है लेकिन उसे अपने व्यक्तिगत निर्णय का उपयोग करने से पहले राज्य में मंत्रिपरिषद से परामर्श करना होगा।

कर्नाटक (अनुच्छेद 371जे.)

- यह हैदराबाद-कर्नाटक क्षेत्र में पिछड़े जिलों के लिए महाराष्ट्र और गुजरात के लिए किए गए प्रावधानों के समान एक अलग विकास बोर्ड की स्थापना की अनुमति प्रदान करता है।
- इस बोर्ड को प्रत्येक वर्ष राज्य विधानसभा को रिपोर्ट करना होगा।
- यह सरकारी नौकरियों और शिक्षा में भी इस क्षेत्र के लोगों के लिए आरक्षण सुनिश्चित करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत-फाइनैंशियल एक्सप्रेस

4. **<u>1950 की डिक्सॉन योजना: कश्मीर को विभाजित करने के विचार का एक विचित्र इतिहास है।</u>**

- जम्मू और कश्मीर को दो या दो से अधिक भागों में विभाजित करने के विचार का एक विचित्र इतिहास है, इसकी उत्पत्ति 1950 की डिक्सॉन योजना से हुई है।
- जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता कराने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा चुने गए एक ऑस्ट्रेलियाई न्यायविद ओवेन डिक्सॉन ने सितंबर 1950 की अपनी रिपोर्ट में इस विचार को प्रस्तुत किया है।
- इसने कश्मीर घाटी में एक जनमत संग्रह का प्रस्ताव रखा था।
- डिक्सॉन ने रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। हालांकि, इसे भारत से स्वीकृति नहीं मिली थी।

संबंधित जानकारी

- इस योजना ने लद्दाख को भारत से और उत्तरी क्षेत्रों और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को पाकिस्तान को सौंपा था, इसके अतिरिक्त जम्मू को दो भागों में विभाजित किया था।
- एक साल बाद, बी.आर. अंबेडकर ने जवाहरलाल नेहरू मंत्रालय से कानून मंत्री के रूप में पद छोड़ने के बाद तीन क्षेत्रों के गठन का सुझाव दिया था:

1. पाकिस्तान द्वारा रखा गया क्षेत्र
2. घाटी
3. जम्मू-लद्दाख

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>जापान ने हिरोशिमा की सालगिरह पर संयुक्त राष्ट्र के परमाणु प्रतिबंध पर हस्ताक्षर करने का आग्रह किया है।</u>**

- हिरोशिमा के मेयर ने जापान से परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध लगाने वाली संयुक्त राष्ट्र संधि पर हस्ताक्षर करने का आग्रह किया है क्योंकि वह 6 अगस्त को दुनिया के पहले परमाणु हमले में लक्षित होने के 74 वर्ष पूर्ण हो गए हैं।
- जापान एक मात्र देश है जिसने हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु हमले को झेला है। द्वितीय विश्व युद्ध को समाप्त करने के लिए 15 अगस्त, 1945 को देश के आत्मसमर्पण से कुछ दिन पहले हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु हमला किया गया था।
- संयुक्त राष्ट्र परमाणु हथियार निषेध संधि (TPNW) को 120 से अधिक देशों द्वारा अनुमोदित किया गया है लेकिन अमेरिकी और अन्य परमाणु-सशस्त्र देशों द्वारा अस्वीकार कर दिया गया है।

सम्बंधित जानकारी

परमाणु हथियार निषेध संधि

- यह परमाणु हथियारों को व्यापक रूप से प्रतिबंधित करने वाला पहला कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतर्राष्ट्रीय समझौता है, जिसका लक्ष्य परमाणु हथियारों के संपूर्ण उन्मूलन की ओर अग्रसर होना है।
- इसके अंतर्गत परमाणु हथियारों के उपयोग, परीक्षण, उत्पादन, अधिग्रहण, स्वामित्व, भंडार, उपयोग या धमकाने के लिए प्रयोग नहीं करने का उपक्रम शामिल है।
- यह संधि, राष्ट्रीय क्षेत्र पर परमाणु हथियारों की तैनाती और निषिद्ध गतिविधियों के संचालन में किसी भी राज्य की सहायता करने के प्रावधान को भी प्रतिबंधित करती है।
- इसके प्रभावी होने के लिए कम से कम 50 देशों द्वारा हस्ताक्षर और अनुसमर्थन आवश्यक है, 31 जुलाई, 2019 को 24 देशों ने संधि की पुष्टि की है।
- हालांकि, आठ परमाणु हथियार वाले राष्ट्रों अर्थात् अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, चीन, फ्रांस, भारत, पाकिस्तान और उत्तर कोरिया, इजरायल के ससंधि की वार्ताओं में भाग नहीं लिया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>कश्मीर पर यू.एन.एस.सी. रेजोल्यूसन 47</u>**

- यू.एन.एस.सी. का संकल्प 47, जम्मू और कश्मीर राज्य के विवाद से संबंधित भारत सरकार की शिकायतों पर केंद्रित है, जिसे भारत जनवरी, 1948 को सुरक्षा परिषद में ले गया था।
- अक्टूबर 1947 में, सादे कपड़ों और आदिवासियों के भेष में पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा की गई घुसपैठ के बाद कश्मीर के महाराजा, हरि सिंह ने भारत से सहायता मांगी थी और इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेसेशन पर हस्ताक्षर किए थे।

- कश्मीर (1947-1948) में पहले युद्ध के बाद, भारत ने कश्मीर के मुद्दे को सुरक्षा परिषद के सदस्यों की नजर में लाने हेतु संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से संपर्क किया था।

यू.एन.एस.सी. ने पाकिस्तान को क्या करने का आदेश दिया था?

- यू.एन.एस.सी. ने पाकिस्तान को "लड़ाई के उद्देश्य से राज्य में प्रवेश करने वाले" अपने आदिवासियों और पाकिस्तान के नागरिकों को वापस बुलाने और भविष्य की घुसपैठ को रोकने और "राज्य में लड़ रहे लोगों को भौतिक सहायता प्रदान करने से" को रोकने का आदेश दिया था।

यू.एन.एस.सी. ने भारत को क्या करने का आदेश दिया था?

- पाकिस्तानी सेना और आदिवासियों के राज्य से हटने के बाद और लड़ाई बंद हो गई थी, भारत को जम्मू और कश्मीर से सेना वापस लेने और कानून और व्यवस्था के नागरिक रखरखाव के लिए आवश्यक न्यूनतम क्षमता के साथ एक निश्चित समय के लिए सेना कम करने के लिए आयोग को एक योजना प्रस्तुत करनी थी।

भारत और पाकिस्तान ने यू.एन.एस.सी. संकल्प 47 के प्रति क्या प्रतिक्रिया दी थी?

- दोनों देशों ने संकल्प 47 को अस्वीकार कर दिया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –भारतीय संविधान

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>न्यूज़ीलैंड में दुनिया के सबसे बड़े तोते "हेराक्लेस" के जीवाश्म खोजे गए हैं।</u>**

- न्यूज़ीलैंड में एक सुपर-आकार के तोते हेराक्लेस इनएक्सपेक्टेटस के अवशेषों की खोज की गई है।
- जीवाश्म विज्ञानियों की एक अंतर्राष्ट्रीय टीम की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह तोता एक औसत मानव की आधी से अधिक ऊंचाई तक खड़ा हो सकता है और 19 मिलियन साल पहले पृथ्वी पर घूमा करता था।
- यह न उड़ने वाला पक्षी है और खोज की अप्रत्याशित प्रकृति का है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

09.08.2019

1. **<u>समग्र शिक्षा-जल सुरक्षा</u>**

- केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री देश में सभी स्कूली छात्रों के बीच जल संरक्षण के संदर्भ में जागरूकता पैदा करने के लिए समग्र शिक्षा-जल सुरक्षा लांच करेंगे।
- यह एक मिशन मोड दृष्टिकोण के साथ एक समयबद्ध अभियान है।
- जल संरक्षण का यह सिद्धांत छात्रों के लिए आवश्यक है जिससे कि वे पानी के महत्व को समझ सकें।
- समग्र शिक्षा-जल सुरक्षा के पाँच प्रमुख उद्देश्य हैं:

1. छात्रों को जल संरक्षण के बारे में जानने हेतु शिक्षित करना
2. पानी की कमी के प्रभाव के बारे में छात्रों को संवेदनशील बनाना
3. पानी के प्राकृतिक स्रोतों की रक्षा करना सीखने के लिए छात्रों को सशक्त बनाना
4. प्रत्येक छात्र की प्रति दिन कम से कम एक लीटर पानी बचाने में मदद करना
5. छात्रों को घर और स्कूल स्तर पर पानी के विवेकपूर्ण उपयोग और पानी की न्यूनतम बर्बादी के लिए प्रोत्साहित करना

इस योजना के अंतर्गत लक्ष्य:

- एक छात्र- एक दिन- एक लीटर पानी बचाए
- एक छात्र- एक वर्ष - 365 लीटर पानी बचाए
- एक छात्र- 10 साल - 3650 लीटर पानी बचाए

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **<u>पापुआ न्यू गिनी देश में सबसे ज्यादा भाषाएं हैं।</u>**

- पापुआ न्यू गिनी के प्रशांत द्वीप राष्ट्र में दुनिया में सबसे अधिक "जीवित" स्वदेशी भाषाएं (840) हैं, जब कि भारत 453 भाषाओं के साथ चौथे स्थान पर है।
- हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2019 को स्वदेशी भाषा के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में घोषित किया है।

संबंधित जानकारी

- एथनोलॉग, भाषाओं की एक निर्देशिका है, यह पूरे विश्व में 7,111 जीवित भाषाओं को सूचीबद्ध करती है (ऐसी भाषाएं जो अभी भी लोगों द्वारा उपयोग की जा रही हैं और बोली जा रही हैं)।
- चीनी, स्पेनिश, अंग्रेजी, हिंदी और अरबी पूरे विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाएँ हैं, जब केवल प्राथमिक भाषाओं पर विचार किया जाता है।
- पूरे विश्व के 40% से अधिक लोगों द्वारा ये पांच भाषाएं बोली जाती हैं।
- एथनोलॉग ने 'ग्रीनबर्ग का विविधता सूचकांक' भी जारी किया है।
- यह संभावना है कि यादृच्छिक रूप से चुने गए देश के दो लोगों की मातृभाषा अलग-अलग होगी।
- यह मान 0 से 1 तक होता है, जहाँ 0 कोई विविधता नहीं दर्शाता है (सभी की मातृभाषा समान है) और 1 संपूर्ण विविधता को इंगित करता है (किन्हीं दो लोगों की समान मातृभाषा नहीं होगी)।
- भारत का विविधता मान 0.9 है।
- यूनेस्को के "एटलस ऑफ द वर्ल्ड्स लैंग्वेजेज इन डेंजर" के अनुसार, वर्ष 1950 से 228 भाषाएं विलुप्त हो चुकी हैं।
- लगभग 10% भाषाओं को 'लुप्तप्राय' के रूप में वर्गीकृत किया गया है और 10% भाषाओं को "गंभीर रूप से संकटग्रस्त" के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- भारत में वर्ष 1950 से 5 भाषाएँ विलुप्त हो चुकी हैं जब कि 42 भाषाएँ गंभीर रूप से संकटग्रस्त हैं।
- तिनिगुआन (कोलम्बियाई मूल) जैसी भाषाएँ एक लुप्तप्राय भाषा का उदाहरण हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- टी.ओ.आई.

3. **<u>गोवा सरकार ने 1870 के पुर्तगाली-युग की एकसमान नागरिक संहिता में संशोधन किया है।</u>**

- गोवा में मुख्यमंत्री द्वारा पुर्तगाली-युग की एकसमान नागरिक संहिता (यू.सी.सी.) में संशोधन किए जाने की संभावना है जो 1870 में लायी गई थी।

कानून क्या प्रदान करता है?

- एकसमान नागरिक संहिता 1870, जो एक पुर्तगाली-युग का कानून है, इस नियम ने तटीय राज्य में गैर-गोवा निवासी की शादी को पंजीकृत करना प्रतिबंधित कर दिया है।

एक संशोधन के बाद क्या बदलाव हुआ है?

- एकसमान नागरिक संहिता में संशोधन के बाद गैर-गोवा निवासियों को तटीय राज्य में अपने विवाह को पंजीकृत करने की अनुमति प्रदान की जा सकती है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>यू.एन.आई.डी.ओ. और राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान, कौशल विकास कार्यक्रम के लिए भागीदार हैं।</u>**

- सौर तापीय ऊर्जा क्षेत्र में विभिन्न स्तर लाभार्थियों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम शुरू करने के लिए एन.आई.एस.ई. और यू.एन.आई.डी.ओ. के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
- एन.आई.एस.ई. और यू.एन.आई.डी.ओ., विशेषज्ञ प्रशिक्षण सामग्री विकसित करके सर्वोत्तम प्रथाओं

को लाने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों को शामिल करेंगे।

- यह समझौता यू.एन.आई.डी.ओ. द्वारा संयुक्त रूप से कार्यान्वित मौजूदा MNRE-GEF-UNIDO परियोजना का हिस्सा है और परम्परागत जीवाश्म ईंधन को बदलने के लिए उपयोग की जा रही सांद्र सौर तापीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी (सी.एस.टी.) में प्रौद्योगिकी कार्यबल के क्षमता निर्माण और कौशल विकास का समर्थन करता है।

यू.एन.आई.डी.ओ. (संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन)

- यह संयुक्त राष्ट्र प्रणाली में एक विशेष संस्था है, जिसका मुख्यालय ऑस्ट्रिया के विएना में स्थित है।
- यू.एन.आई.डी.ओ. का उद्देश्य वर्ष 2013 में यू.एन.आई.डी.ओ. सामान्य सम्मेलन के पंद्रहवें सत्र में अपनाए गए लीमा घोषणापत्र में वर्णित के अनुसार सदस्य देशों में समावेशी और सतत औद्योगिक विकास (आई.एस.आई.डी.) को बढ़ावा देना और गति प्रदान करना है।
- यह संयुक्त राष्ट्र विकास समूह का सदस्य भी है।

एन.आई.एस.ई. (राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान)

- यह नवीन एवं नवीकरणीय मंत्रालय (एम.एन.आर.ई.) की एक स्वायत्त संस्था है, जो सौर ऊर्जा के क्षेत्र में सर्वोच्च राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास संस्थान है।
- भारत सरकार ने राष्ट्रीय सौर मिशन को लागू करने में मंत्रालय की सहायता करने और अनुसंधान, प्रौद्योगिकी एवं अन्य संबंधित कार्यों के समन्वय हेतु सितंबर, 2013 में एम.एन.आर.ई. के अंतर्गत 25 वर्ष पुराने सौर ऊर्जा केंद्र (एस.ई.सी.) को एक स्वायत्त संस्था में परिवर्तित किया है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3-ऊर्जा

स्रोत- पी.आई.बी.

5. **<u>जल संसाधनों के इष्टतम उपयोग के लिए भारत और बांग्लादेश एक समिति का गठन करेंगे।</u>**

- भारत और बांग्लादेश गंगा जल साझाकरण संधि 1996 के अंतर्गत बांग्लादेश द्वारा प्राप्त किए जा रहे गंगा जल के इष्टतम उपयोग के लिए एक संयुक्त प्रौद्योगिकी समिति गठित करने पर सहमत हुए हैं।
- दोनों देश आठ नदियों के लिए अंतरिम जल-साझाकरण समझौते हेतु एक रूपरेखा तैयार करने पर भी सहमत हुए हैं, इन नदियों में फेनी, गुमती और तीस्ता भी शामिल हैं।
- दोनों देशों ने सीमा-पार नदियों के प्रदूषण से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा की है।
- 8 वर्षों से अधिक के अंतराल के बाद सचिव स्तर की बैठक आयोजित की गई थी।
- गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना मेगा-बेसिन विश्व का दूसरा सबसे बड़ा जलीय क्षेत्र है।
- इस बेसिन के भीतर, धारा की विपरीत दिशा में भारत और धारा की दिशा में बांग्लादेश के मध्य चौबीस नदियाँ सीमा पार करती हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3-द्विपक्षीय संबंध

स्रोत- पी.आई.बी.

6. **<u>समुद्री जल की प्राचीन बूंद से ज्ञात होता है कि पृथ्वी की विवर्तनिक गतिविधि 3.3 साल पहले शुरू हुई थी।</u>**

- हाल ही में, वैज्ञानिकों ने प्राचीन समुद्री जल की एक सूक्ष्म बूंद के अवशेषों का उपयोग करके निष्कर्ष निकाला है कि 3.3 अरब साल पहले पृथ्वी पर विवर्तनिक गतिविधि शुरू हुई थी।
- पहले यह माना गया था कि पृथ्वी पर लगभग 2.7 बिलियन वर्ष पहले विवर्तनिक गतिविधि शुरू हुई थी।

- नई समयसीमा को स्थापित करने के लिए उन्होंने कोमाटाइट नामक एक पिघली हुई चट्टान के टुकड़े का विश्लेषण किया था, यह मैग्नीशियम ऑक्साइड से भरपूर ज्वालामुखी चट्टान से उत्पन्न अल्ट्रामॉफिक आवरण है।
- यह पृथ्वी के अस्तित्व (अचियन) की पहली तिमाही में उत्पन्न सबसे गर्म मैग्मा से प्राप्त किया गया था।
- इसका नाम वर्तमान दक्षिण अफ्रीका में म्पुमालंगा में बार्बरटन के पास कोमाती नदी में पाए जाने वाले प्रकार के नाम पर रखा गया है।

संबंधित जानकारी

विवर्तनिक प्लेटें

- विवर्तनिक प्लेट एक सिद्धांत है कि पृथ्वी के बाहरी परत को कई प्लेटों में विभाजित किया गया है जो कि आवरण के ऊपर फिसलती है, चट्टानी आंतरिक परत, कोर के ऊपर रहती है।
- प्लेटें, पृथ्वी के आवरण की तुलना में एक कठोर और सख्त परत की तरह काम करती हैं जिसे स्थलमंडल कहा जाता है।
- स्थलमंडल में आवरण की पपड़ी और बाहरी भाग शामिल होता है।
- स्थलमंडल के नीचे एस्थेनोस्फीयर होता है, जो नरम या आंशिक रूप से नरम होता है, जिससे वह स्थलमंडल के चारों ओर घूम सकता है।
- यह वायुमंडलीय स्थितियों से ज्वालामुखियों और भूकंपों तक सब कुछ नियंत्रित करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भौतिक भूगोल

स्रोत- डाउन टू अर्थ

7. **<u>विश्व जैव ईंधन दिवस: 10 अगस्त</u>**

- विश्व जैव ईंधन दिवस को प्रत्येक वर्ष 10 अगस्त को पारंपरिक जीवाश्म ईंधन के विकल्प के रूप में गैर-जीवाश्म ईंधन के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने हेतु मनाया जाता है।
- इस वर्ष विश्व जैव ईंधन दिवस की थीम "यूज्ड कुकिंग ऑयल (यू.सी.ओ.) से जैवईंधन का उत्पादन" थी।

संबंधित जानकारी

जैव ईंधन के रूप में प्रयोग किए जा चुके कुकिंग ऑयल (यू.सी.ओ.) का इस्तेमाल करना

- भारत सरकार द्वारा वर्ष 2018 में जारी की गई राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति, प्रयोग किए जा चुके कुकिंग ऑयल (यू.सी.ओ.) से जैव ईंधन के उत्पादन की परिकल्पना करती है।
- एफ.एस.एस.ए.आई., यू.सी.ओ. को खाद्य मूल्य श्रृंखला से विस्थापित करने और वर्तमान अवैध उपयोग पर अंकुश लगाने की रणनीति को लागू कर रहा है।
- भारत में, लगभग 22.7 एम.एम.टी.पी.ए. कुकिंग ऑयल का उपयोग किया जाता है, जिसमें से 1.2 एम.एम.पी.टी.ए. यू.सी.ओ. एकत्र किया जाता है, इसे रूपांतरण होटल, रेस्तरां, कैंटीन आदि जैसे थोक उपभोक्ताओं से रूपांतरण के लिए एकत्र किया जाता है, जो एक वर्ष में लगभग 110 करोड़ लीटर जैवईंधन देगा।
- भारत में, एक ही खाना पकाने के तेल का उपयोग बार-बार तलने के लिए किया जाता है जो कि तलने के दौरान ध्रुवीय यौगिकों के निर्माण के कारण स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।
- ये ध्रुवीय यौगिक उच्च रक्तचाप, एथेरोस्क्लेरोसिस, अल्जाइमर रोग, यकृत रोगों जैसे अन्य रोगों से संबंधित हैं।

नोट:

- हाल ही में, मैकडॉनल्ड्स भारत में खाद्य उद्योग में पहली कंपनी बन गई है जिसने जैवईंधन उत्पादन के लिए यूज्ड कुकिंग ऑयल को रीसाइकल किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

8. **<u>भारत ने संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय निपटान समझौता सम्मेलन (UNISA) पर हस्ताक्षर किए हैं।</u>**

- संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय निपटान समझौता सम्मेलन पर भारत के उच्चायुक्त ने सिंगापुर में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए हस्ताक्षर किए थे।
- 46 देशों ने सिंगापुर मध्यस्थता सम्मेलन नामक संधि पर हस्ताक्षर किए हैं।

संबंधित जानकारी

यू.एन.आई.एस.ए.

- इसे दिसंबर, 2018 में अपनाया गया था, जिसका परिणाम मध्यस्थता से है, जिसे "सिंगापुर मध्यस्थता सम्मेलन" ("कन्वेंशन") के रूप में भी जाना जाता है।
- यह मध्यस्थता ("निपटान समझौते") के परिणामस्वरूप अंतर्राष्ट्रीय निपटान समझौतों पर लागू किया गया है।
- यह निपटान समझौतों को लागू करने के अधिकार के साथ-साथ उनके प्रवर्तन के लिए एक सामंजस्यपूर्ण कानूनी ढांचा स्थापित करता है।
- सम्मेलन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की सुविधा और व्यापार विवादों को हल करने के वैकल्पिक और प्रभावी तरीके के रूप में मध्यस्थता को बढ़ावा देने हेतु एक उपकरण है।
- यह एक बाध्यकारी अंतर्राष्ट्रीय साधन है जो अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता ढांचे में निश्चितता और स्थिरता लाने की उम्मीद करता है।
- यह सतत विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.), मुख्यतः एस.डी.जी. 16 में भी योगदान देता है।
- यह सम्मेलन राज्यों और क्षेत्रीय आर्थिक एकीकृत संगठनों ("पार्टी" के रूप में संदर्भित) द्वारा हस्ताक्षर के लिए खुला है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

12.08.2019

1. **<u>नेपाल में नई खोजी गई झील के विश्व की सबसे ऊँची झील होने की संभावना है।</u>**

- काजिन सारा झील, नेपाल में एक नई खोजी गई झील है जिसके द्वारा विश्व की सबसे ऊंची झील होने का एक नया रिकॉर्ड स्थापित करने की संभावना है।
- यह तिलिचो झील को प्रतिस्थापित करेगी जो हिमालयी राष्ट्र में 4,919 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, जो वर्तमान में विश्व की सबसे ऊंची झील है।

संबंधित जानकारी

काजिन सारा झील

- कुछ महीने पहले, पर्वतारोहियों की एक टीम ने मनांग जिले में काजिन सारा झील की खोज की थी।
- यह नेपाल में चामे ग्रामीण नगरपालिका के सिंगारखरका क्षेत्र में स्थित है।
- यह 5,200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कलाएवं संस्कृति

स्रोत- टी.ओ.आई.

2. **<u>सी.आई.टी.ई.एस. में, भारत 5 प्रजातियों के संरक्षण की स्थिति को बढ़ावा देना चाहता है।</u>**

- भारत ने स्विट्जरलैंड के जिनेवा में इस महीने के अंत में आयोजित होने वाली सी.आई.टी.ई.एस. सचिवालय की बैठक में विभिन्न वन्यजीव प्रजातियों की सूची में बदलाव के संदर्भ में प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।
- चिकनी त्वचा वाले ऊदबिलाव, छोटे पंजे वाले ऊदबिलाव, भारतीय स्टार कछुआ, टोके छिपकली, वेज मछली और भारतीय शीशम की सूची में बदलाव के संदर्भ में प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है।

प्रस्ताव का अवलोकन

- भारतीय शीशम के लिए सी.आई.टी.ई.एस. परिशिष्ट II से इन प्रजातियों को हटाने का प्रस्ताव है।
- भारत, कृषि के लिए आवास के नुकसानों और पालतू पशुओं के व्यापार के लिए अवैध कटाई के कारण स्टार कछुए को सी.आई.टी.ई.एस. परिशिष्ट II से परिशिष्ट I में पुन: सूचीबद्ध करने के प्रस्ताव देने वाले दलों में से एक है।
- दो ऊदबिलाव प्रजातियों के संदर्भ में भारत, नेपाल और फिलीपींस ने प्रस्ताव दिया है कि अधिक लुप्तप्राय प्रजातियों के लिए सूची को सी.आई.टी.ई.एस. परिशिष्ट II से परिशिष्ट I में स्थानांतरित किया जाना चाहिए।
- परिशिष्ट I में टोके छिपकली को शामिल करने के लिए एक समान प्रस्ताव रखा गया है।

संबंधित जानकारी

अंतर्राष्ट्रीय लुप्तप्राय प्रजाति व्यापार सम्मेलन (सी.आई.टी.ई.एस.)

- जंगली जीवों और वनस्पतियों का अंतर्राष्ट्रीय लुप्तप्राय प्रजाति व्यापार सम्मेलन, सरकारों के मध्य एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है।
- इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जंगली जानवरों और पौधों के नमूनों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार उनके अस्तित्व के लिए खतरा नहीं है।
- इसमें संरक्षण की स्थिति से संबंधित निम्नलिखित परिशिष्ट है:

1. परिशिष्ट I में विलुप्त होने के खतरे वाली प्रजातियां शामिल हैं लेकिन इन प्रजातियों के नमूनों में व्यापार को केवल असाधारण परिस्थितियों में अनुमति प्रदान की जाती है।
2. परिशिष्ट II में वे प्रजातियाँ शामिल हैं जो अनिवार्य रूप से विलुप्त होने के खतरे पर नहीं हैं लेकिन उनके अस्तित्व के साथ असंगत उपयोग से बचने के लिए व्यापार को नियंत्रित किया जाना चाहिए।
3. परिशिष्ट III में ऐसी प्रजातियां शामिल हैं जो कम से कम एक देश में संरक्षित हैं, जिसने अन्य एस.आई.टी.ई.एस. दलों से व्यापार को नियंत्रित करने में सहायता के लिए अनुरोध किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

3. **भूमि और जलवायु परिवर्तन पर आई.पी.सी.सी. की नई रिपोर्ट क्या कहती है।**

- जलवायु परिवर्तन पर अंतरसरकारी पैनल (आई.पी.सी.सी.) ने एक नई रिपोर्ट जारी की है, जो इस बात का सबसे हालिया साक्ष्य प्रस्तुत करती है कि भूमि, वन, कृषि, शहरीकरण के विभिन्न उपयोग किस प्रकार प्रभावित हो रहे हैं और जलवायु परिवर्तन द्वारा प्रभावित किए जा रहे हैं।
- यह विशेष रिपोर्टों की एक श्रृंखला का हिस्सा है जिसे आई.पी.सी.सी. ने मूल्यांकन रिपोर्ट कहा है जो 2022 के लगभग जारी की जाएगी।
- ऐसा पहली बार हुआ है जब आई.पी.सी.सी. ने अपना ध्यान पूरी तरह से भूमि क्षेत्र पर केंद्रित किया है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- यह रिपोर्ट कहती है कि अगर पशु पालन जैसी पूर्व उत्पादन गतिविधियां और परिवहन, ऊर्जा और खाद्य प्रसंस्करण जैसी उत्पादन के बाद की गतिविधियां प्रत्येक वर्ष कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 37 प्रतिशत का योगदान दे रही हैं।
- यह रिपोर्ट बताती है कि कुल उत्पादित खाद्य पदार्थों का लगभग 25 प्रतिशत या तो खो जाता है या बर्बाद हो जाता है और यहां तक कि अपशिष्ट का अपघटन भी उत्सर्जन में योगदान देता है।

- भूमि और महासागर एक साथ कार्बन चक्र में प्राकृतिक प्रक्रियाओं के माध्यम से प्रत्येक वर्ष उत्सर्जित होने वाली ग्रीनहाउस गैसों का लगभग 50 प्रतिशत अवशोषित करते हैं।
- भारत ने वादा किया था कि वह अपने वन क्षेत्र को बढ़ाकर और अधिक पेड़ लगाकर वर्ष 2032 तक लगभग 2.5 बिलियन से 3 बिलियन टन का अतिरिक्त कार्बन सिंक का निर्माण करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्पूर्ण रिपोर्ट

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. **<u>गोगाबील, बिहार का पहला सामुदायिक रिजर्व है।</u>**

- बिहार के कटिहार जिले में गोगाबील, एक ऑक्सबो झील को राज्य का पहला 'सामुदायिक रिजर्व' घोषित किया गया है।
- इस जल निकाय को 2 अगस्त, 2019 को 57 हेक्टेयर सामुदायिक रिजर्व और 30-हेक्टेयर "संरक्षण रिजर्व" के रूप में अधिसूचित किया गया था।
- गोगाबील का निर्माण उत्तर में महानंदा और कंखर के प्रवाह से और दक्षिण और पूर्व में गंगा नदियों के प्रवाह से होता है। यह बिहार में पंद्रहवां संरक्षित क्षेत्र (पी.ए.) है।
- इसकी भारत की रामसर साइट के रूप में घोषित करने की क्षमता वाले स्थल के रूप में सिफारिश भी की गई है।
- 2 नवंबर, 2018 को राज्य वन्यजीव बोर्ड ने गोगाबील और बाघार बील को सामुदायिक रिजर्व और संरक्षण रिजर्व के रूप में अधिसूचित करने का प्रस्ताव पारित किया गया है।

गोगाबील

- गोगाबील एक स्थायी जलनिकाय है, हालांकि यह गर्मियों में कुछ हद तक कम हो जाता है लेकिन कभी पूरी तरह से सूखता नहीं है।
- इस साइट से 90 से अधिक पक्षी प्रजातियों को दर्ज किया गया है, जिनमें से लगभग 30 प्रजातियां प्रवासी हैं।
- लुप्तप्राय प्रजातियों में लेसर एडजुटेंट स्टॉर्क को आई.यू.सी.एन. द्वारा 'लुप्तप्राय' के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, जबकि ब्लैक नेक्ड स्टॉर्क, व्हाइट इबिस और व्हाइट-आइड पोचर्ड को 'संकटग्रस्त' के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

5. **<u>अक्षय ऊर्जा निवेशक समागम एवं एक्सपो का तीसरा संस्करण (री-इनवेस्ट 2019)</u>**

- नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने अक्षय ऊर्जा निवेशक समागम और एक्सपो (री-इनवेस्ट 2019) के तीसरे संस्करण के लिए कर्टेन रेज़र समारोह का आयोजन किया है।
- इस कार्यक्रम अक्टूबर-नवंबर 2019 के महीने में आयोजित किया जाना है।
- इस आयोजन का उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा (आर.ई.) में सही निवेश को आकर्षित करना और भारत की आर.ई. कहानी को विश्व के सामने प्रस्तुत करना है।

नवीकरणीय ऊर्जा के संदर्भ में भारतीय प्रतिबद्धता

- भारत ने वर्ष 2022 तक 175 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया था।
- 30 जून, 2019 तक भारत ने 80.47 गीगावॉट की एक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित कर ली है, जिसमें सौर और पवन ऊर्जा क्रमशः 29.55 गीगावॉट और 36.37 गीगावॉट शामिल हैं।
- बायोमास और छोटे जल विद्युत क्रमशः 9.81 गीगावॉट और 4.6 गीगावॉट का निर्माण करते हैं।
- भारत सरकार ने अक्षय ऊर्जा उत्पादन और वितरण की परियोजनाओं के लिए स्वचालित मार्ग के अंतर्गत 100 प्रतिशत एफ.डी.आई. की अनुमति प्रदान की है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –ऊर्जा

स्रोत- पी.आई.बी.

6. **<u>रोटावायरस वैक्सीन</u>**

- केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने सितंबर, 2019 तक सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रत्येक बच्चे को रोटावायरस वैक्सीन लगाने का निर्णय लिया है।
- सरकार वर्ष 2022 तक डायरिया के कारण बच्चों में रुग्णता और मृत्यु दर को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

संबंधित जानकारी

रोटावायरस

- डायरिया के कारण बच्चों की अधिकांश मौते होती हैं और रोटावायरस, 2 साल से कम उम्र के बच्चों में गंभीर डसयरिया होने के सबसे सामान्य कारणों में से एक है।
- रोटावायरस एक बहुत ही संक्रामक विषाणु है जिससे डायरिया होता है।
- यह दुनिया भर में शिशुओं और बच्चों में डायरिया का सबसे सामान्य कारण है।
- वायरस मल-मुख मार्ग द्वारा प्रेषित होता है।
- रोटावायरस की नौ प्रजातियां हैं, जिन्हें A, B, C, D, E, F, G, H और I से संदर्भित किया जाता है।
- मनुष्य मुख्य रूप से रोटावायरस प्रजाति A से संक्रमित होते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- टी.ओ.आई.

7. **<u>झारखंड में मुख्यमंत्री कृषि आशिर्वाद योजना शुरू की गई है।</u>**

- उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने झारखंड सरकार की मुख्यमंत्री कृषि आशिर्वाद योजना शुरू की है।
- इस योजना के अंतर्गत, राज्य के किसानों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष रूप से धन हस्तांतरित किया जाएगा।
- एक एकड़ से पांच एकड़ तक के खेत वाले लाभार्थियों को उनके बैंक खातों में 5,000 से 25,000 रुपये तक प्रदान किए जाएंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –योजना

स्रोत- ए.आई.आर.

8. **<u>समुद्री परियोजना पर भारत का सबसे लंबा रोपवे- मुम्बई को एलीफेंटा गुफाओं से जोड़ता है।</u>**

- मुंबई को एलिफेंटा गुफाओं से जोड़ने वाली भारत की सबसे लंबी रोपवे परियोजना को शीघ्र ही अनुमति प्रदान की जाएगी।
- शिपिंग मंत्रालय के अंतर्गत मुंबई बंदरगाह ट्रस्ट द्वारा इस पहल को निष्पादित किया जाना है।
- 8 किलोमीटर का रोपवे, मुंबई के पूर्वी तट के सेवरी से शुरू होगा और रायगढ़ जिले के एलीफेंटा द्वीप पर समाप्त होगा।
- मुंबई से दूर एलीफेंटा द्वीपों पर स्थित एलीफेंटा गुफाओं को 1987 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था, जिसके कारण भारतीय नौसेना, तटरक्षक बल और पर्यावरण मंत्रालय के अतिरिक्त भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ए.एस.आई.) से भी मंजूरी लेनी होगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भारतीय भूगोल

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

13.08.2019

1. **<u>हरियाणा के गेहूं की फसल में आक्रामक जंगली घास पाई गई है।</u>**

- वैज्ञानिकों ने हरियाणा के फरीदाबाद के गांवों और आसपास के जिलों में गेहूं के खेतों में एमेक्स ऑस्ट्रलिस स्टीनह नामक एक आक्रामक जंगली घास पाई है।
- इसे सामान्यत: डबलगी, तिकोनी जैक, स्पाइनी एमेक्स के रूप में जाना जाता है।

- यह आक्रामक जंगली घास पॉलीगोनैसिया परिवार से संबंधित है जो मुख्यत: ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में पाई जाती है।
- यह जंगली घास सूखे और बेमौसम बारिश जैसे मौसम में बढ़ती है और जलवायु परिवर्तन इसकी बढ़ने में मदद करता है।
- इस जंगली घास में गेहूं की फसल को नष्ट करने और भारत में इसकी उत्पादकता कम करने की क्षमता है।
- यह पहली बार भारत में 1984 में भूतपूर्व संयुक्त बिहार के संथाल परगना डिवीजन में और 1987 में जम्मू-कश्मीर में पाई गई थी।

संबंधित जानकारी

- हाल ही में, महाराष्ट्र में अहमदनगर और औरंगाबाद जिलों में एक आक्रामक जंगली घास जिसे "प्याज खरपतवार" या "एस्फोडेलस फिस्टुलोसस" को प्याज के खेतों में पाया गया है।
- यह जंगली घास उत्तरी अफ्रीका, दक्षिणी यूरोप और पश्चिम एशिया में मूल रूप से पाई जाती है। यह प्याज के पौधे के समान दिखती है।
- यह जंगली घास संभावित रूप से प्याज उत्पादन में भारत की आत्मनिर्भरता को नुकसान पहुंचा सकती है। यदि इसे समय पर नियंत्रित नहीं किया गया तो यह भूमि को अनुपजाऊ भी बना सकती है।

आक्रामक प्रजातियां

- एक आक्रामक विदेशी प्रजाति एक ऐसी प्रजाति है, जो एक विशिष्ट स्थान पर मूल रूप से नहीं पाई जाती है और यह एक सीमा तक फैलने की प्रवृत्ति रखती है जो पर्यावरण, मानव अर्थव्यवस्था या मानव स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती है।
- एक विदेशी प्रजाति इसके प्राकृतिक अतीत या वर्तमान वितरण के बाहर मनुष्यों द्वारा या तो जानबूझकर या गलती से प्रस्तावित एक प्रजाति है, हालांकि सभी विदेशी प्रजातियों का नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है।
- विदेशी आक्रामक प्रजातियों के उल्लेखनीय उदाहरण हैं:

  (a) जलकुंभी

  (b) ज़ेबरा सीपी

  (c) शिप रैट

  (d) छोटा भारतीय नेवला

  (e) पीली विचित्र चींटी

  (f) अमेरिकन बुल, फ्रॉगकोम्ब, जेलीफ़िश और ज़ेबरा सीपी

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

2. **<u>जन्म के समय लिंगानुपात: केरल शीर्ष पर है, पूर्वोत्तर राज्यों में गिरावट आई है।</u>**

- चौथे राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एन.एफ.एच.एस.) के अनुसार, जन्म के समय (एस.आर.बी.) लिंगानुपात वर्ष 2005-06 में 914 से बढ़कर वर्ष 2015-16 में 919 हो गया है।
- देश में जन्म के समय का लिंगानुपात (एस.आर.बी.) को प्रति 1,000 पुरुष जन्मों में महिला जन्मों की संख्या के रूप में परिभाषित किया गया है।

सर्वेक्षण की मुख्य विशेषताएं

- सर्वेक्षण में कहा गया है कि जन्म के समय लिंगानुपात में सबसे अधिक सुधार पंजाब में 126 अंकों का हुआ है, लेकिन इसका एस.आर.बी. 860 पर रहा है जो कि राज्यों में सबसे कम एस.आर.बी. में से एक था।
- इसके अतिरिक्त पंजाब के बाद, जन्म के समय लिंगानुपात में सबसे अधिक सुधार केरल राज्य में हुआ है, जो कि वर्ष 2005-06 में 925 से बढ़कर 1,047 हो गया है, जो सभी राज्यों में सबसे अधिक था।
- उत्तर-पूर्वी समाजों के पारंपरिक रूप से मातृसत्तात्मक होने के बावजूद, सिक्किम में जन्म के समय लिंगानुपात 175 अंक नीचे गिरकर 809

पर आ गया है, जो कि वर्ष 2015-16 में सभी राज्यों में न्यूनतम है।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण

- यह एक बड़े पैमाने पर किया गया बहुचरणीय सर्वेक्षण है जो पूरे भारत में परिवारों के प्रतिनिधि नमूनों में आयोजित किया जाता है।
- वर्ष 1992-93 में किए गए पहले सर्वेक्षण के बाद से सर्वेक्षण के चार चरण आयोजित किए गए हैं।
- यह सर्वेक्षण प्रजनन, शिशु और बाल मृत्यु दर, परिवार नियोजन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, प्रजनन स्वास्थ्य, पोषण, एनीमिया, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन सेवाओं की गुणवत्ता के बारे में भारत के लिए राज्य संबंधी और राष्ट्रीय जानकारी प्रदान करता है।

नोट:

- भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MOHFW) ने सर्वेक्षण के लिए समन्वय और तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु उत्तरदायी अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान (आई.आई.पी.एस.), मुंबई को नोडल संस्था के रूप में नामित किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- टी.ओ.आई.

3. **<u>ऊबर फॉर ट्रैक्टर: सरकार किसानों की सहायता करने हेतु ऐप लॉन्च करेगी।</u>**

- कृषि मंत्रालय ने भारतीय किसानों के लिए ऊबर फॉर ट्रैक्टर नामक एक कृषि उपकरण रेंटल ऐप विकसित किया है।
- यह ऐप किसानों को लचीले कार्यकाल के साथ ट्रैक्टर, रोटावेटर और अन्य कृषि-संबंधित मशीनरी किराए पर लेने की अनुमति प्रदान करेगा।
- जो किसान उपकरण किराए पर लेना चाहते हैं, वे अपने नाम, पते और मोबाइल नंबर का उपयोग करके पंजीकरण कर सकते हैं और फिर अपनी आवश्यकताओं के अनुसार उपकरण ले सकते हैं।
- यह उबर कैब सेवा की तरह ही किसानों को कस्टम हायरिंग केंद्रों से कुशलता से जोड़ेगा।
- यह ऐप किसानों को उन कस्टम हायरिंग केंद्रों को दिखाएगा जो उनके निकटतम हैं और उनके पास उपकरण उपलब्ध हैं।
- तब किसान सी.एच.सी. (कस्टम हायरिंग केंद्र) को कॉल कर सकता है या एक विशिष्ट समय और स्थान पर उपकरण बुक करने के लिए ऐप का उपयोग कर सकता है और यह उबर की तरह ही चालू हो जाएगा।
- यह नीति-निर्माताओं के लिए एक अमूल्य डेटाबेस बनाने में मदद करेगा जो उपकरणों के उपयोग और लागत की निगरानी कर सकते हैं।
- यह प्रणाली नई तकनीक के उपयोग को ट्रैक करने में भी मदद करेगी, जिसे सरकार बढ़ावा देना चाहती है, उदा. हैप्पी सीडर।
- हैप्पी सीडर का उद्देश्य चारे को जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण या सौर ड्रायर को रोकना है जो किसानों की अपनी उपज को प्रसंस्कृत करने और संरक्षित करने में मदद कर सकता है।
- इस प्रणाली को छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और पंजाब राज्यों में परीक्षण आधार सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>इसरो के संस्थापक विक्रम साराभाई की 100वीं जयंती: 12 अगस्त</u>**

- भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक के रूप में याद किए जाने वाले विक्रम साराभाई का जन्म अहमदाबाद में 12 अगस्त, 1919 में हुआ था।
- उन्होंने 1962 में भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति की स्थापना की थी, जिसका

बाद में नाम बदलकर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) रख दिया गया था।

- वह परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष भी थे।
- वह भारत में भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, भारतीय प्रबंधन संस्थान और पर्यावरण योजना एवं प्रौद्योगिकी केंद्र सहित कई संस्थानों की स्थापना हेतु भी जिम्मेदार हैं।
- वर्ष 1973 में उनके सम्मान में चंद्रमा पर एक क्रेटर का नाम भी उनके नाम पर रखा गया था।
- हाल ही में, इसरो ने चंद्रयान-2 के साथ अपना चंद्र अभियान शुरू किया है, जिसमें विक्रम लैंडर को चंद्रमा की सतह को छूने के लिए निर्धारित किया गया है।

संबंधित जानकारी

- उनके अनुकरणीय योगदान के लिए उन्हें वर्ष 1966 में पद्म भूषण और 1972 में पद्म विभूषण (मरणोपरांत) से सम्मानित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>63% पंचायतें, 7 सामाजिक संकेतकों पर आधारित राज्य की स्टार-रेटिंग योजना में शामिल हुई हैं।</u>**

- अपनी 7-स्टार इंद्रधनुष योजना शुरू करने के दो साल बाद, हरियाणा सरकार ने सात सामाजिक मापदंडों के आधार पर उनके प्रदर्शन के आधार पर राज्य की 63 प्रतिशत ग्राम पंचायतों को स्टार-रैंकिंग प्रदान की है।
- रैंकिंग के आधार पर सरकार ने गांवों को वित्तीय सहायता प्रदान की है।

संबंधित जानकारी

7-स्टार इंद्रधनुष योजना

- यह योजना जनवरी, 2018 में शुरू की गई थी।
- इस योजना के अंतर्गत, राज्य सरकार सात सामाजिक मापदंडों के आधार पर पंचायतों के प्रदर्शन के आधार पर उन्हें स्टार-रैंकिंग प्रदान करती है।
- इस योजना के अंतर्गत सात मापदंड हैं-

1. लिंगानुपात
2. शिक्षा
3. स्वच्छता
4. पर्यावरण संरक्षण
5. गुड गवर्नेंस और
6. सामाजिक भागीदारी

- प्रत्येक पैरामीटर को प्राप्त करने के लिए गांवों को एक लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा।
- समान या अधिक कन्या आबादी वाले गांवों को उनकी पुरस्कार राशि के साथ बोनस के रूप में 50,000 रुपये प्रदान किए जाएंगे।
- समान प्रकार से, जो गाँव स्वच्छता मिशन को अपनाते हैं, उन्हें इनाम के रूप में 50,000 रुपये अतिरिक्त प्रदान किए जाएंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –योजनाएं

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>जंजीबार ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर सी.एस.ई. द्वारा विकसित नया विनियमन पारित किया है।</u>**

- हाल ही में, तंजानिया के एक अर्ध-स्वायत्त द्वीपसमूह, जंजीबार ने दिल्ली स्थित गैर-लाभकारी निकाय, विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र (सी.एस.ई.) द्वारा विकसित शहरी नगर परिषद ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एस.डब्ल्यू.एम.) विनियम, 2019 पारित किया है।
- जंजीबार, एक विकेन्द्रीकृत अपशिष्ट प्रबंधन मॉडल रखने वाला पूर्वी अफ्रीका का पहला द्वीप बन गया है।
- जंज़ीबार ने प्लास्टिक की थैलियों के आयात, उत्पादन, उपयोग और बिक्री को प्रतिबंधित कर दिया है।

प्रमुख प्रावधान

- विनियमन, घरेलू अपशिष्टों को तीन श्रेणियों: खाद योग्य, पुन: उपयोग योग्य और गैर-पुन: उपयोग योग्य अपशिष्ट में विभाजित करने की उत्पादक की जिम्मेदारी पर जोर देता है।
- यह विनियमन, पॉल्यूटर पेस प्रिंसिपल पर आधारित है, जिसके अंतर्गत उत्पादक को मासिक आधार पर उपयोगकर्ता शुल्क या सेवा शुल्क का भुगतान परिषद को करना होता है।
- विनियमन में शामिल चार अनुसूचियां शामिल हैं।
- पहली अनुसूची में ठोस अपशिष्ट सेवाओं के लिए शुल्क और शुल्क के बारे में जानकारी है।
- दूसरी अनुसूची में अपशिष्ट भंडारण परमिट को रद्द करने और बनाने हेतु आवेदन पत्र के प्रारूप के सदर्भ में जानकारी प्रदान की गई है।
- तीसरा अनुसूची और चौथा अनुसूची खतरनाक, औद्योगिक और ई-कचरे के उत्पादकों और ट्रांसपोर्टरों के लिए पंजीकरण आवेदन पत्र और थोक कचरे के परिवहन हेतु परमिट आवेदन फॉर्म से संबंधित जानकारी प्रदान की गई है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

7. **<u>पृथ्वी का पिछला चुंबकीय क्षेत्र 22,000 वर्ष पहले बदला था: अध्ययन</u>**

- पत्रिका साइंस एडवांस के अनुसार, चुंबकीय क्षेत्र, जो संभावित रूप से खतरनाक सौर विकिरण से पृथ्वी की रक्षा करता है, यह लगभग 770,000 साल पहले अंतिम बार बदला था और इसकी खोज करने वाले वैज्ञानिक के नाम पर इसका नाम मतुयामाब्रंचेश रखा गया था।
- मतुयामाब्रंचेश को बदलने में दोगुना से अधिक समय लगा था, जबकि सभी उलटफेर सामान्यत: 9,000 वर्षों के भीतर होते हैं।

संबंधित जानकारी

- बाहरी कोर नामक पृथ्वी की तरल परत इसके चुंबकीय क्षेत्र के लिए जिम्मेदार है।
- जैसे ही पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है, तरल की बाहरी कोर के अंदर भरा हुआ का लौहतत्व घूमता है और एक क्षेत्र का निर्माण करता है।
- चुंबकीय क्षेत्र का उत्क्रमण चट्टानों में एक घटना में दर्ज किया जाता है जिसे चट्टान चुंबकत्व कहा जाता है।
- कई चट्टानों में लोहे मिश्रित खनिज होते हैं जो छोटे चुम्बकों की तरह काम करते हैं।
- जैसे ही मैग्मा या लावा ठंडा होता है, ये खनिज चुंबकीय क्षेत्र के साथ संरेखित हो जाते हैं और इसकी स्थिति को पुन: प्राप्त करते हैं और चट्टानों का निर्माण करते हैं।

चुंबकीय परिवर्तन का प्रभाव

- चुंबकीय उत्तरी ध्रुव वर्तमान में साइबेरिया की ओर झुक रहा है, जिसने हाल ही में वैश्विक पोजिशनिंग प्रणाली को मजबूर किया है जो बदलाव के लिए अपेक्षा से अधिक समय तक अपने सॉफ़्टवेयर को अपडेट करने के लिए आधुनिक नेविगेशन को रेखांकित करता है।
- एक उलटा क्षेत्र नेविगेशन और उपग्रह और स्थलीय संचार को काफी प्रभावित कर सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- डाउन टू अर्थ

14.08.2019

1. **<u>शिलांग घोषणापत्र</u>**

- 22वें राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन ने सरकारी सेवाओं के संबंध में नागरिकों के अनुभव को बेहतर बनाने हेतु 10 सूत्रीय शिलांग घोषणापत्र अपनाया है।
- इस सम्मेलन का आयोजन प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (DARPG), इलेक्ट्रॉनिक्स

एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) और मेघालय राज्य सरकार द्वारा किया गया था।

- इस सम्मेलन की थीम "डिजिटल इंडिया: सफलता से उत्कृष्टता" थी।

शिलांग के 10-सूत्रीय घोषणापत्र में शामिल हैं:

- इंडिया इंटरप्राइज आर्किटेक्चर (IndEA) के समयबद्ध कार्यान्वयन को बढ़ावा देकर सरकारी सेवाओं के संबंध में नागरिकों के अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए भारत सरकार और राज्य सरकारें एक साथ मिलकर काम करेंगी।
- इसके अतिरिक्त यह पूरे देश में ई-सरकारी अनुप्रयोगों के मध्य अंतरकार्यकारिता और समाकलन के लिए एकल साइन-ऑन को भी लागू करेगा।
- यह राज्य-स्तरीय ई-गवर्नेंस परियोजनाओं और डोमेन-आधारित परियोजनाओं को विन्यास योग्य विशेषताओं के साथ सामान्य एप्लीकेशन सॉफ़्टवेयर के रूप में दोहराने पर ध्यान देने के साथ इन्हें समेकित करने में मदद करेगा।
- यह सेवा प्रदाता से सेवा प्राप्तकर्ता तक सरकार की भूमिका में एक बड़ी बदलाव करके जीवन यापन में आसानी और व्यवसाय करने में आसानी सुनिश्चित करता है।
- यह पूर्वोत्तर राज्यों में इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र कौशल परिषद की गतिविधियों को बढ़ाने के लिए कदम उठाने और शिलांग में एक इलेक्ट्रॉनिक्स कौशल केंद्र खोलने हेतु कदम उठाने पर भी सहमत है।
- यह ई-ऑफिस के उपयोग को बढ़ावा देने और उत्तर-पूर्वी राज्यों और जिला-स्तर के कार्यालयों में कम पेपर राज्य सचिवालय की ओर बढ़ने में भी मदद करता है।
- इससे बेहतर नागरिक अनुभव के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए उत्तर पूर्व में ई-सेवाओं के वितरण की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद मिलेगी।
- यह भारत को वैश्विक क्लाउड हब के रूप में विकसित करने और डिफ़ॉल्ट रूप से क्लाउड पर सरकारी एप्लीकेशानों और डेटाबेस के विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए भी संकल्पित है।
- ई-गवर्नेंस समाधान खोजने के लिए उभरती हुई तकनीकों को अपनाना और स्टार्टअप्स और स्मार्ट उद्यमिता के माध्यम से स्मार्ट शहरों और स्मार्ट गांवों पर ध्यान देने के साथ डिजिटल इंडिया परियोजनाओं को बढ़ावा देना भी घोषणापत्र में संकल्प लिया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **<u>हैप्पी सीडर: फसल अवशेष जलाने की समस्या का समाधान है।</u>**

- हाल ही में, एक अध्ययन में पाया गया है कि हैप्पी सीडर, वायु प्रदूषण को खत्म करेगा और कृषि गतिविधियों से 78 प्रतिशत से अधिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करेगा।
- अध्ययन में यह भी पाया गया है कि हैप्पी सीडर-आधारित प्रणालियां, सामान्य 'जलाने' की प्रणाली की तुलना में औसतन 20 प्रतिशत अधिक किफायती हैं और सबसे लाभदायक जलाने वाले विकल्पों की तुलना में भी लगभग 10 प्रतिशत अधिक किफायती है।

संबंधित जानकारी

हैप्पी सीडर

- यह ट्रैक्टर पर लगाया जाने वाला उपकरण है जो पिछली फसल के अवशेषों को काटता (चावल के भूसे के संदर्भ में) और इकठ्ठा करता है और उसकी जगह एक नई फसल (गेहूं) बोता है।
- यह एक प्रत्यक्ष बुवाई मशीन है जो बिना किसी जुताई के मिट्टी की सतह पर चावल के भूसे के अवशेषों की उपस्थिति के बावजूद भी नई गेहूं की फसल बोने में सक्षम उपकरण है।

- यह बुआई क्षेत्र पर भूसे को गीली घास के रूप में जमा करने में मदद करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- डाउन टू अर्थ

3. **<u>दो नए केंद्र शासित प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख 31 अक्टूबर से प्रभावी रूप से लागू किए जाएंगे।</u>**

- दो नवगठित केंद्र शासित प्रदेश, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख औपचारिक रूप से 31 अक्टूबर, 2019 (सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती) को प्रभावी रूप से लागू किए जाएंगे।
- राष्ट्रपति ने पहले ही नव अंगीकृत जम्मू और कश्मीर पुनः संगठन अधिनियम, 2019 को स्वीकृति प्रदान कर दी थी।
- नए अधिनियम के अंतर्गत, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में एक विधानसभा होगी, जब कि लद्दाख, बिना विधानसभा के एक केंद्र शासित प्रदेश होगा।
- केंद्र शासित प्रदेश, लद्दाख में तीन जिले: लेह, कारगिल और लद्दाख होंगे। जब कि शेष 12 जिले जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में शामिल किए जाएंगे।
- प्रत्येक केंद्रशासित प्रदेश, एक अलग उपराज्यपाल द्वारा शासित होगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –भारतीय संविधान

स्रोत- इंडिया टुडे

4. **<u>सेना ने जम्मू में 'मिशन रीच आउट' शुरू किया है।</u>**

- सेना ने अनुच्छेद 370 के प्रावधानों के हटने के बाद क्षेत्र में बुनियादी आवश्यकताओं और जरूरतों की उपलब्धता को सुनिश्चित करने हेतु और जम्मू कश्मीर के पुनर्गठन हेतु जम्मू में "मिशन रीच आउट" शुरू किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- लाइवमिंट

5. **<u>कर्नाटक सरकार ने छात्र स्टार्ट-अप को सशक्त बनाने हेतु "ई-स्टेप" पहल की शुरूआत की है।</u>**

- कर्नाटक सरकार ने छात्रों के स्टार्ट-अप को सशक्त बनाने हेतु "ई-स्टेप" पहल की शुरूआत की है।
- "ई-स्टेप" पहल को कर्नाटक नवाचार एवं प्रौद्योगिकी सोसाइटी (के.आई.टी.एस.) के माध्यम से आई.टी., बी.टी. और एस. एंड टी. के कर्नाटक विभाग द्वारा शुरू किया गया था।
- कर्नाटक सरकार ने छात्र स्टार्ट-अप को सशक्त बनाने हेतु "ई-स्टेप" पहल की शुरूआत की है।
- ई-स्टेप पहल के बूट कैंप के अंतर्गत, सलाह और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें उद्यमिता के कई तत्व शामिल होंगे।
- यह कार्यक्रम विशेष रूप से छात्रों/ स्टार्ट-अप/ उद्यमियों के लिए अनुभवी प्रशिक्षकों से उद्यमिता की मूल बातें जानने के लिए डिजाइन किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –सरकारी नीतियां

स्रोत- हिंदू बिजनेस लाइन

6. **<u>ईरान ने फलक नामक एक "बेहतर" रडार वायु रक्षा प्रणाली का अनावरण किया है।</u>**

- ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बाद ईरान ने स्थानीय रूप से उन्नत रडार प्रणाली, फलक का अनावरण किया है।

संबंधित जानकारी

फलक

- फलक 400 कि.मी. (250 मील) की सीमा के साथ एक रडार वायु रक्षा प्रणाली है जो क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से रक्षा करने में मदद कर सकती है।
- फलक, एक चरणबद्ध सारिणी रडार प्रणाली है जिसे ईरान की बड़ी एकीकृत वायु रक्षा प्रणाली में शामिल किया जा सकता है, जिसमें एस.-300

सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली शामिल है।

पृष्ठभूमि

- हाल ही में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने परमाणु समझौते से बाहर निकलने के बाद तेहरान पर पुन: प्रतिबंध लगा दिए हैं।
- यह अन्य हस्ताक्षरकर्ताओं को बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा है क्यों कि तेल की आपूर्ति पर ईरान के साथ संबंधित गतिरोध में खाड़ी में शिपिंग की सुरक्षा के लिए समुद्री सुरक्षा गठबंधन स्थापित करने के लिए वाशिंगटन भी प्रतीक्षा कर रहा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- हिंदुस्तान टाइम्स

7. **<u>श्री चैतन्य पर विश्व का पहला संग्रहालय</u>**

- पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कोलकाता के बागबजार में श्री चैतन्य महाप्रभु पर विश्व के पहले संग्रहालय का उद्‌घाटन किया है।
- श्री चैतन्य महाप्रभु 16वीं शताब्दी में बंगाली हिंदू के रहस्यवादी और संत थे और हिंदू धर्म के भीतर गौड़ीय वैष्णववाद की परंपरा के प्रमुख अधिवक्ता थे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- यू.एन.आई.

8. **<u>उपराष्ट्रपति ने विशिष्ट क्षेत्रों में सर्वोच्च न्यायालय की पीठ की वकालत की है।</u>**

- भारत के उपराष्ट्रपति ने चेन्नई सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों में सर्वोच्च न्यायालय की पीठ स्थापित करने की आवश्यकता की वकालत की है।
- यह न्यायिक प्रणाली को लोगों के निकट लाने में मदद करेगा।

संबंधित जानकारी

विधि आयोग की रिपोर्ट 2009

- विधि आयोग ने 2009 में सरकार को सौंपी अपनी रिपोर्ट में सिफारिश की है कि-
- संवैधानिक और संबद्ध मुद्दों से निपटने के लिए दिल्ली में संविधान पीठ का गठन किया जाए
- उच्च न्यायालयों के आदेशों/ निर्णयों से उत्पन्न सभी अपीलीय कार्यों से निपटने के लिए दिल्ली (उत्तर), चेन्नई/ हैदराबाद (दक्षिण), कोलकाता (पूर्व) और मुंबई (पश्चिम) में चार अपीलीय पीठ की स्थापना की जाए।

संवैधानिक प्रावधान

- अनुच्छेद 130 एक सक्षम प्रावधान है जो भारत के मुख्य न्यायाधीश को राष्ट्रपति की मंजूरी से दिल्ली के अतिरिक्त अन्य स्थान या स्थानों पर सर्वोच्च न्यायालय की सीट के रूप में नियुक्त करने का अधिकार प्रदान करता है।
- अनुच्छेद 130 को सर्वोच्च न्यायालय की सीट के रूप में दिल्ली के अतिरिक्त किसी अन्य स्थान पर नियुक्त करने के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश पर एक अनिवार्य बाध्यता के रूप में नहीं लगाया जा सकता है।
- कोई भी अदालत अनुच्छेद 130 के अंतर्गत भारत के मुख्य न्यायाधीश या राष्ट्रपति को शक्ति का प्रयोग करने के लिए कोई निर्देश नहीं दे सकती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

9. **<u>भारत ने संयुक्त राष्ट्र कोष मे 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान दिया है।</u>**

- भारत ने निवासी समन्वयक प्रणाली के लिए संयुक्त राष्ट्र विशिष्ट प्रयोजन ट्रस्ट कोष में एक मिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान दिया है।
- संयुक्त राष्ट्र की जानकारी के अनुसार, विशिष्ट प्रयोजन ट्रस्ट कोष (एस.पी.टी.एफ.), संयुक्त राष्ट्र सचिवालय के अंतर्गत स्थापित एक विशिष्ट कोष

है, जिसे नई निवासी समन्वयक प्रणाली के सभी योगदानों और वित्तीय हस्तांतरणों को प्रभावी और पारदर्शी तरीके से प्राप्त करने, समकित करने और प्रबंधन करने हेतु स्थापित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –भारत एवं विश्व

स्रोत- द हिंदू

10. **<u>कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में तीन नए खेल शामिल किए गए हैं।</u>**

- तीन नए खेल: महिला टी20 क्रिकेट, समुद्र तट वॉलीबॉल और पैरा-टेबल टेनिस को कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में शामिल किया गया है, यह खेल इंग्लैंड के बर्मिंघम में आयोजित किए जाने हैं।

टॉपिक- राज्य पी.सी.एस.

स्रोत- टी.ओ.आई.

16.08.2019

1. **<u>रक्षा स्टाफ प्रमुख (सी.डी.एस.)</u>**

- प्रधानमंत्री ने अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में सशस्त्र बलों के तीनों विंग को "शीर्ष स्तर पर प्रभावी नेतृत्व" प्रदान करने के लिए रक्षा स्टाफ प्रमुख के पद के सृजन की घोषणा की है।

संबंधित जानकारी

रक्षा स्टॉफ प्रमुख का कार्यालय (सी.डी.एस.)

- सी.डी.एस., एक उच्च सैन्य कार्यालय है जो तीनों सेवाओं के काम की देखरेख और समन्वय करता है और उनके बीच समन्वय को बेहतर बनाने में मदद करता है।
- वह राष्ट्रपति के लिए एक सैन्य सलाहकार के रूप में भी काम करता है और उसके प्रेषण की सीमा राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, होमलैंड सुरक्षा परिषद और रक्षा सचिव तक प्रसारित है।
- यह कार्यपालिका (भारत के मामले में, प्रधानमंत्री को) को दीर्घकालिक रक्षा योजना और प्रबंधन पर एकल बिंदु परामर्श प्रदान करता है, जिसमें श्रमशक्ति, उपकरण और रणनीति और संचालन में "ज्वाइंटमैनशिप", उपर्युक्त सभी शामिल हैं।
- राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, अजीत डोभाल इसके अध्यक्ष के रूप में और विदेश, रक्षा और व्यय सचिवों और तीनों सेवाओं के प्रमुख सदस्य के रूप में वर्तमान निकाय में शामिल किए गए हैं, जो प्रधानमंत्री को सैन्य मामलों पर परामर्श देता है, जो 2018 में रक्षा योजना समिति द्वारा बनाए गए थे।

पृष्ठभूमि

- सी.डी.एस. के लिए पहला प्रस्ताव 2000 कारगिल समीक्षा समिति (के.आर.सी.) से आया था।
- समिति ने "राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन और सर्वोच्च निर्णायक और संरचना और रक्षा मंत्रालय एवं सशस्त्र बल मुख्यालय के बीच अंतराफलक" के संपूर्ण विस्तार के पुनर्गठन का आह्वान किया था।
- मंत्रियों के समूह टास्क फोर्स जिसने के.आर.सी. रिपोर्ट का अध्ययन किया और सुरक्षा पर मंत्रिमंडलीय समिति को सिफारिशें प्रस्तुत की हैं कि सी.डी.एस., जो कि एक पांच सितारा अधिकारी है, इस पद का सृजन किया जाना चाहिए।
- पद के सृजन में, सरकार ने वर्ष 2002 के अंत में एकीकृत रक्षा स्टाफ (आई.डी.एस.) बनाया था, जो अंततः सी.डी.एस. सचिवालय के रूप में काम करेगा।

नोट:

- संयुक्त राज्य अमेरिका के स्टॉफ समिति के संयुक्त प्रमुख अध्यक्ष (CJCSC), उदाहरण के लिए, एक विधायी जनादेश और तेजी से निरूपित शक्तियों के साथ बेहद शक्तिशाली पद हैं।
- संयुक्त राज्य अमेरिका के सेना, नौसेना, वायु सेना, मरीन कॉर्प्स और नेशनल गार्ड के प्रमुख भी जे.सी.एस.सी. के सदस्य हैं।

- CJCSC सहित सभी, चार सितारा अधिकारी हैं, लेकिन क़ानून द्वारा केवल CJCSC को "प्रमुख सैन्य सलाहकार" के रूप में नामित किया गया है।
- हालांकि, CJCSC को विभिन्न थिएटरों में लड़ाकू कमांडरों पर किसी भी परिचालन प्राधिकरण का उपयोग करने से रोक दिया गया है क्यों कि यह प्राधिकरण विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ रहता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>प्रधानमंत्री ने परिवारों के लिए जल जीवन मिशन योजना की घोषणा की है।</u>**

- प्रधानमंत्री ने घोषणा की है कि सरकार पाइपों द्वारा घरों में पानी लाने के लिए जल जीवन मिशन योजना शुरू करेगी।

संबंधित जानकारी

जल जीवन मिशन

- इस मिशन का उद्देश्य जल जीवन मिशन के अंतर्गत वर्ष 2024 तक सभी ग्रामीण परिवारों के लिए हर घर जल (पाइपों द्वारा जलापूर्ति) सुनिश्चित करना हैं।
- जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, कार्यकारी संस्था है।
- यह मिशन स्थानीय स्तर पर पानी की एकीकृत मांग और आपूर्ति-पक्ष प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसमें वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण और कृषि में पुन: उपयोग के लिए घरेलू अपशिष्ट जल के प्रबंधन सहित स्रोत की स्थिरता हेतु स्थानीय बुनियादी ढांचे का निर्माण शामिल है।
- मिशन, देश भर में स्थायी जल आपूर्ति प्रबंधन के अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार अन्य योजनाओं में साथ मिलकर काम करेंगे।

नोट:

- जुलाई, 2019 के बजट भाषण में, केंद्रीय वित्त मंत्री ने घोषणा की है कि सरकार ने जल शक्ति अभियान के लिए 1592 ब्लॉकों (256 जिलों में फैले हुए) की पहचान की है, जो अत्यंत गंभीर स्थिति में हैं और उनका अत्यधिक दोहन किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>वर्ल्ड वाइड फ़ंड फ़ॉर नेचर द्वारा वानिकी जैव विविधता का अभी तक पहला वैश्विक मूल्यांकन किया गया है।</u>**

- वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर द्वारा किए गए वानिकी जैव विविधता के पहले वैश्विक मूल्यांकन के अनुसार, 1970 के बाद से वानिकी वन्यजीव आबादी में 53 प्रतिशत की कमी हुई है।
- नए निष्कर्ष वानिकी विशेषज्ञ सूचकांक पर आधारित थे, जिसे लिविंग प्लैनेट सूचकांक कार्यप्रणाली के बाद विकसित किया गया था, यह एक ऐसा सूचकांक है जो उन वन्यजीवों पर नज़र रखता है जो केवल जंगलों में रहते हैं।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- यह आंकड़े पक्षियों, स्तनधारियों, सरीसृपों और उभयचरों की 268 प्रजातियों (455 आबादी) के लिए उपलब्ध थे।
- वन विशेषज्ञों की 455 निगरानी वाली आबादी में से, 1970 से 2014 के बीच आधे से अधिक आबादी में औसतन 1.7 प्रतिशत की वार्षिक दर से कमी हुई है।
- जब कि इन वर्षों के दौरान स्तनधारियों, सरीसृपों और उभयचरों (विशेषकर उष्णकटिबंधीय जंगलों से) में होने वाली कमी नियत रही, पक्षियों (विशेष रूप से समशीतोष्ण जंगलों) में होने वाली कमी कम रही।

- इसके अतिरिक्त, रिपोर्ट में पाया गया है कि केवल पेड़ क्षेत्रों में बदलाव- वनोन्मूलन या वनीकरण- वन्यजीव आबादी में कमी हेतु जिम्मेदार नहीं है।
- अन्य प्रमुख खतरे थे:
- आवास की हानि एवं आवास पतन/ परिवर्तन
- शोषण
- जलवायु परिवर्तन
- दैनिक यात्रा, कृषि विस्तार, खनन, शिकार, संघर्ष और बीमारियों के फैलने के कारण होने वाला निवास स्थान का नुकसान, लगभग 60 प्रतिशत जोखिमों का कारण है।
- लगभग 20 प्रतिशत जोखिम अत्यधिक दोहन के कारण थे। रिपोर्ट के अनुसार, 112 वन-निवास योग्य आबादी में से 40 को अत्यधिक दोहन (शिकार) का खतरा था।
- दूसरी ओर, जलवायु परिवर्तन ने 43 प्रतिशत उभयचर आबादी, 37 प्रतिशत सरीसृप आबादी, 21 प्रतिशत पक्षी आबादी लेकिन केवल 3 प्रतिशत स्तनपायी आबादी के प्रति जोखिम पैदा किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

4. **<u>भारतीय रेलवे का कोरास</u>**

- केंद्रीय रेल मंत्री ने रेलवे सुरक्षा हेतु कमांडो, भारतीय रेलवे के लिए एक विशेष रेलवे इकाई और रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) के लिए एक नई स्थापना नियमावली लॉन्च की है।

संबंधित जानकारी

रेलवे सुरक्षा हेतु कमांडो

- यह रेलवे सुरक्षा बल की एक पृथक कमांडो इकाई है।
- इस इकाई का दृष्टिकोण रेलवे क्षेत्र में आपदा स्थितियों के दौरान यात्रियों को सुरक्षा, सेवा प्रदान करने के लिए ट्रेन संचालन में क्षति, गड़बड़ी, व्यवधान, से संबंधित स्थितियों में प्रतिक्रिया देना है।
- कमांडो को लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज़्म (एल.डब्ल्यू.ई.)/ उग्रवाद /आतंकवाद प्रभावित रेलवे क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा।

नोट:

- हरियाणा के जगाधरी में अत्याधुनिक कमांडो प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की जाएगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –सुरक्षा

स्रोत- लाइवमिंट

5. **<u>पलानी मंदिर के पंचमिर्थम को जी.आई. टैग प्रदान किया गया है।</u>**

- मुरुगन मंदिर में "प्रसादम" के रूप में दिए गए प्रसिद्ध पलानी पंचमिर्थम को भौगोलिक संकेत (जी.आई.) टैग प्रदान किया गया है।
- ऐसा पहली बार हुआ है कि तमिलनाडु से एक मंदिर के "प्रसादम" को जी.आई. टैग प्रदान किया गया है।

पंचमिर्थम

- यह पाँच प्राकृतिक पदार्थों- केला, गुड़, गाय का घी, शहद और इलायची का एक संयोजन है। स्वाद के लिए खजूर और मिश्री मिलाई जाती है।
- पंचमिर्थम एक 'अभिषेगाप्रसादम' (भोजन जो एक धार्मिक प्रसाद है) है, जिसे अर्ध-ठोस अवस्था में परोसा जाता है।
- यह स्वाद में मीठा होता है और पलानी हिल्स पर स्थित अरुलमिगु धांडुयुतपानी स्वामी मंदिर के प्रमुख देवता भगवान धांदायुथापानी स्वामी के लिए मुख्य प्रसाद में से एक है।

संबंधित जानकारी

भौगोलिक संकेत

- यह एक बौद्धिक संपदा अधिकार है जो किसी उत्पाद को प्रदान किया गया एक दर्जा है, जो एक विशेष क्षेत्र या क्षेत्र के लिए अद्वितीय है और वहां से उत्पन्न होता है।

- भारत में, उत्पादों के भौगोलिक संकेतक (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 के साथ ही उत्पादों के भौगोलिक संकेतक (पंजीकरण और संरक्षण) नियम, 2002 जी.आई. पंजीकरण और उत्पादों पर शासन करता है।
- इन कानूनों को बौद्धिक संपदा अधिकारों (TRIPS) के व्यापार-संबंधित पहलुओं पर समझौते के अनुसमर्थन के बाद पेश किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- इंडिया टुडे

6. **<u>जम्मू और कश्मीर परिसीमन प्रक्रिया बंद की गई है।</u>**

- चुनाव आयोग ने चुनाव से पहले निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन पर नए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर पर आंतरिक चर्चा की है।
- जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के संघ राज्य क्षेत्र की विधानसभा में सीटों की संख्या 107 से बढ़ाकर 114 की जाएगी।
- अधिनियम यह भी निर्दिष्ट करता है कि वर्ष 2026 तक परिसीमन 2011 की जनगणना पर आधारित होगा।
- अधिनियम में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटों के आरक्षण की शुरूआत का प्रावधान भी है।

संबंधित जानकारी

परिसीमन अधिनियम, 2002

- भारत के संविधान के अनुच्छेद 82 और 170, वर्ष 2001 की जनगणना के आधार पर प्राधिकरण द्वारा और संसद के समान कानून द्वारा प्रत्येक राज्य को प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों (संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों) में पुनर्गठित और विभाजित करना निर्धारित करने का अधिकार प्रदान करते हैं।
- इसके अतिरिक्त, भारत के संविधान के अनुच्छेद 330 और 332, वर्ष 2001 की जनगणना के आधार पर राज्य के विधान परिषद और विधानसभा में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सीटों की संख्या को पुन: परिभाषित करने का प्रावधान प्रदान करते हैं।
- संसदीय और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों का वर्तमान परिसीमन, वर्ष 1971 की जनगणना पर आधारित है।
- यह एक उच्च शक्ति निकाय है जिसके आदेशों में कानून की शक्ति है और इसे किसी भी अदालत के समक्ष चुनौती नहीं दी जा सकती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>"गोल्डेन बटरफ्लाई: चाय की एक किस्म</u>**

गोल्डन बटरफ्लाई

- "गोल्डन बटरफ्लाई" एक विशेष चाय है जो दिब्रूगढ़ के निकट डीकॉम टी एस्टेट द्वारा निर्मित है।
- ये चाय, चाय की कलियों से बनाई जाती है न कि चाय की पत्तियों से बनाई जाती है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>दस्तावेज़ पहचान संख्या (डी.आई.एन.)</u>**

- आयकर विभाग द्वारा जारी किए जाने वाले प्रत्येक संचार में अब एक दस्तावेज पहचान संख्या (डी.आई.एन.) होगी।
- डी.आई.एन., एक अद्वितीय निदेशक पहचान संख्या है जिसे केंद्र सरकार द्वारा किसी कंपनी के मौजूदा निदेशक या निदेशक बनने के इच्छुक व्यक्ति को आवंटित किया जाता है।

- यह इस प्रकार के संचार के उचित ऑडिट परीक्षण को सुनिश्चित करने का इरादा रखता है।
- यह एक 8-अंकीय विशिष्ट पहचान संख्या है जिसकी आजीवन वैधता है। डी.आई.एन. के माध्यम से, निदेशकों का विवरण एक डेटाबेस में रखा जाता है।
- यह एक व्यक्ति के लिए विशिष्ट है, जिसका अर्थ है कि भले ही वह दो या अधिक कंपनियों में निदेशक हो लेकिन उसे केवल एक डी.आई.एन. प्राप्त करना होगा, जो किसी कंपनी में नौकरी छोड़ने के बाद दूसरी कंपनी में भी काम करेगा।
- इसका उपयोग तब किया जाएगा, जब कंपनी से संबंधित कोई रिटर्न, आवेदन या कोई भी जानकारी को किसी भी कानून के अंतर्गत प्रस्तुत किया जाएगा, ऐसे रिटर्न, आवेदन या सूचना पर हस्ताक्षर करने वाले निदेशक अपने हस्ताक्षर के नीचे अपने डी.आई.एन. का उल्लेख करेंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- इकोनॉमिक्स टाइम्स

9. **झारखंड में नई बिल खोदने वाली मेंढक प्रजाति की पुष्टि की गई है।**

- झारखंड के छोटा नागपुर पठार में बिल खोदने वाली मेंढक की नई प्रजाति की पुष्टि की गई है।
- इस मेंढक को पहली बार वर्ष 2015 में खोजा गया था।
- इसे स्पैहैरोथेका मगध के रूप में नामित किया गया है और इसे 'मगध बिल खोदने वाले मेंढक' के सामान्य नाम से जाना जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

10. **CO2 का अधिक उत्सर्जन चावल और गेहूं में पोषक तत्वों को कम कर रहा है।**

- जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल (आई.पी.सी.सी.) की एक रिपोर्ट के अनुसार, कार्बन डाइऑक्साइड (CO2) की वायुमंडलीय सांद्रता में वृद्धि से गेहूं और चावल जैसे मुख्य खाद्य पदार्थों की पोषण गुणवत्ता कम हो सकती है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- रिपोर्ट के अनुसार, 546-586 पार्ट पर मिलियन (पी.पी.एम.) के CO2 के स्तर पर उगाए गए गेंहूँ में 5.9-12.7 प्रतिशत कम प्रोटीन होगा, 7-6.5 प्रतिशत कम जिंक और 5.2-7.5 प्रतिशत कम आयरन होगा।
- CO2 के समान स्तरों के अंतर्गत, चावल के अनाज में कम प्रोटीन (7.8 प्रतिशत), आयरन (8 प्रतिशत) और जिंक (5 प्रतिशत) था।
- इसने विटामिन बी. और ई. की मात्रा में काफी कमी का संकेत दिया है, इसने चावल की किस्मों पर मेटा-विश्लेषण दर्शाया है।
- आगे रिपोर्ट में कहा गया है कि फसल और पशुधन दोनों की वर्तमान खेती पद्धति अस्थिर हैं और ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन (जी.एच.जी.) की एक महत्वपूर्ण मात्रा हेतु जिम्मेदार हैं और यह जलवायु परिवर्तन को भी खराब कर रहा हैं।
- जी.एच.जी. उत्सर्जन में खाद्य प्रणाली का 25-30 प्रतिशत का योगदान है।
- इसमें कृषि (10-12 प्रतिशत), भूमि उपयोग (8-10 प्रतिशत) और भंडारण, परिवहन और प्रसंस्करण (5-10 प्रतिशत) शामिल हैं।
- खाद्य अपव्यय (कटाई, प्रसंस्करण और भंडारण से) भी जी.एच.जी. उत्सर्जन में 8-10 प्रतिशत का योगदान देता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

11. **कोंडापल्ली खिलौने**

- कोंडापल्ली खिलौने- आंध्र प्रदेश के सांस्कृतिक प्रतीक- भारत और विदेशों में ऑनलाइन, थोक और खुदरा मंचों पर सबसे अधिक बिकने वाले हस्तशिल्पों में से एक हैं।

संबंधित जानकारी

कोंडापल्ली खिलौनों के संदर्भ में जानकारी

- ये आंध्र प्रदेश में कृष्णा जिले के कोंडापल्ली में लकड़ी से बने खिलौने हैं।
- खिलौने बनाने वाले कारीगरों को आर्यक्षत्रिय (जिन्हें नकरशालु भी कहा जाता है) के रूप में संदर्भित किया जाता है, जिनका उल्लेख ब्रह्माण्ड पुराण में किया गया है।
- इसे उत्पादों के भौगोलिक संकेतक (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 के अनुसार आंध्र प्रदेश से भौगोलिक संकेत हस्तशिल्प के रूप में पंजीकृत किया गया था।
- कोंडापल्ली खिलौने, तेल्लापोनिकी नामक मुलायम लकड़ी से बने होते हैं जो कोंडापल्ली पहाड़ियों के निकट पाए जाते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

19.08.2019

1. **<u>ओडिशा, अपनी दो सबसे बड़ी झीलों का संरक्षण करेगा।</u>**

- ओडिशा आद्रभूमि प्राधिकरण ने देश की सबसे बड़ी खारे पानी की लैगून, चिलिका और राज्य की सबसे बड़ी ताजे पानी की झील, अंसूपा हेतु एकीकृत प्रबंधन योजना के कार्यान्वयन को मंजूरी प्रदान की है।

संबंधित जानकारी

चिलिका

- यह बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली दया नदी के मुहाने पर भारत के पूर्वी तट पर ओडिशा राज्य में स्थित है।
- यह एशिया की सबसे बड़ी खारे पानी की लैगून है और भारत की सबसे बड़ी तटीय लैगून और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी तटीय लैगून है।
- यह 1981 में रामसर सम्मेलन के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय महत्ता की एक आर्द्रभूमि के रूप में नामित होने वाला भारत का पहला जल निकाय था।
- यह सर्दियों के दौरान लुप्तप्राय इरावदी डॉल्फ़िन और प्रवासी पक्षियों का निवास स्थान भी है।

अंसूपा

- यह अपनी मीठी पानी की मछली, विशेष रूप से लैबिओ बाटा के लिए प्रसिद्ध है, जिसे स्थानीय रूप से पोहाला के रूप में जाना जाता है।
- इस झील में बारिश के दौरान महानदी नदी से ताजे पानी की आपूर्ति निरंतर रूप से की जाती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- ए.आई.आर.

2. **<u>सुप्रा: नई योजना अत्याधुनिक अनुसंधान का वित्तपोषण करेगी।</u>**

- हाल ही में, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड ने एक योजना की घोषणा की है जिसका नाम वैज्ञानिक एवं उपयोगी गहन अनुसंधान उन्नति या सुप्रा है।
- यह मोदी सरकार के 100-दिवसीय परिवर्तनकारी विचारों का एक हिस्सा है जिसका प्रमुख उद्देश्य वैश्विक प्रभाव के साथ नई वैज्ञानिक एवं इंजीनियरिंग सफलताओं के अन्वेषणों को वित्तपोषित करना है।
- इस योजना को उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान प्रस्तावों को आकर्षित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जिसमें नई परिकल्पनाएं या मौजूदा चुनौतियां शामिल हैं और यह "आउट-ऑफ-द-बॉक्स" समाधान प्रदान करता है।
- हाई रिस्क-हाई रिवार्ड (एच.आर.एच.आर.) अनुसंधान, सुप्रा के समान दो वर्ष पहले लॉन्च की गई एक योजना है, जो वैचारिक रूप से नई

और जोखिम भरी परियोजनाओं के लिए थी, जिसमें आदर्श-स्थानांतरण प्रभाव की उम्मीद है।

संबंधित जानकारी

विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड

- यह भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एक संवैधानिक निकाय है, जिसे 2009 में भारत की संसद के एक अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया था।
- इस बोर्ड की अध्यक्षता भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव द्वारा की जाती है।
- इस बोर्ड का गठन विज्ञान और इंजीनियरिंग में बुनियादी अनुसंधान को बढ़ावा देने और इस प्रकार के अनुसंधान के लिए वैज्ञानिकों, शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं, औद्योगिक चिंताओं और अन्य संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था।
- यह बोर्ड वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और योगदान के लिए जे.सी. बोस राष्ट्रीय फैलोशिप प्रदान करता है और भारत में वैज्ञानिक अनुसंधान स्थिति को सुधारने हेतु पूरे विश्व के मेधावी वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के लिए रामानुजन फैलोशिप प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- लाइव मिंट

3. **चार नए उत्पादों को जी.आई. टैग प्रदान किया गया है।**

- हाल ही में, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के अंतर्गत भौगोलिक संकेत (जी.आई.) ने 4 नए जी.आई. को पंजीकृत किया हैं।
- ये हैं-

  (a) तमिलनाडु राज्य के डिंडीगुल जिले में पलानी कस्बे से पलानी पंचामिर्थम

  (b) मिजोरम से तावल्हलोहपुआन

  (c) मिजोरम राज्य से मिजो पुंची

  (d) केरल से तिरूर पान का पत्ता

पलानी पंचामिर्थम

- यह प्रसाद हैं, पलानी पहाड़ी में स्थित अरुलमिगु धनदयुथापानीस्वामी मंदिर के प्रमुख देवता, भगवान धनदयुथापानीस्वामी के अभिसेगम में पलानी कस्बे से अर्पित किए जाने वाले प्रमुख प्रसादों में से एक है।
- यह एक निश्चित अनुपात में पांच प्राकृतिक पदार्थों- केला, गुड़ चीनी, गाय का घी, शहद और इलायची का संयोजन है।
- ऐसा पहली बार हुआ है जब तमिलनाडु के एक मंदिर के प्रसादम को 'जी.आई. टैग प्रदान किया गया है।

तावल्हलोहपुआन

- यह मध्यम से भारी, कसे ढंग से बुना हुआ, मिजोरम का अच्छी गुणवत्ता वाला कपड़ा है, जिसे सूत ताना, ताना, बुनाई और हाथों द्वारा बनाई गई जटिल डिजाइनों के लिए जाना जाता है।

मिजो पुआंची

- यह मिजोरम का एक रंगीन मिज़ो शॉल/ कपड़ा है, इसे मिज़ो वस्त्रों में सबसे रंगीन माना जाता है।
- यह राज्य में प्रत्येक मिजो महिला का एक आवश्यक व्यवसाय है और एक महत्वपूर्ण विवाह परिधान है।
- यह मिज़ो उत्सव नृत्यों और आधिकारिक समारोहों में सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला पहनावा भी है।

केरल से तिरूर की बीटल वाइन

- इसकी मुख्य रूप से मलप्पुरम जिले के तिरूर, तनूर, तिरुरंगडी, कुट्टिपुरम, मलप्पुरम और वेंगारा ब्लॉक पंचायत में खेती की जाती है।

- इसकी हल्की उत्तेजक क्रिया और औषधीय गुणों दोनों के लिए इसका महत्व है।
- इसमें कई औषधीय, औद्योगिक और सांस्कृतिक महत्व हैं, इसे सांसों की बदबू और पाचन विकारों के लिए एक उपचार माना जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- पी.आई.बी.

4. **ग्लिप्टोथोरैक्स गोपी और गर्रा सिम्बलबैरेन्सिस: ताजे पानी की मछली की नई प्रजातियां मिलीं हैं।**

- भारतीय प्राणि सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों ने देश के उत्तर-पूर्वी और उत्तरी हिस्सों से ताजे पानी की मछली की दो नई प्रजातियों की खोज की है।
- दोनों मछलियां पहाड़ी जलधारा वर्ग से हैं और तेज जल प्रवाह के अनुरूप विशेष रूपात्मक सुविधाओं से सुसज्जित हैं।

ग्लिप्टोथोरैक्स गोपी

- यह भारत-म्यांमार सीमा के निकट मिजोरम के चंपई जिले से खोजी गई एक नई प्रजाति है।
- इसका नाम वर्गीकरण वैज्ञानिक के.सी. गोपी के योगदानों का जश्न मनाने के लिए उनके नाम पर रखा गया है।

गर्रा सिम्बलबैरेन्सिस

- ये प्रजातियां हिमाचल प्रदेश की सिम्बलबारा नदी में पाई गईं हैं।
- इनका नाम सिम्बलबारा नदी से लिया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

5. **भारत को अपनी पहली राष्ट्रीय अनिवार्य नैदानिक सूची प्राप्त हुई है।**

- भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आई.सी.एम.आर.) द्वारा निर्धारित किए जाने के बाद भारत को अपनी पहली राष्ट्रीय अनिवार्य नैदानिक सूची (एन.ई.डी.एल.) प्राप्त हुई है।
- इसका उद्देश्य मौजूदा विनियामक प्रणाली की अंतर को पूरा करना है जो सभी चिकित्सा उपकरणों और इन-विट्रो नैदानिक उपकरणों (आई.वी.डी.) को शामिल नहीं करता है।
- भारत की नैदानिक सूची, भारत की स्वास्थ्य देखभाल प्राथमिकताओं के परिदृश्य के अनुसार अनुकूलित और तैयार की गई है।
- डब्ल्यू.एच.ओ. ने मई, 2018 में अनिवार्य नैदानिक सूची (ई.डी.एल.) का पहला संस्करण जारी किया था।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय अनिवार्य नैदानिक सूची

- यह स्वास्थ्य मंत्रालय की नि:शुल्क नैदानिक सेवा पहल और अन्य नैदानिक पहलों के आधार पर बनाया गया है, जिसे ग्रामीण स्तर, प्राथमिक माध्यमिक और तृतीयक देखभाल जैसे सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के विभिन्न स्तरों पर परीक्षणों की एक विस्तारित टोकरी प्रदान करने हेतु बनाया गया है।
- इसमें नियमित रोगी देखभाल और संचारी और गैर-संचारी रोगों के निदान के लिए सामान्य प्रयोगशाला परीक्षणों का एक समूह शामिल है।
- विशिष्ट बीमारियों पर नैदानिक परीक्षणों के समावेशन का चयन बीमारी के मामलों के आधार पर किया गया है।
- यह भारत की सतत विकास लक्ष्य (एस.डी.जी.) 3.8 अर्थात यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज प्राप्त करने में मदद करेगा।
- भारत में, डायग्नोस्टिक्स (चिकित्सा उपकरण और इन विट्रो डायग्नोस्टिक्स), ड्रग एंड कॉस्मेटिक्स अधिनियम, 1940 और ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स नियम 1945 के अंतर्गत दवा विनियमों के आधार पर एक विनियामक ढांचे का अनुसरण करते हैं।

- डायग्नोस्टिक्स को चिकित्सा उपकरण नियमों, 2017 के विनियामक प्रावधानों के अंतर्गत विनियमित किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>मणिपुर सरकार ने सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे और समग्र शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने हेतु "स्कूल फगादाबा" नामक एक योजना शुरू की है।</u>**

- "स्कूल फगादाबा" (शिक्षा को बेहतर बनाएं) योजना को शुरू करते समय राज्य सरकार ने कहा है कि इस योजना का उद्देश्य बेहतर बुनियादी ढाँचा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सरकारी स्कूलों के समग्र सुधार को सुनिश्चित करके इन्हें मॉडल स्कूल बनाना है।
- शिक्षकों की नियमित उपस्थिति को सुनिश्चित करने हेतु स्कूलों में बायोमेट्रिक उपकरण लगाए जाएंगे।
- इस योजना के पहले चरण में, राज्य के 60 विधानसभा क्षेत्रों में से प्रत्येक में से एक स्कूल का चयन किया गया है।
- इस योजना का समग्र उद्देश्य सरकारी स्कूलों की स्थिति में सुधार करना और छात्रों के नामांकन में वृद्धि करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –सरकारी नीतियां

स्रोत- इंडिया टुडे

7. **<u>लेमरू हाथी रिजर्व</u>**

- छत्तीसगढ़ सरकार 450 वर्ग कि.मी. के क्षेत्रफल में लेमरू हाथी रिजर्व (एल.ई.आर.) की स्थापना करने जा रही है, जिसका उद्देश्य जंगली हाथियों को एक स्थायी निवास स्थान प्रदान करने के अतिरिक्त मानव-हाथी संघर्ष को और संपत्ति के विनाश को कम करना है।
- इस रिज़र्व की स्थापना भारत सरकार द्वारा गठित विशिष्ट उच्च-शक्ति तकनीकी समिति (एस.एच.पी.टी.सी.) की रिपोर्ट और सिफारिशों के अनुसार की जाएगी।
- एस.एच.पी.टी.सी. की रिपोर्ट में कहा गया है कि एल.ई.आर. जंगली हाथियों के संरक्षण हेतु एक विशाल संरक्षित क्षेत्र प्रदान करेगा जहाँ हाथियों को प्रचुर मात्रा में पानी, भोजन मिलेगा और अन्य सुविधाएं मिलेंगी।
- छत्तीसगढ़ सरकार ने वर्ष 2011 में सरगुजा-जशपुर हाथी रिजर्व का भी निर्माण कराया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

8. **<u>बेसिक(BASIC) देशों की जलवायु परिवर्तन पर 28वीं मंत्रिस्तरीय बैठक</u>**

- BASIC देश- ब्राज़ील, दक्षिण अफ्रीका, भारत और चीन का एक समूह है, ब्राजील के साओ पाउलो में 14 अगस्त से 16 अगस्त के बीच जलवायु परिवर्तन पर इस समूह की 28वीं मंत्रिस्तरीय बैठक का आयोजन किया गया था।
- 28 नवंबर, 2009 को चार देशों द्वारा हस्ताक्षरित एक समझौते के परिणामस्वरूप बेसिक समूह का गठन किया गया था।
- इन राष्ट्रों में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और बड़े पैमाने पर जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए आवश्यक धन जुटाने हेतु व्यापक रूप से समान स्थिति है।
- कोपेनहेगन समझौते में पार्टियों में से एक का गठन बेसिक देशों ने अमेरिका के नेतृत्व वाले समूह के साथ किया है, हालां कि यह समझौता कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं था।

संबंधित जानकारी

- बेसिक, राष्ट्रों के कई समूहों में से एक है जो जलवायु परिवर्तन से लड़ने और यू.एन.एफ.सी.सी.सी. के भीतर बातचीत करने हेतु मिलकर काम कर रहे हैं।

- बेसिक के अतिरिक्त, पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (ओपेक), मध्य एशिया के देशों का समूह, काकेशस, अल्बानिया और मोल्दोवा (सी.ए.सी.ए.एम.), कार्टाजेना वार्ता, लैटिन अमेरिका और कैरिबियाई के स्वतंत्र गठबंधन (ए.आई.एल.ए.सी.) और हमारे अमेरिका के लोगों के लिए द्विपक्षीय गठबंधन (स्पेनिश में अल्बा) आदि हैं।
- सी.ओ.पी.25, चिली की राजधानी सैंटियागो में 2-13 दिसंबर, 2019 से निर्धारित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

20.08.2019

1. **भारत, विश्व में सबसे अधिक सल्फर डाइऑक्साइड का उत्सर्जन करता है।**

- भारत, विश्व में सल्फर डाइऑक्साइड (SO2) का सबसे बड़ा उत्सर्जक है, जो वैश्विक मानवजनित उत्सर्जन में 15 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है।
- यह डेटा ग्रीनपीस की एक नई रिपोर्ट पर आधारित है जो नासा ओजोन निगरानी उपकरण (ओ.एम.आई.) उपग्रह डेटा द्वारा पता लगाए गए हॉटस्पॉट पर आधारित है।

इस उत्सर्जन का कारण

- भारत के अधिक उत्सर्जन उत्पादन का प्राथमिक कारण पिछले एक दशक में कोयला आधारित बिजली उत्पादन का विस्तार है।
- दुनिया भर में कोयला/ बिजली उत्पादन उद्योग के शीर्ष दस SO2 उत्सर्जन हॉटस्पॉटों में से पांच भारत में हैं।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- रूस, विश्व में सबसे बड़ा मानवजनित SO2 उत्सर्जन हॉटस्पॉट बना हुआ है, जिसके बाद दक्षिण अफ्रीका के म्पुमलांग प्रांत में क्रिल क्षेत्र, ईरान में ज़गरोज़ और सऊदी अरब में रबीघ हैं।
- मध्य प्रदेश में सिंगरौली पांचवें स्थान पर है।
- चीन ने सख्त उत्सर्जन मानदंडों और एफ.जी.डी. जैसी प्रौद्योगिकियों के कार्यान्वयन के माध्यम से अपने SO2 उत्सर्जन को कम कर दिया है।

संबंधित जानकारी

ईंधन-गैस निर्गंधकीकरण (एफ.जी.डी.)

- यह जीवाश्म ईंधन ऊर्जा संयत्रों से उत्सर्जित ईंधन गैस से और अन्य सल्फर ऑक्साइड उत्सर्जन प्रक्रिया के उत्सर्जन से सल्फर डाइऑक्साइड (SO2) को निकालने हेतु प्रयोग की जाने वाली तकनीकों का एक सेट है।

सल्फर डाइऑक्साइड

- वायु प्रदूषण में इसके उत्सर्जन का महत्वपूर्ण योगदान है।
- इसका सीधा संपर्क और कणिका तत्व के संपर्क में आने पर पी.एम. 2.5 (सूक्ष्म कणिका तत्व) उत्पन्न होते हैं, जब सल्फर डाइ ऑक्साइड अन्य वायु प्रदूषकों से अभिक्रिया करके सल्फेट कणों का निर्माण करते हैं, दोनो ही मानव स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं।
- वायुमंडल में SO2 का सबसे बड़ा स्रोत बिजली संयंत्रों और अन्य औद्योगिक सुविधाओं में जीवाश्म ईंधन का जलना है।
- अन्य स्रोतों में अयस्क से धातु निकालना जैसी औद्योगिक प्रक्रियाएँ, ज्वालामुखी जैसे प्राकृतिक स्रोत और लोकोमोटिव, जहाज और अन्य वाहन और भारी उपकरण शामिल हैं जो उच्च सल्फर सामग्री के साथ ईंधन जलाते हैं।

नोट:

- केंद्रीय पर्यावरण, वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने पहली बार दिसंबर, 2015 में कोयला संचालित बिजली संयंत्रों के लिए SO2 उत्सर्जन सीमा पेश की थी।

- लेकिन सर्वोच्च न्यायालय के एक आदेश ने दिल्ली-एन.सी.आर. में 2017 से दिसंबर, 2019 तक और देश के अन्य हिस्सों में वर्ष 2022 तक बिजली संयंत्रों में एफ.जी.डी. प्रौद्योगिकी की स्थापित करने की समय सीमा को बदल दिया था।

टॉपिक- जी.एस पेपर 2 –पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

2. **<u>कार्बन डॉट्स: कैंसर के उपचार को अधिक प्रभावी और किफायती बनाने हेतु एक नई तकनीक है।</u>**

- यूनाइटेड किंगडम के शोधकर्ताओं ने एक नई तकनीक विकसित की है जो प्रकाश आधारित कैंसर उपचार को मरीजों के लिए अधिक प्रभावी और सुरक्षित बना सकती है।
- प्रकाश-आधारित या प्रकाश गतिक उपचार पहले से ही चिकित्सकीय रूप से अनुमोदित उपचार है, जो उन दवाओं का उपयोग करता है जो कैंसर की कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए केवल प्रकाश के संपर्क में आने पर ही काम करती हैं।
- हालांकि, इनमें से कई दवाएं प्रकाश के बिना भी प्राय: विषाक्त होती हैं, जिससे रोगियों में कई दुष्प्रभाव हो सकतें हैं और इससे उपचार विफल हो सकता है।
- शोधकर्ताओं ने कार्बन डॉट्स नामक एक छोटा कार्बन नैनो कण विकसित किया है जो कैंसर की दवाओं को ट्यूमर तक आसानी से पहुंचा सकता है।

कार्बन डॉट्स

- कार्बन डॉट्स, बहुत कम विषाक्तता वाले प्रतिदीप्त नैनोकण होते हैं, जो उन्हें इस उद्देश्य के लिए बेहद उपयोगी बनाता हैं।
- ये नैनो कण सुक्रोज और साइट्रिक अम्ल जैसे सामान्य अवयवों का उपयोग करके बनाए गए थे, जो विभिन्न फलों में स्वाभाविक रूप से पाए जाते हैं।
- अनुसंधान के भाग के रूप में कार्बन डॉट्स के दो अलग-अलग संस्करणों को विकसित किया गया था, जिसमें से एक में दवा केवल सतही स्तर तक रहती है और दूसरे में दवा छिद्र के भीतर प्रवेश करती है।
- दवा का कार्बन डॉट की सतही स्तर तक रहना, यह प्रकाश के बिना चार गुना कम विषाक्त है जब कि प्रयोगशाला में मेलानोमा त्वचा कैंसर के मॉडल में इसके कैंसर मारक प्रभाव को विनियमित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- डी.डी. न्यूज

3. **<u>मध्य प्रदेश ने विधान परिषद की मांग की है।</u>**

- मध्य प्रदेश सरकार ने संकेत दिया है कि वह एक विधान परिषद के निर्माण की दिशा में कदम उठाने की योजना बना रही है।

संवैधानिक प्रावधान

- संविधान का अनुच्छेद 71, एक राज्य को विकल्प के रूप में विधानसभा के अतिरिक्त एक विधान परिषद रखने का प्रावधान प्रदान करता है।
- अनुच्छेद 169 के अंतर्गत, एक विधान परिषद का गठन किया जा सकता है, "यदि राज्य की विधानसभा, विधानसभा की कुल सदस्यता के बहुमत और विधानसभा में उपस्थित सदस्यों के कम से कम दो तिहाई सदस्यों से बहुमत से उस आशय का प्रस्ताव पारित कर सकती है"। संसद इस आशय का एक कानून पारित कर सकती है।
- संविधान के अनुच्छेद 171 के अंतर्गत, एक राज्य की विधान परिषद में राज्य के विधायकों की संख्या के एक तिहाई से अधिक नहीं होंगे और 40 से कम सदस्य नहीं होंगे।
- विधान परिषद (एम.एल.सी.) के सदस्य का कार्यकाल छह साल का होता है, जिसमें प्रत्येक दो वर्ष में एक तिहाई सदस्य सेवानिवृत्त होते हैं।

- एक तिहाई एम.एल.सी., राज्य के विधायकों द्वारा चुने जाते हैं, अन्य एक-तिहाई एम.एल.सी. विशेष मतदाताओं द्वारा चुनें जाते हैं, जिसमें स्थानीय सरकारों जैसे नगर पालिकाओं और जिला बोर्डों के सदस्य होते हैं, 1/12 एम.एल.सी. शिक्षक मतदाता द्वारा और अन्य 1/12 एम.एल.सी. पंजीकृत स्नातकों द्वारा चुनें जाते हैं।
- शेष सदस्यों को राज्यपाल द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट सेवाओं के लिए नियुक्त किया जाता है।

सकारात्मक तर्क

- दूसरा सदन, प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित सदन द्वारा जल्दबाजी में कार्रवाई की जाँच कर सकता है और गैर-निर्वाचित व्यक्तियों को विधायी प्रक्रिया में योगदान देने में भी सक्षम बनाता है।

नकारात्मक तर्क

- विधान परिषद का उपयोग कानून में देरी करने और उन नेताओं को स्थापित करने के लिए किया जा सकता है जो चुनाव जीतने में सक्षम नहीं हैं।

विधान परिषद वाले राज्य

- वर्तमान में, छह राज्यों में विधान परिषद हैं जो आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र हैं।
- जम्मू और कश्मीर में भी एक थी, जब तक कि राज्य जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित नहीं किया गया था।

विधान परिषद v/s राज्य सभा

- परिषदों की विधायी शक्तियां सीमित है।
- राज्य सभा के विपरीत, जिसमें गैर-वित्तीय कानून को आकार देने के लिए पर्याप्त शक्तियां होती हैं, विधान परिषदों के पास ऐसा करने के लिए संवैधानिक जनादेश का अभाव है, असेंबली परिषद द्वारा कानून के लिए किए गए सुझावों/संशोधनों को रद्द कर सकती है।
- पुन: राज्यसभा सांसदों के विपरीत, एम.एल.सी. राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनावों में मतदान नहीं कर सकते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –भारतीय संविधान

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. **<u>प्रोजेक्ट "सरस्वती 2.0"</u>**

- आई.आई.टी. खड़गपुर, सरस्वती 2.0 को आगे बढ़ाएगा, यह यूरोपीय संघ और भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित 15 करोड़ रुपये की परियोजना है।
- इस परियोजना का उद्देश्य अपशिष्ट जल के उपचार के लिए सस्ती तकनीकों को विकसित करना और ग्रामीण और शहरी भारत दोनों क्षेत्रों में इसके उपयोग के लिए समाधान प्रदान करना है।
- सरस्वती 2.0, जिसे यूरोपीय संघ-भारत संयुक्त जल अनुसंधान एवं नवाचार के अंतर्गत चुना गया है, यह 2012-17 के सरस्वती प्रोजेक्ट का अनुसरण करता है।
- यूरोपीय संघ चार वर्षों के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर 323 करोड़ रुपये का निवेश करेगा।
- आई.आई.टी. के.जी.पी., अपशिष्ट जल के उपचार के लिए तीन परीक्षण परियोजनाएं संचालित करेगा।
- इसके लिए, आई.आई.टी. के.जी.पी. में शीघ्र ही तीन संयंत्र स्थापित किए जाएंगे: दो अवायवीय डाइजेस्टर स्थापित किए जाएंगे, एक जैव-विद्युत रासायनिक फिल्टर के साथ और दूसरा प्रकाश परपोषी जैव रिएक्टर के साथ स्थापित किए जाएंगे और कीचड़ के अल्ट्रासोनिक उपचार के लिए एक संयंत्र स्थापित किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

5. **<u>मांगदेछु जलविद्युत ऊर्जा संयंत्र</u>**

- प्रधानमंत्री मोदी ने भूटान में मांगदेछु जलविद्युत ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन किया है।
- मध्य भूटान में 4,500 करोड़ रुपये के जलविद्युत संयंत्र भूटान-भारत मैत्री परियोजना के रूप में प्रस्तुत किया गया है, यह हिमालयी राष्ट्र के त्रोंगसा डिजोंगखाग जिले में मांगदेछु नदी पर बनाया गया एक नदी संचालित ऊर्जा संयत्र है।
- जलविद्युत परियोजना का निर्माण जून, 2012 में शुरू हुआ था और जून, 2019 में बिजली संयंत्र की चार इकाइयों में से पहली चालू की गई थी।

संबंधित जानकारी

- भारत ने यह भी घोषणा की है कि विदेशी मुद्रा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सार्क मुद्रा विनिमय ढांचे के अंतर्गत भूटान को अतिरिक्त $100 मिलियन उपलब्ध कराए जाएंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भारतीय भूगोल

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>प्रधानमंत्री मोदी को यू.ए.ई. का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, आर्डर ऑफ जायद दिया जाएगा।</u>**

- हाल ही में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को "ऑर्डर ऑफ जायद" से सम्मानित किया गया है, जो यू.ए.ई. का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है।
- यह पुरस्कार दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री के प्रतिष्ठित नेतृत्व के लिए उन्हें प्रदान किया जा रहा है।
- नरेंद्र मोदी के साथ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, यूनाइटेड किंगडम की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी इस पुरस्कार के अन्य प्राप्तकर्ता हैं।

ऑर्डर ऑफ जायद

- यह पुरस्कार यू.ए.ई. के संस्थापक जनक शेख जायद बिन सुल्तान अल नाहयान के नाम पर दिया जाता है।

संबंधित जानकारी

नरेंद्र मोदी द्वारा प्राप्त अन्य अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू अवार्ड

- यह 12 अप्रैल, 2019 को रूस द्वारा प्रदान किया गया था।
- नरेंद्र मोदी, यह पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले भारतीय हैं।

निशान इज़्ज़ुद्दीन के विशिष्ट नियम का ऑर्डर

- यह 8 जून, 2019 को मालदीव द्वारा प्रदान किया गया था।
- यह विदेशी गणमान्य व्यक्तियों को प्रदान किया जाने वाला यह मालदीव का सर्वोच्च सम्मान है।

चैंपियंस ऑफ द अर्थ अवार्ड

- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने अक्टूबर, 2018 को यह पुरस्कार देकर सम्मानित किया था।
- चैंपियंस ऑफ़ द अर्थ अवार्ड, निजी/ सार्वजनिक क्षेत्रों और नागरिक समाज से उत्कृष्ट पर्यावरणीय नेताओं को पहचानने हेतु स्थापित किया गया वार्षिक पुरस्कार है।

फिलिप कोटलर राष्ट्रपति पुरस्कार

- प्रधानमंत्री मोदी को पहले फिलिप कोटलर राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- फिलिप कोटलर राष्ट्रपति पुरस्कार का उद्देश्य ऐसे व्यक्तियों और कंपनियों के उदाहरणों का प्रसार करना है जिन्होंने किसी उद्योग या देश की आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी उन्नति के लिए एक अभिनव संस्कृति का निर्माण किया हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वपूर्ण पुरस्कार

स्रोत- द हिंदू

21.08.2019

1. **<u>बीटा पिक्टोरिस तारे के निकट दूसरा विशालकाय ग्रह पाया गया है।</u>**

- हाल ही में, फ्रांस के खगोलविदों ने 'बीटा पिक्टोरिस C' नामक एक दूसरे ग्रह की खोज की है।
- इसे चिली में यूरोपीय दक्षिणी वेधशाला के बहुत बड़े दूरदर्शी पर उच्च सटीकता वाले त्रिज्य वेग ग्रह खोजकर्ता (HARPS) स्पेक्ट्रो-स्कोप की मदद से खोजा गया है।
- पिछले एक दशक से, पृथ्वी पर खगोलविदों ने बीटा पिक्टोरिस b के बारे में सोचा है कि वह एक ग्रह है जो स्टार बीटा पिक्टोरिस के आसपास एक विशाल, धूल भरी डिस्क के भीतर परिक्रमा करता एक अकेला एक्सोप्लैनेट है।

संबंधित जानकारी

'बीटा पिक्टोरिस C' ग्रह

- यह पृथ्वी की तुलना में लगभग 3,000 गुना अधिक विशाल है।
- यह बीटा पिक्टोरिस तारे की परिक्रमा करता है, जो सूर्य के द्रव्यमान का लगभग दोगुना है और पृथ्वी से लगभग 63 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है।
- यह, सूर्य से पृथ्वी की दूरी की तुलना में अपने तारे से 7 गुना आगे स्थित है।
- यह अपनी कक्षा का पूरा चक्कर लगाने में लगभग 1,200 दिन लेता है।

बीटा पिक्टोरिस

- यह पिक्टर तारामंडल में दूसरा सबसे चमकीला तारा है।
- यह सौर मंडल से 4 प्रकाश-वर्ष की दूरी पर स्थित है और यह सूर्य से 1.75 गुना विशाल और 8.7 गुना प्रकाशमान है।
- बीटा पिक्टोरिस प्रणाली बहुत युवा है, केवल 20 से 26 मिलियन वर्ष पुरानी है।
- बीटा पिक्टोरिस, बीटा पिक्टोरिस गतिशील समूह का शीर्षक सदस्य है, यह युवा सितारों का एक संघ जो अंतरिक्ष के माध्यम से एक ही गति साझा करता है और उनकी आयु एकसमान है।
- बीटा पिक्टोरिस, अपने प्रकार के सामान्य तारों की तुलना में अवरक्त उत्सर्जन की अधिकता को दर्शाता है, जो तारे के निकट अिधक मात्रा में धूल और गैस (कार्बन मोनोऑक्साइड सहित) के कारण होता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- लाइवमिंट

2. **<u>विनिर्मित रेत (M-रेत)</u>**

- तमिलनाडु की राज्य सरकार एक M-रेत नीति बनाएगी, जिसका उद्देश्य वैकल्पिक निर्माण सामग्री के रूप में M-रेत के उपयोग को बढ़ावा देना है।
- यह व्यापार के विनियमन के माध्यम से बाजार में उप-मानक उत्पादों की व्याप्ति को खत्म करने में मदद करेगी।

संबंधित जानकारी

विनिर्मित रेत (M-रेत)

- यह कंक्रीट निर्माण हेतु नदी की रेत का एक विकल्प है।
- इसका निर्माण उच्च तनीकि का प्रयोग करके किया जाएगा, जैसे उच्च कार्बन स्टील एक चट्टान पर प्रहार करेगी और फिर रॉक ऑन रॉक प्रक्रिया, सख्त ग्रेनाइट का निर्माण करेगी।
- रेत, आधारीय किनारों के साथ घनीय आकार में है, इसे एक निर्माण सामग्री के रूप में धोया और श्रेणीबद्ध किया जाता है और इसका आकार 75 मि.मी. से कम होता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>मोबाइल मेटैलिक रैंप</u>**

- हाल ही में, डी.आर.डी.ओ. ने भारतीय सेना को मोबाइल मेटैलिक रैम्प (MMR) का डिज़ाइन सौंपा है।

मोबाइल मेटैलिक रैंप (MMR)

- इसे डी.आर.डी.ओ. की प्रमुख अनुसंधान प्रयोगशाला, अग्नि, विस्फोट एवं पर्यावरण सुरक्षा केंद्र (सी.एफ.ई.ई.एस.) द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है।
- इसकी भार वहन क्षमता 70 मीट्रिक टन (एम.टी.) है।
- इसे बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों (ए.एफ.वी.) के रणनीतिक गतिशील समय को कम करने हेतु सेना द्वारा अनुमानित आवश्यकताओं के आधार पर डिजाइन और विकसित किया गया है।
- यह डिजाइन में पोर्टेबल, मॉड्यूलर है, जिसे आसानी से संकलित और असंकलित किया जा सकता है, जो सेना की बख़्तरबंद और मशीनीकृत इकाइयों और संरचनाओं के लिए रणनीतिक गतिशीलता प्रदान करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. **<u>चुनाव आयोग अंतिम एन.आर.सी. से आगे 'D' मतदाता मानदंडों पर पुन: विचार करेगा।</u>**

संबंधित जानकारी

'D' मतदाता

- वे असम में मतदाताओं की वह श्रेणी हैं जिनकी नागरिकता संदिग्ध है या विवाद के अंतर्गत है।
- यह श्रेणी 1997 में शुरू की गई थी जब चुनाव आयोग राज्य की मतदाता सूची को संशोधित कर रहा था।
- 'D' मतदाता, असम की मतदाता सूची में निरंतर रूप से बने हुए हैं, वे चुनाव में तब तक मतदान नहीं कर सकते जब तक कि उनका मामला किसी विदेशियों के न्यायाधिकरण द्वारा तय नहीं किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>पंजाब सरकार ने एस.एस.बी.वाई. योजना के अंतर्गत 4500 पत्रकारों को शामिल किया है।</u>**

- पंजाब सरकार ने पत्रकारों को अपनी हाल ही में शुरू की गई प्रमुख सार्वभौमिक स्वास्थ्य बीमा योजना, सरबत सेहत बीमा योजना (एस.एस.बी.वाई.) के दायरे में शामिल किया है।
- राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त या पीला कार्ड रखने वाले सभी पत्रकार इस योजना के अंतर्गत शामिल होने के पात्र होंगे।

संबंधित जानकारी

सरबत सेहत बीमा योजना (ए.बी.-एस.एस.बी.वाई.)

- इसे आयुष्मान भारत- सरबत सेहत बीमा योजना (ए.बी.-एस.एस.बी.वाई.) के रूप में भी जाना जाता है, जो पंजाब राज्य के लाभार्थियों हेतु एक प्रमुख राज्य स्वास्थ्य बीमा योजना है।
- यह पंजाब राज्य की 75% आबादी को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करेगी।

योजना की मुख्य विशेषताएं

- यह प्रति वर्ष प्रति परिवार 5 लाख रुपये तक का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा कवर है।
- यह एक पात्रता आधारित योजना है।
- इसमें पहले से मौजूद बीमारियों को शामिल किया गया है और उपचार पैकेज में 3 दिन का प्री-हॉस्पिटलाइज़ेशन और 15 दिनों का पोस्ट-हॉस्पिटलाइज़ेशन खर्च भी शामिल है।
- लाभार्थी, पंजाब और चंडीगढ़ के निजी और सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>चंद्रयान-2 ने सफलतापूर्वक दूसरी चंद्रमा कक्षा युक्तिचालन को पूरा किया है।</u>**

- भारत का दूसरा चंद्रमा अन्वेषण मिशन, चंद्रयान-2, अपने दूसरे चंद्रमा कक्षा युक्तिचालन से गुजरा है।
- अंतरिक्ष यान को अब चंद्रमा की अगली कक्षा में या चंद्रमा आधारित चरण 2 (LBN # 2) में रखा गया है, जो अपने निकटतम बिंदु पर चंद्रमा की सतह से 118 कि.मी. की दूरी पर और अधिकतम 4,412 कि.मी. की दूरी पर स्थित है।

संबंधित जानकारी

- चंद्रयान-2, चंद्रमा पर भारत का दूसरा मिशन है जो पूर्णतय: स्वदेशी मिशन है।
- इसमें एक ऑर्बिटर, 'विक्रम' नामक लैंडर और 'प्रज्ञान' नामक रोवर शामिल है।
- ऑर्बिटर, चंद्रमा का चक्'र लगाएगा और उसकी सतह के बारे में जानकारी प्रदान करेगा, जबकि लैंडर सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करेगा और रोवर को बाहर भेज देगा।
- पेलोड्स चंद्र स्थलाकृति, खनिज विज्ञान, तत्व प्रचुरता, चंद्र बहिर्मंडल और हाइड्रोसिल और जल-बर्फ के हस्ताक्षर पर वैज्ञानिक जानकारी एकत्र करेंगे।
- चंद्रयान-2 को एक भूसमकालिक उपग्रह प्रक्षेपण यान मार्क III, (जी.एस.एल.वी. -एम.के. III) रॉकेट से लॉन्च किया गया था।

चंद्रयान-1 मिशन

- इसे अक्टूबर, 2008 में लॉन्च किया गया था और अगस्त, 2009 तक संचालित किया गया था।
- इस मिशन में एक चंद्र ऑर्बिटर और एक प्रभावकारक शामिल था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>टार्डिग्रेड, पानी भालू क्या है?</u>**

- हाल ही में, इजरायल के अंतरिक्ष यान बेरेशीट ने चंद्रमा पर उतरने का प्रयास किया लेकिन सतह पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।
- यह कई वस्तुओं को ले जा रहा था, जिसमें टार्डिग्रेड नामक जीव के हजारों नमूने शामिल थे।
- टार्डिग्रेड, जिसे पानी के भालू के रूप में भी जाना जाता है, यह पृथ्वी पर सबसे कठिन और सबसे लचीले जीवों में से एक है।
- टार्डिग्रेड को केवल एक सूक्ष्मदर्शी से देखा जा सकता है।
- यह आधा मिलीमीटर लंबा होता है, यह अनिवार्य रूप से एक जल-निवासी है लेकिन यह भूमि पर भी निवास करता है और 2008 के एक अध्ययन में पाया गया है कि यह बाहरी अंतरिक्ष के ठंडे निर्वात में भी जीवित रह सकता है।
- 2017 में, एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि यदि अन्य सभी जीवों को एक प्रलयकारी घटना से मिटा दिया जाए जैसे एक बड़ा क्षुद्रग्रह प्रभाव, एक सुपरनोवा या एक गामा-किरण फट जाए तो भी टार्डिग्रेड जीवित रहने के लिए सबसे अनुकूल होगा।
- टार्डिग्रेड अत्यधिक गर्म और ठंडे तापमान के स्तर को सहन कर सकता है।
- इसका नाम टार्डिग्रेड इस तथ्य से रखा गया है कि यह आठ पैरों वाले भालू की तरह दिखता है, एक मुंह के साथ जो जीभ की तरह बाहर निकल सकता है।
- इसके शरीर में चार खंड होते हैं जो चार जोड़ी पंजे के आकार के पैरों द्वारा समर्थित होते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –जैवविविधता

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>राष्ट्रीय संसाधन दक्षता नीति पर मसौदा जारी किया गया है।</u>**

- केंद्रीय पर्यावरण, वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) ने राष्ट्रीय संसाधन दक्षता

नीति (एन.आर.ई.पी.) 2019 पर एक मसौदा जारी किया है।

- इसका उद्देश्य पर्यावरण पर न्यूनतम नकारात्मक प्रभाव के साथ संसाधनों के कुशल उपयोग को संरेखित करना है।
- राष्ट्रीय संसाधन दक्षता नीति पर मसौदा (एन.आर.ई.पी.) पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ और न्यायसंगत आर्थिक विकास, संसाधन सुरक्षा, स्वस्थ वातावरण (वायु, जल और भूमि) के साथ एक समृद्ध भविष्य की परिकल्पना करता है और समृद्ध पारिस्थितिकी और जैव विविधता के साथ पारिस्थितिक तंत्र को पुन: बहार करने की परिकल्पना करता है।
- राष्ट्रीय संसाधन दक्षता नीति पर मसौदा के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित है:

1. सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने और ग्रह की सीमाओं में रहने को ध्यान में रखते हुए सतत स्तरों तक प्राथमिक संसाधनों की खपत में कमी करना,
2. संसाधन-कुशल और परिपत्र दृष्टिकोण के माध्यम से कम सामग्री के साथ उच्च मूल्य का निर्माण करना,
3. अपशिष्ट न्यूनीकरण
4. सामग्री सुरक्षा और रोजगार के अवसर और व्यवसाय मॉडल का निर्माण करना जो पर्यावरण संरक्षण और बहाली के कारणों हेतु फायदेमंद हों

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय संसाधन दक्षता प्राधिकरण

- इसका गठन पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत किया जाएगा।
- इसे कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण पहलुओं पर मार्गदर्शन करने हेतु एक अंतर-मंत्रालयीय राष्ट्रीय संसाधन दक्षता बोर्ड द्वारा समर्थित किया जाएगा।
- सामग्री रिकवरी सुविधा (एम.आर.एफ.) को स्थापित करने के अतिरिक्त पुनर्चक्रित सामग्री पर कर छूट, लघु और मध्यम उद्यमों (एस.एम.ई.) को ग्रीन ऋण और अपशिष्ट निपटान सुविधाओं हेतु सॉफ्ट ऋण प्रदान करने को भी योजनाबद्ध किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत: द हिंदू

22.08.2019

1. **<u>सरकार ने सरल (SARAL) सूचकांक लॉन्च किया है।</u>**

- केंद्रीय ऊर्जा एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा (आई.सी.) और कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री आर. के. सिंह ने राज्य रूफटॉप सौर आकर्षण सूचकांक लांच किया है।
- कर्नाटक राज्य को इस सूचकांक में पहला स्थान प्रदान किया गया है, यह सूचकांक रूफटॉप विकास हेतु आकर्षण के आधार पर भारतीय राज्यों का मूल्यांकन करता है।
- तेलंगाना, गुजरात और आंध्र प्रदेश को क्रमश: दूसरा, तीसरा और चौथा स्थान प्रदान किया गया है।

SARAL (राज्य रूफटॉप सौर आकर्षण) सूचकांक

- इसे नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE), शक्ति सतत ऊर्जा फाउंडेशन (SSEF), भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (एसोचैम) और अर्न्स्ट एंड यंग (EY) द्वारा सहयोगी रूप से डिजाइन किया गया है।
- यह रूफटॉप सौर प्रणाली स्थापित करने की सुविधा प्रदान करने हेतु अपनाएं गए राज्य स्तरीय उपायों का व्यापक अवलोकन प्रदान करने वाला इस प्रकार का पहला सूचकांक है।

- यह सूचकांक रूफटॉप विकास हेतु भारतीय राज्यों के आकर्षण के आधार पर उनका मूल्यांकन करता है।
- यह वर्तमान में पाँच प्रमुख पहलुओं को शामिल करता है-
- नीतिगत ढांचे की मजबूती
- कार्यान्वयन पर्यावरण
- निवेश जलवायु
- उपभोक्ता अनुभव
- व्यापार पारिस्थिकी प्रणाली

संबंधित जानकारी

- एम.एन.आर.ई. ने वर्ष 2022 तक 175 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसमें से 100 गीगावॉट सौर ऊर्जा का मार्च, 2022 तक परिचालन करना होगा, जिसमें से 40 गीगावॉट ऊर्जा ग्रिड कनेक्टेड सौर रूफटॉप से उत्पादित होने की उम्मीद है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **<u>केरल के तिरूर वेत्तीला पत्ते को जी.आई. टैग प्रदान किया गया है।</u>**

- केरल के तिरुर वेत्तीला (सुपारी) ने जी.आई. (भौगोलिक संकेत) टैग प्रदान किया गया है।

तिरुर वेत्तीला

- यह तिरूर और केरल के मलप्पुरम जिले के आस-पास के क्षेत्रों में उगाया जाता है।
- ताजा पत्तियों में कुल क्लोरोफिल और प्रोटीन की इसकी उच्च सामग्री हेतु यह अद्वितीय है।
- यूगेनॉल, तिरूर सुपारी पत्ती में पाया जाने वाला प्रमुख आवश्यक तेल है, जो इसकी तीक्ष्णता में योगदान देता है।

संबंधित जानकारी

जी.आई. टैग

- यह उत्पादों पर इस्तेमाल किया जाने वाला एक संकेत है, जिसकी एक विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति होती है और उसमें कुछ विशेषताएं या प्रतिष्ठा होती है जो उस क्षेत्र के कारण होती है।
- जी.आई. के रूप में कार्य करने के लिए एक चिन्ह को किसी दिए गए स्थान पर उत्पन्न होने वाले उत्पाद की पहचान करनी चाहिए।

जी.आई. टैग- ट्रिप्स समझौते की आवश्यकता

- विश्व व्यापार संगठन के सदस्य के रूप में, भारत ने उत्पादों के भौगोलिक संकेतक (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 को अधिनियमित करता है, यह 15 सितंबर, 2003 से प्रभावी हो गया था।
- वर्ष 2004 में दार्जिलिंग चाय भौगोलिक संकेतक प्राप्त करने वाला पहला भारतीय उत्पाद था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री ने निष्ठा (NISHTHA) का लांच किया है।</u>**

- केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री ने प्राथमिक स्तर पर शिक्षण परिणामों में सुधार करने के लिए राष्ट्रीय मिशन के एक भाग के रूप में राष्ट्रीय स्कूल प्रधानाध्यापक एवं शिक्षक समग्र उन्नति पहल (NISHTHA) की शुरुआत की है।
- यह विश्व में इस प्रकार का सबसे बड़ा शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम है।
- इस विशाल प्रशिक्षण कार्यक्रम 'निष्ठा' का मूल उद्देश्य छात्रों में महत्वपूर्ण सोच को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए शिक्षकों को प्रेरित और सुसज्जित करना है।
- प्रशिक्षण कार्यक्रम को सरकार के 100 दिनों के कार्यक्रम के लिए इस विभाग के दो परिवर्तनकारी विचारों में से एक के रूप में शामिल किया गया है।

- इस एकीकृत कार्यक्रम का लक्ष्य लगभग 42 लाख प्रतिभागियों की क्षमताओं का निर्माण करना है, जिसमें शामिल हैं:

1. सभी सरकारी स्कूलों में प्राथमिक स्तर पर सभी शिक्षक और स्कूलों के प्रमुख
2. राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एस.सी.ई.आर.टी.) के संकाय सदस्य
3. जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट)
4. सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ब्लॉक संसाधन समन्वयक और क्लस्टर संसाधन समन्वयक

संबंधित जानकारी

शिक्षण प्रबंधन प्रणाली

- यह एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा विकसित MOODLE (मॉड्यूलर उद्देश्य उन्मुख गतिशील शिक्षण वातावरण) पर आधारित है।
- इसका उपयोग संसाधन व्यक्तियों और शिक्षकों के पंजीकरण, संसाधनों के प्रसार, प्रशिक्षण अंतराल और प्रभाव विश्लेषण, निगरानी, सलाह और ऑनलाइन स्तर पर प्रगति को मापने के लिए किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

4. **<u>सेरिसिन: यह रेशम प्रोटीन है।</u>**

- भारतीय वैज्ञानिकों ने रेशम के कीड़ों द्वारा निर्मित प्रोटीन का पता लगाया है, जिसका उपयोग सौंदर्य और स्किनकेयर उत्पादों की एक श्रृंखला विकसित करने के लिए किया जा सकता है।
- प्रोटीन, सेरिसिन को एंटी-ऑक्सीडेंट और अन्य औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है।
- ये गुण सेरिसिन के अमीनो एसिड घटक और द्वितीयक चयापचयों (पॉलीफिनॉल और फ्लेवोनोइड्स) पर निर्भर करते हैं।
- वे रेशम के कीड़ों के स्रोत के साथ भिन्न होते हैं और उनकी उपलब्धता निष्कर्षण के दौरान प्राप्त सेरिसिन पेप्टाइड्स की लंबाई पर निर्भर करती है।
- इसका उपयोग ऑक्सीडेटिव क्षति, एडिमा, एरिथेमा, सनबर्न, समय से पहले बूढ़ा होना, झुर्रियों और त्वचा के कैंसर से सुरक्षा के लिए किया जा सकता है।
- सेरिसिन को तीन प्रकार के रेशम के कीड़ों के कोकून से अलग किया गया था:

1. बॉम्बिक्स मोरी (मोरी)
2. एनथेरा एसामेंसिस (मुगा)
3. फिलोसामिया रिसिनी (एरी)

Topic- GS Paper 3 –Environment
Source- Down to Earth

5. **<u>एक्स.डी.आर. टी.बी.- एक घातक बीमारी है।</u>**

- यू.एस.-एफ.डी.ए. ने बहु-दवा प्रतिरोधी तपेदिक के सबसे घातक रूप के खिलाफ तीन दवाओं के उपचार को मंजूरी प्रदान की है।

एक्स.डी.आर. टी.बी.

- एक्स.डी.आर. टी.बी. को बड़े पैमाने पर दवा प्रतिरोधी तनाव के रूप में जाना जाता है।
- इसके उपचार के लिए प्रेटोमैनिड टैबलेट को बेडाक्विलाइन और लाइनजॉलिड के संयोजन के साथ मंजूरी प्रदान की गई है।

डब्ल्यू.एच.ओ. की रिपोर्ट

- डब्ल्यू.एच.ओ. के अनुसार, एक्स.डी.आर.-तनाव के दो-तिहाई मामले चीन, भारत और रूस में पाए गए हैं।
- डब्ल्यू.एच.ओ. के अनुसार, एक्स.डी.आर. को दो तरीकों से संकुचित किया जा सकता है।

1. यह उस रोगी में विकसित हो सकता है जिसका पहले से ही टी.बी. का इलाज किया जा रहा हो और एंटी-टी.बी. दवाओं को दुरूपयोग हो रहा हो

2. यह उस व्यक्ति से संकुचित किया जा सकता है जिसे पहले से ही यह बीमारी हो।

- वर्ष 2030 तक टी.बी. की महामारी को समाप्त करना, सतत विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) के स्वास्थ्य लक्ष्यों में से एक है।

टी.बी. प्रतिरोधी दवाओं के प्रकार

- एकल-प्रतिरोध: किसी व्यक्ति को केवल एक प्रथम स्तरीय एंटी-टी.बी. दवा का प्रतिरोध होना
- बहु-प्रतिरोध: किसी व्यक्ति को आइसोनियाजिड और रिफैमपिसिन के अतिरिक्त प्रथम स्तरीय एंटी.-टी.बी. की एक से अधिक दवाओं का प्रतिरोध होना।
- बहु दवा प्रतिरोध (एम.डी.आर.): कम से कम आइसोनियाज़िड और रिफैम्पिसिन दोनों का प्रतिरोध होना
- व्यापक दवा प्रतिरोध (एक्स.डी.आर;): किसी भी फ्लोरोक्विनोलोन का प्रतिरोध होना और बहु दवा प्रतिरोध के अतिरिक्त कम से कम तीन सेकेंड-लाइन इंजेक्टेबल दवाओं (कैप्रोमाइसिन, केनामाइसिन और एमिकासिन) में से एक का प्रतिरोध होना।
- रिफैम्पिसिन प्रतिरोध (आर.आर.): अन्य एंटी-टीबी दवाओं के प्रतिरोध के साथ या बिना प्ररूपी या जीनोटाइपिक विधियों का उपयोग करके रिफैम्पिसिन के प्रतिरोध का पता लगाया जा सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

6. **<u>जीवाश्म दर्शाते हैं कि एक समय में कच्छ का रेगिस्तान, जंगल था।</u>**

- हाल ही में, भारतीय और फ्रांसीसी शोधकर्ताओं ने कहा है कि कच्छ का गर्म शुष्क रेगिस्तान, एक समय में नम आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय जंगल था, जिसमें कई प्रकार के पक्षी, मीठे पानी की मछलियाँ और संभवतः जिराफ और गैंडे भी थे।
- उनके निष्कर्ष मिओसीन नामक भूवैज्ञानिक अवधि में लगभग 14 मिलियन वर्ष पहले के कशेरुकी जीवाश्मों की एक श्रृंखला की खोज पर आधारित हैं।
- जीवाश्म, अधिकांशत: पसलियों और दांतों के भाग और हड्डियों के हिस्सों से मिलकर बने थे, इन्हें गुजरात के कच्छ के रापर तालुक के पलासवा गांव से खोदकर निकाला गया है।

संबंधित जानकारी

मिओसीन

- यह नियोजीन काल का पहला भूवैज्ञानिक काल है और लगभग 23.03 से 5.332 मिलियन वर्ष पहले (एम.ए.) तक फैला हुआ है।
- मिओसिन का नाम सर चार्ल्स लायल ने रखा था।
- मियोसीन, ओलीगोसिन युग का अनुसरण करता है और इसके बाद पीलोसीन युग आता है।
- मियोसिन युग के दौरान वानर उत्पन्न और विविध हुए वानर, पुरानी दुनिया में व्यापक हो गए थे।

उप विभाजन

- सबसे कम आयु से सबसे अधिक आयु के मियोसीन जीव चरणों को सामान्यत: अंतर्राष्ट्रीय स्तर विज्ञान आयोग के अनुसार नाम दिया गया है:
- मेसिनियन (7.246–332 एम.ए)
- तोर्टोनियन (11.608–246 एम.ए.)
- सेरावालियन (13.65–608 एम.ए.)
- लांघियन (15.97–65 एम.ए.)
- बर्दीगालियन (20.43-15.97 एम.ए.)
- एक्विटैनियन (23.03-20.43 एम.ए.)

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>ई-वी.बी.ए.बी. नेटवर्क प्रोजेक्ट</u>**

- ई-वी.बी.ए.बी. नेटवर्क परियोजना, भारत और जाम्बिया के बीच हस्ताक्षरित 10 समझौता ज्ञापनों में से एक है।
- विदेश मंत्रालय और भारतीय दूरसंचार सलाहकार लिमिटेड (टी.सी.आई.एल.) ने 2018 में ई-विद्याभारती और ई-अरोग्य भारती (ई.-वी.बी.ए.बी.) नेटवर्क परियोजना के कार्यान्वयन हेतु एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- यह मुख्य रूप से पैन-अफ्रीकी ई-नेटवर्क परियोजना (चरण 1) का एक तकनीकी उन्नयन और विस्तार है जिसे 2009 से 2017 तक पूरे अफ्रीका में 48 भागीदार देशों में लागू किया गया था।
- यह एक पांच साल की अवधि की परियोजना है जो प्रत्येक वर्ष अफ्रीकी देशों से 4000 छात्रों को विभिन्न शैक्षणिक विषयों में मुफ्त टेली-शिक्षा पाठ्यक्रम प्रदान करेगी।
- ई.-वी.बी.ए.बी. नेटवर्क परियोजना को भारत सरकार द्वारा पूरी अवधि के लिए पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जाएगा और अफ्रीका में हमारे सभी भागीदार देशों के लिए भाग लेने हेतु यह अफ्रीका में खुला रहेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

8. **<u>अवैध वैश्विक बाघ व्यापार पर रिपोर्ट: भारत में सबसे अधिक है।</u>**

- कुल मिलाकर वर्ष 2000 से 2018 तक 32 देशों और क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर 2,359 बाघों के एक संरक्षणवादी अनुमान को दर्ज किया गया था।
- पूरे विश्व में भारत में बाघों के व्यापार की सीमा सबसे अधिक है।
- जब्ती की घटनाओं की संख्या के साथ शीर्ष तीन देशों में भारत (कुल बरामदगी का 40.5% या 463) और चीन (126 या 11.0%), इंडोनेशिया (119 या 10.5%) हैं।
- एक नई रिपोर्ट को ट्रैफिक द्वारा संकलित किया गया है, यह एक एन.जी.ओ. है जो संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रहा है और वर्तमान में विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ.) और अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ के साथ साझेदारी में है।

संबंधित जानकारी

- भारत में दुनिया की सबसे अधिक बाघ आबादी है, जुलाई, 2019 में जारी बाघ जनगणना के अनुसार 2,967 है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

9. **<u>आई.आई.टी. हैदराबाद के वैज्ञानिकों ने राख को वॉटरप्रूफिंग सामग्री में परिवर्तित कर दिया है।</u>**

- आई.आई.टी. हैदराबाद के शोधकर्ताओं ने पाया है कि बिजली संयंत्रों के अपशिष्ट उपोत्पाद, राख, जिसके पर्यावरण के प्रति खतरा पैदा कर दिया है, इसे एक वॉटरप्रूफ सामग्री में परिवर्तित किया जा सकता है।
- उन्होंने राख की स्टीयरिक अम्ल के साथ अभिक्रिया कारकर उसे वॉटरप्रूफिंग सामग्री में परिवर्तित कर दिया है, इस अम्ल का प्रयोग सामान्यत: साबुन और शैंपू में किया जाता है।

संबंधित जानकारी

स्टीयरिक अम्ल

- स्टीयरिक अम्ल, एक संतृप्त फैटी एसिड होता है जिसमें 18-कार्बन श्रृंखलाएं होती है और इसका आई.यू.पी.ए.सी. नाम ऑक्टाडेकानोइक एसिड है।
- यह एक मोमी ठोस है और इसका रासायनिक सूत्र $C_{35}H_{2}H$ है।
- स्टीयरिक अम्ल के लवण और एस्टर को स्टीयरेट्स कहा जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- डाउन टू अर्थ

23.08.2019

1. **<u>सी.आई.टी.ई.एस. सी.ओ.पी. 2019: पहली बार जिराफ को व्यापार से संरक्षण प्रदान किया है।</u>**

- हाल ही में, सी.आई.टी.ई.एस. सी.ओ.पी. (18) को जिनेवा, स्विट्जरलैंड में आयोजित किया गया था।
- 22 अगस्त, 2019 को जिनेवा में अंतर्राष्ट्रीय लुप्तप्राय प्रजाति व्यापारिक सम्मेलन या सी.आई.टी.ई.एस. में पार्टियों का सम्मेलन (सी.ओ.पी.) ने सी.आई.टी.ई.एस. के परिशिष्ट II में जिराफ को रखने हेतु एक प्रस्ताव पारित किया है।
- परिशिष्ट II में वे प्रजातियाँ शामिल हैं जिन्हें अनिवार्य रूप से विलुप्त होने का खतरा नहीं है लेकिन उनके अस्तित्व के साथ असंगत उपयोग से बचने के लिए व्यापार को नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- उन्हें 2016 के बाद से अंतर्राष्ट्रीय प्रजाति संरक्षण संघ की रेड लिस्ट में लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, इस लिस्ट में कुछ उप प्रजातियों संकटग्रस्त' या 'गंभीर रूप से संकटग्रस्त' के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- आज, वे केवल सहारा के दक्षिण में पाए जाते हैं और मानव आबादी के विस्तार और भूमि उपयोग में परिवर्तन के परिणामस्वरूप अपनी ऐतिहासिक सीमा के केवल एक हिस्से पर बसे हुए हैं।

संबंधित जानकारी

सी.आई.टी.ई.एस.

- सी.आई.टी.ई.एस. (जंगली जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर सम्मेलन, जिसे वाशिंगटन सम्मेलन के रूप में भी जाना जाता है), लुप्तप्राय पौधों और जीवों की रक्षा हेतु एक बहुपक्षीय संधि है।
- इसे 1963 में अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आई.यू.सी.एन.) के सदस्यों की बैठक में अपनाए गए संकल्प के परिणामस्वरूप तैयार किया गया था।
- इस सम्मेलन को 1973 में हस्ताक्षर के लिए खोला गया था और सी.आई.टी.ई.एस. को 1 जुलाई, 1975 को लागू किया गया था।
- प्रत्येक संरक्षित प्रजाति या जनसंख्या को तीन सूचियों में से एक में शामिल किया गया है, जिन्हें परिशिष्ट कहा जाता है।
- वर्तमान में, 183 देश सी.आई.टी.ई.एस. के हस्ताक्षरकर्ता हैं।

सी.ओ.पी.

- पार्टियों के सम्मेलन (सी.ओ.पी.) की बैठकों में परिशिष्ट में शामिल किए जाने या हटाने के लिए प्रजातियां प्रस्तावित की जाती हैं, जो प्रत्येक तीन वर्ष में लगभग एक बार आयोजित की जाती है।
- सबसे हाल ही में 17 अगस्त से 28 अगस्त तक जिनेवा, स्विट्जरलैंड में सी.ओ.पी. (सी.ओ.पी. 18) आयोजित की गई थी।

टॉपिक- जी.एस.-3- पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

2. **<u>सबका विश्वास वसीयत विवाद समाधान योजना</u>**

- सरकार ने अपने बजट भाषण के दौरान सबका विश्वास योजना, 2019 नामक एक नई योजना की घोषणा की है, इस योजना का परिचालन 1 सितंबर से किया जाएगा।
- व्यवसाय, अब सरकार द्वारा अधिसूचित शर्तों के अंतर्गत 1 सितंबर से शुरू होने वाले चार महीनों के भीतर केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर से संबंधित अपने लंबित विवादों का निपटारा कर सकते हैं।
- यह योजना विभिन्न चरणों में होने वाले विवादों को निपटाने के लिए आकर्षक शर्तें प्रदान करती है और उन लोगों के लिए माफी भी प्रदान करती

है जो पहले से अघोषित कर देयता का खुलासा करना चाहते हैं और बिना किसी दंड या अभियोजन के शामिल कर राशि का भुगतान करते हैं।

- माफी, करदाताओं को बकाया कर का भुगतान करने और कानून के अंतर्गत किसी अन्य परिणाम से मुक्त होने का अवसर प्रदान करती है।
- यह सभी प्रकार के मामलों के साथ-साथ ब्याज, जुर्माना और दंड की पूर्ण छूट के लिए कर देय राशि में पर्याप्त राहत प्रदान करती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण योजना

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **<u>ऑक्सीटोसिन प्रतिबंधित की गई है।</u>**

- सर्वोच्च न्यायालय ने प्राइवेट कंपनियों को ऑक्सीटोसिन का उत्पादन करने से रोकने की सरकारी अधिसूचना के खिलाफ चुनौती देने वाली याचिकाओं के समूह को एक बड़ी पीठ को संदर्भित किया है।
- केंद्र सरकार ने अप्रैल, 2018 को ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स अधिनियम, 1940 की धारा 26 ए के अंतर्गत घरेलू उपयोग के लिए ऑक्सीटोसिन के निर्माण को प्रतिबंधित करने के लिए भी अधिसूचना जारी की थी।

संबंधित जानकारी

ऑक्सीटोसिन

- इसे कभी-कभी "आलिंगन हार्मोन" या "लव हार्मोन" के रूप में जाना जाता है, क्यों कि यह तब निकलता है जब लो किसी का सहारा लेते हैं अथवा सामाजिक रूप से किसी से जुड़ते हैं।
- यह एक हार्मोन है, जो मस्तिष्क में हाइपोथैलेमस में बनता है और इसे पियूष ग्रंथि द्वारा पहुँचाया या स्रावित किया जाता है, जो मस्तिष्क के आधार पर स्थित होता है।
- यह हार्मोन के रूप में और एक मस्तिष्क न्यूरोट्रांसमीटर दोनो के रूप में कार्य करता है।
- पियूष ग्रंथि द्वारा ऑक्सीटोसिन निकलना दो महिला प्रजनन कार्यों- बच्चे का जनम और स्तनपान को विनियमित करने का कार्य करता है।

प्रतिबंध के पीछे कारण हैं:

- दुधारू पशुओं का कृत्रिम रूप से दूध निकालने हेतु डेयरी मालिको द्वारा इसका दुरूपयोग किया जाता है।
- ऑक्सीटोसिन का उपयोग कद्दू, तरबूज, बैंगन, लौकी और खीरे जैसी सब्जियों के आकार को बढ़ाने के लिए भी किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नैंस

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

4. **<u>डब्ल्यू.एच.ओ. ने पेयजल में माइक्रोप्लास्टिक्स की उपस्थिति पर अपनी पहली रिपोर्ट जारी की है।</u>**

- डब्ल्यू.एच.ओ. ने 22 अगस्त, 2019 को पेयजल में माइक्रोप्लास्टिक्स की उपस्थिति पर अपनी पहली रिपोर्ट जारी की है।
- डब्ल्यू.एच.ओ. ने कहा कि पेयजल में माइक्रोप्लास्टिक्स पाई गई थी लेकिन खतरनाक स्तर पर नहीं थी।
- संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य संस्था ने हालांकि कहा है कि इस विषय पर "पर्याप्त शोध" और "विश्वसनीय और निर्णायक डेटा" का अभाव था।
- यह डब्ल्यू.एच.ओ. मूल्यांकन पेयजल के उपभोक्ताओं को आश्वस्त करता है कि माइक्रोप्लास्टिक (इसमें) का जोखिम कम है।
- पेयजल में माइक्रोप्लास्टिक्स की उपस्थिति पर मौजूदा शोध अध्ययनों में महत्वपूर्ण अंतराल मौजूद हैं।
- डब्ल्यू.एच.ओ. के अनुसार, माइक्रोप्लास्टिक आसानी से मानव शरीर में रह सकती है लेकिन

यह जरूरी नहीं कि यह स्वास्थ्य संबंधी समस्या में परिवर्तित हो।

संबंधित जानकारी

- माइक्रोप्लास्टिक्स की सटीक परिभाषा पर कोई सहमति नहीं है।
- एक व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली परिभाषा माइक्रोप्लास्टिक को 5 मि.मी. से कम लंबाई के प्लास्टिक के कणों के रूप में परिभाषित करती है।
- हालांकि, यह एक एकपक्षीय परिभाषा है और पेयजल के संदर्भ में सीमित मूल्य रखती है।

टॉपिक- जी.एस.-3- पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

5. **<u>किरन रिजिजू 'फिट इंडिया मूवमेंट' के लिए समिति के प्रमुख होंगे।</u>**

- खेल मंत्री किरन रिजिजू की अध्यक्षता में 28 सदस्यीय समिति का गठन सरकार को "फिट इंडिया मूवमेंट" पर सलाह देने के लिए किया गया है।
- यह समिति सार्वजनिक प्राधिकरणों, भारतीय ओलंपिक संघ (आई.ओ.ए.), राष्ट्रीय खेल संघ के सदस्यों, निजी निकायों और फिटनेस प्रमोटरों से मिलकर बनी है।
- फिट इंडिया मूवमेंट का उद्देश्य लोगों को अपने दैनिक जीवन में शारीरिक गतिविधि और खेल को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करना है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 अगस्त, 2019 को “फिट इंडिया मूवमेंट” की शुरुआत करेंगे।

टॉपिक- पी.सी.एस. परीक्षा

स्रोत- ए.आई.आर.

6. **<u>संस्कृति मंत्री ने 'द डायरी ऑफ मनु गांधी' पुस्तक लॉन्च की है।</u>**

- संस्कृति मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने नई दिल्ली में एक समारोह में "द डायरी ऑफ मनु गांधी" पुस्तक लॉन्च की है।
- यह पुस्तक भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार द्वारा ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस के सहयोग से महात्मा गांधी की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर लांच की गई है।
- द डॉयरी ऑफ मनु गांधी (महात्मा गांधी की दादी) मूल रूप से गुजराती में हैं, जिसे गांधीवादी बौद्धिक परंपरा को समझने वाले विद्वान डॉ. त्रिदीप सुहरुद ने संपादित और अनुवादित किया है।

टॉपिक- पी.सी.एस. परीक्षा

स्रोत- ए.आई.आर.

7. **<u>बचपन में नाइट्रेट के संपर्क में रहने से भारतीय महिलाओं की लंबाई प्रभावित होती है।</u>**

- विश्व बैंक की एक नई रिपोर्ट जो दुनिया भर में जल प्रदूषण के प्रभाव का अध्ययन करती है, इसका एक पहलू यह है कि बचपन के दौरान नाइट्रेट के संपर्क में रहने के दीर्घकालिक प्रभाव हैं।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- राज्य के 19 जिलों में, भारत में भूजल जलवाहकों में नाइट्रेट का स्तर अनुमेय स्तर 50% से अधिक है।
- जब कि कम समय तक नाइट्रेट के संपर्क रहने का वयस्क की लंबाई पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है, जीवन के प्रारंभिक 3 वर्षों तक नाइट्रेट के संचयी संपर्क में रहने के काफी प्रभाव हैं।
- एक बच्ची जो अपने जीवन के प्रारंभिक तीन वर्षों तक नाइट्रेट के अनुमेय सुरक्षा सीमा से अधिक स्तर के संपर्क में रहती है तो वयस्क आयु में वह अपनी लंबाई में 1-2 से.मी. की कमी का अनुभव करती है।

- यह देखते हुए कि भारत में महिला वयस्क ऊंचाई में पिछली सदी में लगभग 4 से.मी. की वृद्धि हुई है, 1-2 से.मी. की कमी का मतलब है कि बचपन में नाइट्रेट के संपर्क में रहने पर बढ़ी हुई लंबाई की आधी लंबाई का नुकसान हो सकता है।

संबंधित जानकारी

नाइट्रेट प्रदूषण

- नाइट्रेट प्रदूषण, नाइट्रोजन उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग के कारण होता है, जो पैदावार को बढ़ाते हैं, यदि उन्हें पानी या हवा में डाला जाता हैं तो हानिकारक हो सकते हैं।
- एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 1960 के दशक की हरित क्रांति ने कृत्रिम उर्वरकों का उपयोग शुरू कर दिया था।

मेथेमोग्लोबिनेमिया

- यह नाइट्रेट की अधिक मात्रा के कारण होता है।
- मेथेमोग्लोबिनमिया में, रक्त मेथेमोग्लोबिन के उच्च स्तर को दर्शाता है।
- मेथेमोग्लोबिन, हीमोग्लोबिन का एक रूप है जिसमें आयरन का फेरिक [Fe^{3+}] रूप उपस्थित होता है।
- फेरिक आयरन की ऑक्सीजन के प्रति बंधुता क्षीण होती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- डाउन टू अर्थ

8. **<u>सरकार ने महासागरीय ऊर्जा को अक्षय ऊर्जा के रूप में घोषित करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने महासागरीय ऊर्जा को अक्षय ऊर्जा के रूप में घोषित करने के एक प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।
- नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने सभी हितधारकों को स्पष्ट किया है कि महासागरीय ऊर्जा के विभिन्न रूपों जैसे ज्वार, लहर, अन्य के मध्य महासागरीय ऊष्मीय ऊर्जा रूपांतरण उपयोग करके उत्पादित ऊर्जा को अक्षय ऊर्जा माना जाएगा।
- वे भी गैर-सौर अक्षय क्रय दायित्वों (आर.पी.ओ.) को पूरा करने के लिए भी पात्र होंगे।

संबंधित जानकारी

- नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, ज्वारीय ऊर्जा की कुल मान्यता प्राप्त क्षमता लगभग 12,455 मेगावाट है, जिसमें खंबात और कच्छ क्षेत्रों के मान्यता प्राप्त संभावित क्षेत्र और बड़े बांध शामिल हैं, जहां बैराज तकनीक का इस्तेमाल किया जा सकता है।
- देश के तट के किनारे भारत में लहर ऊर्जा की कुल सैद्धांतिक क्षमता लगभग 40,000 मेगावाट होने का अनुमान है- ये प्रारंभिक अनुमान है।
- महासागरीय ऊष्मीय ऊर्जा रूपांतरण (ओ.टी.ई.सी.) में भारत में उपयुक्त तकनीकी विकास के अधीन 180,000 मेगावाट की सैद्धांतिक क्षमता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- ए.आई.आर.

9. **<u>राजस्थान की मुफ्त दवा योजना को प्रथम स्थान प्रदान किया गया है।</u>**

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने अपनी प्रमुख मुफ्त दवा योजना के कार्यान्वयन में 16 राज्यों में से राजस्थान को प्रथम स्थान प्रदान किया है।
- राज्यों के प्रदर्शन का मूल्यांकन दवाओं का स्टॉक, एक्सपायर होने वाली दवाओं का मूल्य और दवाओं का अनुपालन और टीका वितरण प्रबंधन प्रणाली जैसे मापदंडों के आधार पर किया गया था।

संबंधित जानकारी

- वर्ष 2011-12 में, राजस्थान सरकार ने सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में जाने वाले रोगियों को

सामान्य रूप से उपयोग की जाने वाली आवश्यक दवाइयां मुफ्त में देने की योजना की घोषणा की थी।

- इस योजना में दो घटक: मुफ्त दवा और मुफ्त परीक्षण शामिल हैं।
- योजना को लागू करने के लिए, राजस्थान चिकित्सा सेवा निगम लिमिटेड (आर.एम.एस.सी.एल.) को वर्ष 2011 में सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी के रूप में शामिल किया गया था।

भारत में अन्य समान प्रकार की पहलें

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

- वर्ष 2018 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एन.एच.एम.) की घोषणा की है, जिसमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन निशुल्क दवा एवं नैदानिक सेवाओं जैसी पहलों पर गहनता से "विशेष ध्यान" दिया जाएगा।

जन औषधि केंद्र

- केंद्र सरकार ने बाजार में उपलब्ध ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 50-90 प्रतिशत तक सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने के लिए जन औषधि योजना के अंतर्गत चिकित्सा औषधालय स्थापित किए हैं।
- इस योजना का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा को सस्ता बनाना और ईजी ऑफ लिविंग को प्रोत्साहित करना है।

आयुष्मान भारत योजना या राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा योजना

- यह भारत में एम.ओ.एच.एफ.डब्ल्यू. के आयुष्मान भारत मिशन के अंतर्गत वर्ष 2018 में शुरू की गई एक केंद्रीय प्रायोजित योजना है।
- इस योजना का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देने के लिए प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक देखभाल प्रणालियों में हस्तक्षेप करना, निवारक और प्रचारक स्वास्थ्य दोनों को शामिल करना है।
- यह दो प्रमुख स्वास्थ्य पहलों अर्थात् स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों और राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (एन.एच.पी.एस.) की एक छत्रीय योजना है

तमिलनाडु मॉडल

- तमिलनाडु ने 1995 में सरकारी अस्पतालों में दवा खरीद, गुणवत्ता जांच और आपूर्ति और वितरण की एक अत्यधिक प्रभावी प्रणाली हेतु एक निशुल्क दवा मॉडल पेश किया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

26.08.2019

1. **<u>अमेज़न जंगल की आग</u>**

- अमेज़ॅन वर्षावन में अग्नि की विध्वंसता विश्व को सचेत कर रही है।
- इसके प्रभाव अत्यंत गहन हैं क्यों कि वर्षावन, वायुमंडल में 20% ऑक्सीजन का योगदान देते हैं, प्रति हेक्टेयर 450 टन से अधिक कार्बन संग्रहीत करते हैं और वैश्विक जल चक्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- वर्ष 2018 में समान अवधि की तुलना में आग की संख्या में 84 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इनमें से अधिकांश आग अमेज़न क्षेत्र में लगी हैं।
- इस क्षेत्र में, 2010 के बाद से संगत आठ महीने के औसत की तुलना में इस वर्ष आग की संख्या 35% अधिक है।
- इनमें से अधिकांश आग कृषि भूमि पर लगी हैं जहां वर्षावन पहले ही समाप्त हो चुके थे।
- सबसे अधिक प्रभावित देश ब्राजील है।

संबंधित जानकारी

अमेज़न वर्षावन

- यह अमेज़ॅन बायोम में नम चौड़ी पत्ती वाले उष्णकटिबंधीय वर्षावन है जो दक्षिण अमेरिका की अधिकांश अमेज़ॅन घाटी को कवर करता है।
- इस क्षेत्र में नौ राष्ट्रों से संबंधित क्षेत्र शामिल हैं।
- इन जंगलों का अधिकांश हिस्सा ब्राजील में हैं, ब्राजील में 60% वर्षावन हैं, इसके बाद पेरू में 13 प्रतिशत, कोलंबिया में 10 प्रतिशत हैं और वेनेज़ुएला, इक्वाडोर, बोलीविया, गुयाना, सूरीनेम और फ्रेंच गुयाना में थोड़ी मात्रा में है।
- अमेज़ॅन, ग्रह के शेष वर्षावनों के आधे से अधिक भाग का प्रतिनिधित्व करता है और यह दुनिया के उष्णकटिबंधीय वर्षावनों के सबसे बड़ा और सबसे जैव विविधता वाले मार्ग से मिलकर बना है।

टॉपिक- जी.एस.-3- पर्यावरण

स्रोत- बी.बी.सी.

2. **<u>"सन-साधन" हैकथॉन</u>**

- इसे अटल नवाचार मिशन, नीति आयोग के सहयोग से जल शक्ति मंत्रालय और विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है।
- यह शौचालयों को होशियार, अधिक सुलभ और उपयोग में आसान बनाकर विकलांग व्यक्तियों (दिव्यांगजन) के जीवन को आसान बनाने की एक पहल है।
- इस हैकथॉन में, सरकार ग्रामीण और शहरी संदर्भों में व्यक्तिगत और सामुदायिक उपयोग के लिए किफायती शौचालयों हेतु स्मार्ट, मापनीय और अभिनव समाधान तलाश कर रही है।

संबंधित जानकारी

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय

- पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (एस.बी.एम.-जी.) का प्रबंधन करता है और समग्र एस.बी.एम. हेतु समन्वयक विभाग है।
- एस.बी.एम. के लॉन्च के बाद से भारत का ग्रामीण स्वच्छता क्षेत्र वर्ष 2014 में 39% से बढ़कर अगस्त, 2019 तक 99% हो गया है और वर्ष 2019 तक खुले में शौच मुक्त भारत के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु मिशन निरंतर रूप से कार्यान्वित है।
- यह ग्रामीण पेयजल आपूर्ति का प्रबंधन भी करता है और जल जीवन मिशन हेतु उत्तरदायी है, जिसका लक्ष्य सभी ग्रामीण घरों में पाइप द्वारा जलापूर्ति प्रदान करना है।

अटल नवाचार मिशन (ए.आई.एम.)

- यह देश में नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु सरकार की एक प्रमुख पहल है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **<u>फेडॉर: रूस का पहला मानव सृदश रोबोट अंतरिक्ष भेजा गया है।</u>**

- रूस ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर अंतरिक्ष यात्रियों की सहायता करने हेतु एक मानव-आकार का मानव सृदश रोबोट ले जाने वाला मानव रहित रॉकेट लॉन्च किया है।

रोबोट के संदर्भ में जानकारी

- रोबोट का संक्षिप्त नाम फेडॉर है, इसका पूरा नाम- फ़ाइनल एक्सपेरिमेंटल डिमॉन्स्ट्रेशन ऑब्जेक्ट रिसर्च है, इसे स्काईबॉट एफ. 850 के नाम से भी जाना जाता है, यह रूस द्वारा पहली बार अंतरिक्ष में भेजा गया रोबोट है।
- एक नई आपातकालीन बचाव प्रणाली का परीक्षण करने के लिए, रोबोट सोयूज रॉकेट का एकमात्र यात्री था।
- फेडॉर, मानव के समान गतिविधियों का अनुसरण करता है, यह एक प्रमुख गुण है जो इसे अंतरिक्ष यात्रियों की दूर से ही मदद करने

की स्वीकृति प्रदान करता है या पृथ्वी पर भी लोगों के कार्यों को पूरा करने में मदद करने की अनुमति देता है जब मनुष्य एक बाह्य कंकाल में बंधे होते हैं।

- ऐसे रोबोट अंततः स्पेसवॉक जैसे खतरनाक कार्यों को अंजाम देंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- लाइवमिंट

4. **<u>रूस ने आर्कटिक में एक तैरता हुआ परमाणु रिएक्टर लॉन्च किया है।</u>**

- "बर्फ पर चेरनोबिल" की पर्यावरणविदों की चेतावनी के बावजूद रूस ने आर्कटिक क्षेत्र में विश्व का पहला तैरता हुआ परमाणु रिएक्टर लांच किया है जिसका नाम अकादमिक लोमोनोसोव है।

अकादमिक लोमोनोसोव

- यह पहले रूसी तैरने वाले परमाणु ऊर्जा स्टेशन के रूप में संचालित होने वाली एक गैर-स्व-प्रणोदित ऊर्जा नाव है।
- यह रिएक्टर विश्व का सबसे उत्तरी परमाणु संयंत्र होगा।
- तैरने वाले परमाणु ऊर्जा संयत्र मूल रूप से गतिशील, कम क्षमता वाली रिएक्टर इकाई है जो प्रमुख ऊर्जा वितरण प्रणाली से अलग या दूरदराज के इलाकों में जमीन पर पहुँच में मुश्किल क्षेत्रों से संचालित होती है।
- उन्हें दूरस्थ क्षेत्रों में निर्बाध बिजली और बहुतायत से अलवणीकृत जल आपूर्ति दोनों को विनियमित करने हेतु डिज़ाइन किया गया है।
- यह आर्कटिक क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों के निष्कर्षण को भी शक्ति प्रदान करेगा।

चेरनोबिल घटना

- इस दुर्घटना को 1986 के परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पिघलने के रूप में संदर्भित किया जाता है, जिसने वायुमंडल में बड़े स्तर पर विकिरण जारी किए थे, जिससे हजारों लोग अपने घरों से भाग गए और स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संबंधी नतीजों की दीर्घकालिक जोखिमों को जन्म दिया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **<u>गुरुत्वीय लेंसिंग</u>**

- नासा के जेम्स वेब अंतरिक्ष दूरदर्शी को टाइम मशीन की तरह इस्तेमाल करते हुए शोधकर्ताओं ने यह जांचने की योजना बनाई है कि नए सितारे कैसे पैदा होते हैं, जब इसे 2021 में लांच किया जाएगा।
- इसके लिए वे "गुरुत्वाकर्षण लेंसिंग" नामक एक प्राकृतिक घटना की मदद लेंगे।
- गुरुत्वाकर्षण लेंसिंग, एक प्राकृतिक घटना है जो आकाशगंगाओं के चारों ओर प्रकाश को बढ़ाती है जो नासा की योजना है कि इसका उपयोग यह अध्ययन करने के लिए किया जाए कि सूर्य का निर्माण कैसे हुआ।
- यह घटना तब होती है जब पदार्थ की अधिक मात्रा जैसे एक विशाल आकाशगंगा या आकाशगंगाओं का समूह एक गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र का निर्माण करते हैं जो इसके पीछे स्रोत से आने वाले प्रकाश को घटाता या बढ़ाता है।
- ये बड़े खगोलीय पिंड, दूर की आकाशगंगाओं से आने वाले प्रकाश का आवर्धन करेंगे जो तारे के निर्माण के चरम पर या उसके निकट हैं।
- यह प्रभाव शोधकर्ताओं को बहुत दूर स्थित प्रारंभिक आकाशगंगाओं की विस्तृत जानकारी का अध्ययन करने की अनुमति प्रदान करता है, इन आकाशगंगाओं को अंतरिक्ष दूरदर्शी के माध्यम से देखा जा सकता है।
- लक्षित अत्यंत आवर्धित पैनक्रोमैटिक लेंस्ड आर्क और उनके प्रसारित तारा निर्माण या टेम्प्लेट्स नासा नामक कार्यक्रम के अंतर्गत हमारा सूर्य

कैसे बना, इसे समझने के लिए अतीत में अरबों वर्षों का अध्ययन करने की योजना बना रहा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>सी.वी.सी. ने बैंक धोखाधड़ी की जांच करने हेतु एक पैनल का गठन किया है।</u>**

- सी.वी.सी. ने 50 करोड़ रूपए से अधिक की बैंकिंग धोखाधड़ी की जांच करने और कार्रवाही की सिफारिश करने हेतु बैंकिंग धोखाधड़ी सलाहकार बोर्ड (ए.बी.बी.एफ.) का गठन किया है।
- इस पैनल को इसके पिछले संस्करण में बैंक, वाणिज्यिक और वित्तीय धोखाधड़ी सलाहकार बोर्ड कहा जाता था।
- पूर्व सतर्कता आयुक्त टी. एम. भसीन की अध्यक्षता में ए.बी.बी.एफ. का गठन आर.बी.आई. के परामर्श से किया गया है।
- यह संबंधित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा जांच एजेंसियों को सिफारिशें या संदर्भ दिए जाने से पहले सभी बड़े धोखाधड़ी के मामलों की जांच के पहले स्तर के रूप में कार्य करेगा।
- चार सदस्यीय बोर्ड का क्षेत्राधिकार उन मामलों तक ही सीमित रहेगा, जिनमें उधार लेने वाले खाते में धोखाधड़ी के मामलों के सापेक्ष सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में महाप्रबंधक स्तर के अधिकारी और ऊपर के अधिकारी शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –भारतीय अर्थव्यवस्था

स्रोत- ए.आई.आर.

7. **<u>बुनियादी ढांचो के वित्तपोषण हेतु विकास वित्तीय संस्थान</u>**

- सरकार ने बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण हेतु एक विकास वित्तीय संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है।
- इससे देश की बुनियादी ढांचा वित्तपोषण आवश्यक्ताओं के हल होने की उम्मीद है क्यों कि बैंकों के पास ऐसी परियोजनाओं के वित्तपोषण हेतु दीर्घकालिक धन नहीं है और यह देश की आर्थिक वृद्धि को पुनर्जीवित करने में भी मदद करता है।

संबंधित जानकारी

विकास वित्तीय संस्थान (डी.एफ.आई.)

- पहला विकास वित्तीय संस्थान, भारतीय औद्योगिक वित्तीय निगम (आई.एफ.सी.) था, जिसे 1948 में स्थापित किया गया था।
- वे विशेष रूप से विकासशील देशों में विकास परियोजना के वित्त पोषण हेतु प्राथमिक रूप से स्थापित विशेषज्ञ संस्थान हैं।
- यह उद्योग, कृषि, आवास, बुनियादी ढांचे, निर्यात, वित्त जैसे विभिन्न क्षेत्रों में क्षेत्र-विशिष्ट ऋण प्रदान करने में मदद करते हैं।
- आई.डी.बी.आई., नाबार्ड, एक्जिम बैंक, सिडबी, एन.एच.बी. अन्य प्रमुख डी.एफ.आई. हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- पी.आई.बी.

8. **<u>पानी पर चल सकने वाले कीटों की 7 नई प्रजातियां खोजी गई हैं।</u>**

- भारतीय प्राणि सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों ने पानी पर चल सकने वाले कीटों की सात प्रजातियों की खोज की है, अर्द्ध-जलीय कीटों, जो कि पानी की सतह पर चल अथवा दौड़ सकते हैं।
- नई वर्णित प्रजातियां, मेसोवेलिया वर्ग से संबंधित हैं, जिनका आकार 1.5 मि.मी. से 4.5 मि.मी. तक होता है और वे अपने पैरों पर हाइड्रोफोबिक बालों (रोए) से सुसज्जित होते हैं।
- हाइड्रोफोबिक बालों और पानी की सतह के तनाव का संयोजन, उन्हें डूबने से बचाता है।
- नई खोजों में से मेसोवलियांदमाना, अंडमान द्वीप समूह से है, एम. बिस्पिनोसा और एम. इसियासी मेघालय से हैं, एम. ओकुल्ता और एम. तेनुया तमिलनाडु से हैं और एम. ब्रेविया और

एम. डिलाटाला मेघालय और तमिलनाडु दोनो स्थानों पर रहते हैं।

- ये कीड़े, लार्वा चरण के बिना हेमीमेटाबोलस कीट अर्थात वे अंडे से निम्फ से वयस्क तक जाते हैं।
- वे ताजे पानी के जल निकायों जैसे तालाब, झील, पूल, धाराएँ, काई के साथ चट्टानें और कभी-कभी मुहानों पर पाए जाते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

9. **<u>मच्छर से लड़ने वाली मच्छर तकनीक: डेंगू नियंत्रण हेतु</u>**

- बांग्लादेश ने 'मच्छर से लड़ने वाली मच्छर तकनीक' पर विचार किया है, जिसे डेंगू नियंत्रण हेतु बाँझ कीट तकनीक भी कहा जाता है।
- इस तकनीक की व्यवहार्यता पर चर्चा करने हेतु डब्ल्यू.एच.ओ.-एफ.ए.ओ. और आई.ए.ई.ए. के विशेषज्ञों की एक टीम ढाका पहुंची है।

संबंधित जानकारी

बाँझ कीट तकनीक

- बाँझ कीट तकनीक (एस.आई.टी.) में विकिरण विसंक्रामित नर मच्छरों को डेंगू वाले क्षेत्रों में छोड़ा जाता है, जो डेंगू फैलाने वाले मादा एडीज एजिप्टी मच्छर को बांझ बना देते हैं।
- यह मच्छरों को नियंत्रित करने की एक पर्यावरण अनुकूल विधि है क्यों कि कोई कीटनाशक का उपयोग नहीं किया जाता है।
- इस तकनीक का चीन के ग्वांगझू में दो स्थानों पर सफल परीक्षण किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- ए.आई.आर.

10. **<u>समग्र जल प्रबंधन सूचकांक 2.0 में गुजरात पहले स्थान पर है।</u>**

- जल शक्ति मंत्रालय के प्रयासों को पूरा करने हेतु नीति आयोग ने सी.डब्ल्यू.एम.आई. 2.0 के दूसरे दौर को तैयार किया है।
- नीति आयोग ने पहली बार वर्ष 2018 में समग्र जल प्रबंधन सूचकांक की शुरुआत की और इसकी अवधारणा दी थी।
- जल संसाधनों के कुशल प्रबंधन में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने और सुधार करने हेतु एक महत्वपूर्ण उपकरण है।
- यह इस प्रकार के पहले जल डाटा संग्रहण अभ्यास के माध्यम से निम्न के साथ साझेदारी से किया गया है:
- जल शक्ति मंत्रालय
- ग्रामीण विकास मंत्रालय
- सभी राज्य/ केंद्र शासित प्रदेश
- सी.डब्ल्यू.एम.आई. 2.0, आधार वर्ष 2016-17 के खिलाफ संदर्भ वर्ष 2017-18 के लिए विभिन्न राज्यों को स्थान प्रदान करता है।
- यह सूचकांक 28 विभिन्न संकेतकों के साथ 9 विषयों से मिलकर बना हैं।

<u>सूचकांक की मुख्य विशेषताएं</u>

- गुजरात, संदर्भ वर्ष (2017-18) में सबसे अधिक प्रदर्शन करने वाला राज्य है, इसके बाद आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, गोवा, कर्नाटक और तमिलनाडु हैं।
- उत्तर-पूर्वी और हिमालयी राज्यों में, हिमाचल प्रदेश को वर्ष 2017-18 में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है इसके बाद उत्तराखंड, त्रिपुरा और असम का स्थान है।
- केंद्र शासित प्रदेशों ने पहली बार अपना डेटा जमा किया है और पुदुचेरी को शीर्ष स्थान के रूप में घोषित किया गया है।
- सूचकांक में वृद्धिशील परिवर्तन (2016-17 के स्तर पर) के संदर्भ में, हरियाणा ने सामान्य राज्यों में प्रथम स्थान हासिल किया है।
- उत्तर पूर्वी और हिमालयी राज्यों में उत्तराखंड प्रथम स्थान पर है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वपूर्ण सूचकांक
स्रोत- पी.आई.बी.

27.08.2019

1. **<u>जी7 ने अमेज़न की आग से लड़ने हेतु सहमति व्यक्त की हैं।</u>**

- जी7 देशों ने अमेज़ॅन पर € 20 मिलियन खर्च करने पर सहमति व्यक्त की है, इस धनराशि को मुख्य रूप से विश्व के सबसे बड़े वर्षावन के कई हिस्सों में भीषड़ आग की लपटों का मुकाबला करने हेतु अग्निरोधी विमानों को भेजेने हेतु व्यय किया जा रहा है।

संबंधित जानकारी
जी7 शिखर सम्मेलन

- हाल ही में, जी7 शिखर सम्मेलन बियारिट्ज, फ्रांस में आयोजित किया गया था।
- हालांकि भारत, जी-7 समूह का सदस्य नहीं है, भारतीय प्रधानमंत्री को फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन द्वारा व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया गया है।
- वर्ष 1975 में वैश्विक अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और ऊर्जा सहित मुद्दों की व्यापक श्रेणी पर विचारों पर चर्चा और विनिमय करने हेतु राजनीतिक नेताओं की एक वार्षिक सभा के रूप में जी7 का निर्माण किया गया था।
- ग्रुप ऑफ 7 (जी7) में कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं।
- जी7 के अंतर्गत यूरोपीय संघ का भी प्रतिनिधित्व किया जाता है।
- रूस भी इस समूह का एक हिस्सा था और इसे जी-8 के रूप में जाना जाता था।
- हालांकि, यूक्रेन से क्रीमिया को हटाने के बाद रूस को समूह से हटा दिया गया था, जिसे यूक्रेन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन के रूप में देखा गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन
स्रोत- पी.आई.बी.

2. **<u>संयुक्त राष्ट्र मरूस्थलीकरण निपटान सम्मेलन</u>**

- भारतीय प्रधानमंत्री सितंबर, 2019 में संयुक्त राष्ट्र मरूस्थलीकरण निपटान सम्मेलन (यू.एन.सी.सी.डी.) के पार्टियों के सम्मेलन (सी.ओ.पी.-14) के 14वें सत्र को संबोधित करेंगे।
- भारत पहली बार ग्रेटर नोएडा में संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण निपटान सम्मेलन सी.ओ.पी. की मेजबानी करेगा।

संबंधित जानकारी
संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण निपटान सम्मेलन (यू.एन.सी.सी.डी.)

- यह कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतर्राष्ट्रीय समझौता है जो पर्यावरण और विकास को स्थायी भूमि प्रबंधन से जोड़ता है, इसे जून, 1994 में पेरिस में अपनाया गया था।
- भारत, 1994 में इस सम्मेलन का हस्ताक्षरकर्ता बना था और 1996 में इसकी पुष्टि की थी।
- यू.एन.सी.सी.डी. भूमि और मिट्टी की उत्पादकता को बनाए रखने और बहाल करने और सूखे के प्रभावों को कम करने की दिशा में काम करना चाहता है।
- सी.ओ.पी., सम्मेलन का सर्वोच्च निर्णायक निकाय है।
- सभी राज्य जो कि सम्मेलन में पार्टियां हैं, वे सी.ओ.पी. में प्रतिनिधित्व करते हैं, जहां पर वे सम्मेलन के कार्यान्वयन की समीक्षा करते हैं।

भूमि-ह्रास पर भारत का परिदृश्य

- इसरो द्वारा दी गई वर्ष 2016 की रिपोर्ट के अनुसार पाया गया है कि भारत की लगभग

29% भूमि (वर्ष 2011-13 में) का ह्रास हो गया था।

- हाल ही में, पर्यावरण मंत्रालय ने अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की मदद से भारत में वन परिदृश्य बहाली और बॉन चैलेंज पर क्षमता बढ़ाने हेतु एक प्रमुख परियोजना शुरू की है।
- हरियाणा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, नागालैंड और कर्नाटक राज्यों में 3.5 वर्षों का एक परीक्षण चरण लागू किया जाएगा।
- इसका लक्ष्य सर्वोत्तम प्रथाओं को विकसित करना और अपनाना और भारतीय राज्यों के लिए प्रोटोकॉल की निगरानी करना और वन परिदृश्य बहाली और बॉन चैलेंज पर पांच परीक्षण राज्यों में क्षमता का निर्माण करना है।

बॉन चैलेंज

- यह विश्व में वनों की कटाई और खराब हो चुकी 150 मिलियन हेक्टेयर भूमि को वर्ष 2020 तक बहाल करने और वर्ष 2030 तक 350 मिलियन हेक्टेयर भूमि को बहाल करने के एक वैश्विक प्रयास के साथ वर्ष 2011 में स्थापित किया गया था।
- बाद में इसे 2014 के संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन में वनों पर न्यूयॉर्क घोषणा द्वारा समर्थित और विस्तारित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. **<u>नाइजीरिया ने सबसे पहले बी.टी. लोबिया को मंज़ूरी प्रदान की है।</u>**

- नाइजीरिया आनुवंशिक रूप से संशोधित (जी.एम.) बी.टी. लोबिया की खुली खेती को मंज़ूरी प्रदान करने वाला पहला देश बन गया है।

संबंधित जानकारी

लोबिया

- लोबिया (विग्ना अनगुइकलाटा), विग्ना वंश की की एक वार्षिक जड़ी बूटी है।
- रेतीली मिट्टी और कम वर्षा के लिए इसकी सहिष्णुता के कारण, यह अफ्रीका और एशिया भर के अर्ध-क्षेत्रों में एक महत्वपूर्ण फसल है।
- इसमें बहुत कम इनपुट की आवश्यकता होती है क्योंकि पौधे की जड़ की गांठ वायुमंडलीय नाइट्रोजन को नियत करने में सक्षम हैं, जो इसे संसाधित-गरीब किसानों के लिए एक मूल्यवान फसल बनाता है और अन्य फसलों के साथ अच्छी तरह से सहरोपण करने हेतु अनुकूल है।

नाइजीरिया में बी.टी. लोबिया

- यह एक कीट-रोधी है और यह विशेष रूप से बच्चों में कुपोषण की दर से निपटने में मदद कर सकता हैं।
- स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव की आशंकाओं के कारण नाइजीरिया में बी.टी. लोबिया को वर्षों तक विरोध का सामना करना पड़ा है।
- इसमें सी.आर.वाई.1ए.बी. ट्रांसजीन होता है।
- कार्यकर्ताओं ने दावा किया है कि बी.टी. लोबिया में मौजूद ट्रांसजीन सी.आर.वाई.1ए.बी. मानव की यकृत कोशिकाओं के लिए विषाक्त हो सकता है और प्रयोगशाला जानवरों की प्रतिरक्षा प्रणाली को भी बदल सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- डाउन टू अर्थ

4. **<u>बहरीन में श्री कृष्ण मंदिर</u>**

- प्रधानमंत्री ने बहरीन की राजधानी मनामा में 200 वर्षीय श्री कृष्ण मंदिर की $ 2 मिलियन की पुनर्विकास परियोजना का शुभारंभ किया है।

संबंधित जानकारी

श्री कृष्ण मंदिर

- यह अनुमान लगाया गया है कि इसे 1817 के आसपास स्थापित किया गया था और इसे थाथाई भाटिया हिंदू समुदाय द्वारा बनाया गया था।
- इसे खाड़ी देशों में सबसे पुराने मंदिरों में से एक माना जाता है।

- इसमें हिंदू शादियों की मेजबानी हेतु एक विशेष सुविधा भी होगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1- कला और संस्कृति

स्रोत- ए.आई.आर.

5. **<u>आर.बी.आई. ने लाभांश के रूप में 1.76 लाख करोड़ रुपये और सरकार को अधिशेष रिजर्व हस्तांतरित करने का निर्णय लिया है।</u>**

- आर.बी.आई. ने लाभांश और अधिशेष रिजर्व के रूप में सरकार को 1.76 लाख करोड़ रुपये हस्तांतरित करने का निर्णय लिया है।
- आर.बी.आई. ने बताया है कि इस राशि में वर्ष 2018-19 के लिए अधिशेष के 1,23,000 करोड़ रुपये शामिल हैं और संशोधित आर्थिक पूंजी ढांचे के अनुसार अतिरिक्त प्रावधानों के 52,637 करोड़ रुपये पहचाने गए हैं।
- आर.बी.आई. के केंद्रीय बोर्ड ने सरकार को अतिरिक्त भंडार के हस्तांतरण पर आर.बी.आई. के पूर्व गवर्नर बिमल जालान की अध्यक्षता वाले एक उच्च-स्तरीय पैनल की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है।
- इसमें कहा गया है कि केंद्रीय बोर्ड ने जोखिम प्रावधान और अधिशेष हस्तांतरण को निर्धारित करने के लिए जालान समिति द्वारा सुझाए गए संशोधित ढांचे का उपयोग करते हुए 2018-19 के लिए आर.बी.आई. के खातों को अंतिम रूप दिया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 -भारतीय अर्थव्यवस्था

स्रोत- ए.आई.आर.

6. **<u>एम.सी.आर.बी.सी.: आई.आई.एस.ई.आर. टीम की खोज, दवा प्रतिरोधी संक्रमणों से लड़ने में मदद कर सकती है।</u>**

- भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आई.आई.एस.ई.आर.) के वैज्ञानिकों की एक टीम एम.सी.आर.बी.सी की परमाणु संरचना का निर्धारण करने में सक्षम है।
- एम.सी.आर.बी.सी, एक जटिल जीवाणु प्रोटीन है जो एक जीवाणु कोशिका में विषाणु संक्रमण और आणविक कैंची जैसे कार्यों को रोकने में मदद करता है।
- यह इलेक्ट्रॉन क्रायोमाइक्रोस्कोपी का उपयोग करके निर्धारित भारत से उच्च-रिज़ॉल्यूशन संरचना की पहली रिपोर्ट है, जिसे सामान्यत: क्रायो-ई.एम. के रूप में जाना जाता है।
- एम.सी.आर.बी.सी. जैसे आणविक कैंची, जीवाणु कोशिका के वायरल संक्रमण को रोकते हैं, ऐसे अवरोधकों' के डिजाइन को उनकी 3डी संरचनाओं द्वारा सुविधाजनक बनाया जाएगा।
- यह 'फेज थेरेपी' में मदद करता है और भविष्य में दवा प्रतिरोधी संक्रमण से निपटने में मदद कर सकता है।

नोट:

- फेज, विषाणुओं के समूह हैं जो जीवाणु कोशिकाओं को संक्रमित और नष्ट करते हैं और जीवाणु संक्रमण का उपचार करने हेतु फेज थेरेपी, बैक्टीरियोफेज का चिकित्सकीय उपयोग है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>आईनेत्र: नेत्र जांच को किफायती बनाने हेतु एक ऐप है।</u>**

- जे.एन.टी.यू., हैदराबाद से संबद्ध एक कॉलेज के चार इंजीनियरिंग छात्रों की एक टीम ने दृष्टि स्क्रीनिंग को आसान, सुलभ और सस्ती बनाने हेतु एक उपकरण और मोबाइल ऐप "आईनेत्र" विकसित किया है।
- आईनेत्र, उत्पाद उपयोग में आसान, एक छोर पर लेंस के साथ छड़ीनुमा युक्ति है और अन्य छोर पर एक स्मार्टफोन कैमरे से कनेक्टेड है।
- यह रोगियों की रेटिना छवि को क्लिक करने में मदद करता है, वहीं मोबाइल ऐप आंखों की

स्थिति से संबंधित जानकारी साझा करने और प्राप्त करने में मदद करता है।

- क्लिक की गई छवियां डॉक्टर तक पहुंचाने और उनका विश्लेषण करने के लिए ऐप पर अपलोड की जाती हैं।
- डॉक्टर के लिए ऐप में आंखों की स्थिति के बारे में विवरण नोट करने, सुझाव देने और यदि आवश्यक हो तो उन्हें अस्पतालों में भेजने का प्रावधान है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

28.08.2019

1. **केंद्रीय कपड़ा मंत्री ने "प्रोजेक्ट श्योर" लांच किया है।**

- केंद्रीय कपड़ा मंत्री ने प्रोजेक्ट श्योर लॉन्च किया है, जो स्थायी फैशन की ओर एक कदम है।
- SURE का पूरा नाम 'सस्टेनेबल रिजॉल्यूशन (सतत संकल्प)' है- यह उद्योग से फैशन की ओर कदम उठाने की एक प्रतिबद्धता है, जो एक स्वच्छ पर्यावरण में योगदान देती है।
- श्योर प्रोजेक्ट, भारतीय परिधान उद्योग द्वारा भारतीय फैशन उद्योग के लिए एक स्थायी मार्ग निर्धारित करने हेतु प्रतिबद्धता है।

संबंधित जानकारी

- संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, लोगो द्वारा पहने जाने वाले सभी कपड़ों के उत्पादन सहित फैशन उद्योग वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 10 प्रतिशत का योगदान देता है, यह योगदान इसकी लंबी आपूर्ति श्रृंखला और ऊर्जा-गहन उत्पादन के कारण होता हैं।
- यह उद्योग, संयुक्त रूप से विमानन और शिपिंग उद्योग की तुलना में अधिक ऊर्जा की खपत करता है।
- मार्च, 2019 में फैशन को स्थायी बनाने के लिए अपने प्रयासों का विश्लेषण करके संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं के मध्य सहयोग में सुधार करने के लिए संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा में संयुक्त राष्ट्र स्थायी फैशन गठबंधन का शुभारंभ किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **"जन औषधि सुगम": एक मोबाइल एप्लीकेशन**

- केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री ने एक मोबाइल एप्लिकेशन "जन औषधि सुगम" लॉन्च किया है जो लोगों को जन औषधि जेनेरिक दवाओं की खोज करने में सक्षम बनाएगा।

संबंधित जानकारी

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि योजना

- इसे जन औषधि अभियान के नाम से फार्मास्यूटिकल्स विभाग द्वारा नवंबर, 2008 में शुरू किया गया था।
- भारतीय फार्मा पी.एस.यू. ब्यूरो (बी.पी.पी.आई.), पी.एम.बी.जे.पी. की कार्यान्वयन संस्था है।
- जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध कराने हेतु स्टोर स्थापित किए गए हैं, ये दवाएं कम कीमतों पर उपलब्ध हैं लेकिन गुणवत्ता और प्रभावकारिता में महंगी ब्रांडेड दवाओं के बराबर हैं।
- पी.एम.बी.जे.पी. का दृष्टिकोण किफायती दामों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने के माध्यम से भारत के प्रत्येक नागरिक के स्वास्थ्य संबंधी बजट को कम करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **बाल कल्याण सूचकांक**

- हाल ही में, एन.जी.ओ. वर्ल्ड विजन इंडिया और अनुसंधान संस्थान आई.एफ.एम.आर. लेड द्वारा बाल कल्याण सूचकांक जारी किया गया है।

- भारतीय बाल कल्याण सूचकांक, एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट है, जो बाल कल्याण के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु सरकार और नागरिक संगठनों दोनो द्वारा बनाई जा सकती है और हम इस रिपोर्ट का प्रभावी ढंग से उपयोग करेंगे।
- यह व्यापक रूप से बच्चों की कल्याणकारिता को मापने और निगरानी करने हेतु बनाया गया एक उपकरण भी है।
- इस सूचकांक के आयामों में स्वस्थ व्यक्तिगत विकास, सकारात्मक संबंध और सुरक्षात्मक संदर्भ शामिल हैं।
- इसमें चौबीस संकेतक शामिल हैं।

सूचकांक की मुख्य विशेषताएं

- केरल, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश और पुदुचेरी सूचकांक में शीर्ष स्थान पर हैं।
- मेघालय, झारखंड और मध्य प्रदेश सूची में सबसे नीचे हैं।
- यह रिपोर्ट स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, स्वच्छता और बाल संरक्षण पर अंतर्दृष्टि प्रदान करती है।
- यह रिपोर्ट बाल कल्याण को मापने की दिशा में बहुआयामी दृष्टिकोण पर प्रकाश डालती है- जो केवल आय गरीबी से परे है।
- बच्चों में देश को बदलने की क्षमता है लेकिन यदि इसकी उपेक्षा की जाती है तो वे गरीबी और असमानता के बोझ को और अधिक बढ़ा देंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – सामाजिक मुद्दे

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>सरकार ने 18 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों की कुष्ठ रोग और टी.बी. की जांच करने के लिए एक योजना शुरू की है।</u>**

- केंद्र सरकार ने 18 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों की कुष्ठ और तपेदिक (टी.बी.) की सार्वभौमिक जांच करने हेतु एक कार्यक्रम शुरू किया है।
- यह आंगनवाड़ियों में 0-6 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों को और सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में नामांकित 6-18 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों को शामिल करेगा।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कर्यक्रम

- यह एक पहल है, जिसका उद्देश्य जन्म से लेकर 18 वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए 4 D अर्थात जन्म के समय दोष, विकलांगता, रोग, विकास में देरी सहित विकलांगता की शीघ्र पहचान और शीघ्र उपचार करना है।
- यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि 0-6 वर्ष के आयु समूह को विशेष रूप से जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र (डी.ई.आई.सी.) स्तर पर प्रबंधित किया जाएगा, जब कि 6-18 वर्ष की आयु समूह के लिए मौजूदा स्वास्थ्य सुविधाओं के माध्यम से स्थितियों का प्रबंधन किया जाएगा।
- जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र, दोनों आयु समूहों के लिए संदर्भित लिंकेज के रूप में कार्य करेगा।
- एक बार जब बच्चे की जांच की जाती है और उसे पहचान के इन बिंदुओं में से किसी एक को संदर्भित किया जाता है तो यह सुनिश्चित किया जाएगा कि परिवार को शून्य लागत पर आवश्यक उपचार/ हस्तक्षेप प्रदान किया जाए।

कुष्ठ रोग

- कुष्ठ रोग को हेन्सन रोग के रूप में भी जाना जाता है, एक पुरानी संक्रामक बीमारी है जो माइकोबैक्टीरियम लेप्रे के कारण होती है।
- यह बीमारी मुख्य रूप से त्वचा, परिधीय तंत्रिकाओं, ऊपरी श्वसन प्रणाली और आंखों की श्लैष्मिक सतहों को प्रभावित करता है।
- डब्ल्यू.एच.ओ. ने वर्ष 2020 तक कुष्ठ रोग को खत्म करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

तपेदिक

- यह जीवाणु से होने वाली बीमारी है जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में हवा के माध्यम से फैलती है।
- राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (एन.एस.पी.) 2017-2025, भारत सरकार (जी.ओ.आई.) द्वारा निर्मित योजना है, जो यह निर्धारित करती है कि भारत में टी.बी. को खत्म करने के लिए सरकार का क्या मानना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नैंस

स्रोत- पी.आई.बी.

5. **<u>'प्यारे' ऊदबिलाव हेतु अंतर्राष्ट्रीय संरक्षण</u>**

- हाल ही में, जिनेवा में आयोजित सी.आई.टी.ई.एस. सी.ओ.पी. 18 सम्मेलन में 100 से अधिक देशों ने भारत, नेपाल और बांग्लादेश के एक प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है, जो उपमहाद्वीप और एशिया के कुछ अन्य हिस्सों की ऊदबिलाव मूल प्रजाति में वाणिज्यिक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रतिबंधित करने के लिए है।
- सम्मेलन ने भारत द्वारा एक अलग प्रस्ताव को भी स्वीकार किया है, दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया, अमेरिका और मेडागास्कर में व्यापक रूप से पाई जाने वाली गेको छिपकली की प्रजाति को शामिल करने के लिए यूरोपीय संघ, अमेरिका और फिलीपींस के साथ मिलकर प्रस्ताव दिया है।
- एक अन्य प्रस्ताव पारित किया गया था, वह सी.आई.टी.ई.एस. के परिशिष्ट II में टोके गेको (गेको गेको) को शामिल करने का था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>दिल्ली के फिरोजशाह कोटला स्टेडियम का नाम बदलकर अरुण जेटली के नाम पर रखा जाएगा।</u>**

- दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डी.डी.सी.ए.) ने घोषणा की है कि फिरोज शाह कोटला क्रिकेट स्टेडियम का नाम बदलकर अरुण जेटली रखा जाएगा।
- डी.डी.सी.ए. के अध्यक्ष (1999 से 2013 तक) के रूप में कार्य करने वाले श्री जेटली जी को सम्मानित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है।
- इस स्टेडियम का पुन: नामकरण 12 सितंबर, 2019 को होगा।

टॉपिक- पी.सी.एस. परीक्षाओं हेतु महत्वपूर्ण

स्रोत- ए.आई.आर.

7. **<u>शाहीन VIII: पाकिस्तान-चीन हवाई युद्धाभ्यास</u>**

- पाकिस्तान और चीन ने चीनी शहर होल्टन में संयुक्त द्विपक्षीय हवाई युद्धाभ्यास शाहीन VIII (ईगल VIII) का आयोजन किया है।
- यह इस हवाई युद्धाभ्यास के आठवां संस्करण है, जो वर्ष 2011 से आयोजित की जा रही है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- ए.आई.आर.

8. **<u>सरकार ने जम्मू और कश्मीर पर जी.ओ.एम. का गठन किया है।</u>**

- सरकार ने जम्मू और कश्मीर के मुद्दों की जांच करने के लिए मंत्रियों के एक समूह (जी.ओ.एम.) का गठन किया है, जिसे अनुच्छेद 370 के अंतर्गत प्रावधानों के हटने के बाद केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित किया गया है।
- कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री थावर चंद गहलोत, कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और पी.एम.ओ. में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह समूह में शामिल किए गए हैं।
- जी.ओ.एम., इन दो केंद्रशासित प्रदेशों के लिए विभिन्न विकास, आर्थिक और सामाजिक कदम उठाने का सुझाव देगा जो 31 अक्टूबर को अस्तित्व में आएंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –सरकारी नीतियां

स्रोत- ए.आई.आर.

9. **मोर पैराशूट मकड़ी**

- हाल ही में, शोधकर्ताओं ने पूर्वी घाट में अपने ज्ञात निवास स्थान से दूर पहली बार टारेंटयुला की एक प्रजाति देखी है।

संबंधित जानकारी

गूटी टारेंटयुला

- इन मकड़ियों को सामान्यत: मोर पैराशूट मकड़ी या गूटी टारेंटयुला (पोसिलोथेरियामेटालिका) के रूप में जाना जाता है।
- ये टारेंटयुला की पुरानी दुनिया की प्रजातियां हैं और ये भारत के लिए स्थानिक हैं।
- ये आंध्र प्रदेश के पूर्वी घाटों में नंद्याल और गिद्दालुर के बीच पतन हो चुके जंगल में पाए गए हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आई.यू.सी.एन.) ने इसे गंभीर रूप से लुप्तप्राय के रूप में वर्गीकृत किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

29.08.2019

1. **अंतर्राष्ट्रीय आपदा रोधी ढांचा गठबंधन**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नई दिल्ली में अपने सहायक सचिवालय कार्यालय के साथ अंतर्राष्ट्रीय आपदा रोधी ढांचा गंठबंधन (सी.डी.आर.आई.) की स्थापना को मंजूरी प्रदान की है।

संबंधित जानकारी

अंतर्राष्ट्रीय आपदा रोधी ढांचा गठबंधन

- इसे 23 सितंबर, 2019 को संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में लॉन्च करना प्रस्तावित किया गया है।
- सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत एक सोसाइटी के रूप में सी.डी.आर.आई. के सचिवालय की स्थापना की जाएगी।
- यह एक ऐसे मंच के रूप में काम करेगा, जहाँ ज्ञान उत्पन्न होता है और बुनियादी ढांचे के आपदा और जलवायु लचीलेपन के विभिन्न पहलुओं पर विनियमित होता है।
- यह हितधारकों की बड़ी संख्या में से तकनीकी विशेषज्ञता साथ लाएगा।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 –आपदा प्रबंधन

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **शगुन: स्कूली शिक्षा हेतु एक एकीकृत ऑनलाइन जंक्शन है।**

- केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री श्री रमेश ने स्कूली शिक्षा के लिए एकीकृत ऑनलाइन जंक्शन 'शगुन' लॉन्च किया है।
- यह स्कूली शिक्षा प्रणाली में सुधार करने हेतु एक व्यापक पहल है।
- इसे भारत सरकार और राज्यों/ केंद्रशासित प्रदेशों में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की विभिन्न गतिविधियों से संबंधित सभी पोर्टलों/ वेबसाइटों के लिए एक जंक्शन बनाकर प्राप्त किया जाएगा।
- इस वेबसाइट में केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, 18000 अन्य सी.बी.एस.ई. से संबद्ध स्कूल, एन.टी.सी.ई. से संबद्ध अन्य संगठन शामिल हैं, जो शगुन के साथ एकीकृत हैं।
- पूरे देश में 15 लाख स्कूलों के रिपोर्ट कार्ड नव निर्मित जंक्शन पर उपलब्ध होंगे।
- यह वेबसाइट नजदीकी स्कूलों की उपलब्धता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी भी प्रदान करती है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **पूर्वोत्तर आर्थिक मंच**

- भारत के प्रधानमंत्री को 5 सितंबर, 2019 को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा व्लादिवोस्तोक में पूर्वोत्तर आर्थिक मंच के मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

संबंधित जानकारी

पूर्वोत्तर आर्थिक मंच

- पूर्वोत्तर आर्थिक मंच, वर्ष 2015 में रूस द्वारा स्थापित किया गया था।
- सुदूर पूर्वी रूस में विदेशी निवेश को बढ़ाने के उद्देश्य से यह रूस के एक शहर व्लादिवोस्तोक में प्रत्येक वर्ष आयोजित किया जाता है।
- वर्षों से, यह रूस और एशिया प्रशांत के मध्य राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को विकसित करने की रणनीति पर चर्चा करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय मंच के रूप में उभरा है।
- इसे व्यापारिक नेतृत्वकर्ताओं और रूस, प्रशांत क्षेत्र और आसियान के वरिष्ठ सरकारी प्रतिनिधियों के बीच सहयोग हेतु सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय संचार मंच माना जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत-द हिंदू

4. **<u>प्रत्येक पांच वर्ष में पूंजी ढांचे की समीक्षा करें: जालान समिति</u>**

- आर.बी.आई. ने आर.बी.आई. रिजर्व के मुद्दे को संबोधित करने के लिए आर्थिक पूंजी ढांचे पर एक पैनल का गठन किया था, जिसके प्रमुख आर.बी.आई. के पूर्व गवर्नर बिमल जालान थे।
- हाल ही में, आर.बी.आई. ने बिमल जालान के नेतृत्व वाली विशेषज्ञ समिति की सभी सिफारिशों को स्वीकृति देने के बाद सरकार को 1,76,051 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च अधिशेष रिजर्व को हस्तांतरित करने का फैसला किया है।
- आर.बी.आई. ने वर्ष 2018-19 के लिए 1,23,414 करोड़ रुपये का अधिशेष और संशोधित आर्थिक पूंजी ढांचे (ई.सी.एफ.) के अनुसार पहचाने गए अतिरिक्त प्रावधानों के 52,637 करोड़ रुपये को हस्तांतरण करने के लिए भी मंजूरी प्रदान की है।
- आर्थिक पूंजी ढाँचा, भविष्य में अप्रत्याशित जोखिमों या घटनाओं या नुकसान के खिलाफ एक चुनौती के रूप में केंद्रीय बैंक द्वारा आवश्यक जोखिम पूंजी को संदर्भित करता है।

मुख्य सिफारिशें

- समिति ने प्रत्येक पांच वर्ष में आर्थिक पूंजी ढांचे की समीक्षा की सिफारिश की है।
- हालांकि, आर.बी.आई. के जोखिमों और परिचालन वातावरण में एक महत्वपूर्ण बदलाव के मामले में एक मध्यवर्ती समीक्षा पर विचार किया जा सकता है।
- समिति ने यह भी सुझाव दिया है कि सरकार को अंतरिम लाभांश केवल असाधारण परिस्थितियों में दिया जाना चाहिए।
- समिति ने आर.बी.आई. द्वारा लाए गए विभिन्न अनुमानों और प्रकाशनों में अधिक सामंजस्य बैठाने हेतु सरकार के वित्तीय वर्ष के साथ आर.बी.आई. के वित्तीय वर्ष के संरेखण की सिफारिश की है।
- पैनल ने आर्थिक पूंजी के दो घटकों के मध्य एक स्पष्ट अंतर का भी सुझाव दिया है:

1. वास्तविक इक्विटी
2. पुनर्मूल्यांकित रिजर्व

- वास्तविक इक्विटी मुख्य रूप से आकस्मिक निधि का एक रूप है, जो मुख्य रूप से रखी हुई कमाई से निर्मित सभी जोखिम या नुकसान को पूरा करने के लिए है, जिसे आकस्मिक जोखिम बफर भी कहा जाता है।
- पुनर्मूल्यांकित रिजर्व, विदेशी मुद्रा और स्वर्ण, विदेशी प्रतिभूतियों और रुपये की प्रतिभूतियों और एक आकस्मिक निधि के मूल्यों में समय-

समय पर बाजार में उल्लेखनीय लाभ या हानि से मिलकर बना है।

- पैनल ने आकस्मिक जोखिम बफर के लिए आर.बी.आई. की बैलेंस शीट के 5.5-6.5% की एक सीमा दी है।
- अत: आर.बी.आई. ने बैलेंस शीट के 5.5% पर सी.बी.आर. स्तर निर्धारित करने का निर्णय लिया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –इकानॉमिक टाइम्स

स्रोत- इकानॉमिक टाइम्स

5. **<u>आई.सी.एफ.आर.ई.-आई.सी.आई.एम.ओ.डी. का आर.ई.डी.डी. + हिमालयी प्रोग्राम वर्ष 2020 तक बढ़ा दिया गया है।</u>**

- भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आई.सी.एफ.आर.ई.) और अंतर्राष्ट्रीय समाकलित पर्वत विकास केंद्र (आई.सी.आई.एम.ओ.डी.) द्वारा संयुक्त रूप से हिमालयी राज्यों में चलाए जा रहे वनोन्मूलन एवं वन पतन से उत्सर्जन को कम करना (आर.ई.डी.डी.+) कार्यक्रम को जुलाई, 2020 तक बढ़ा दिया गया है।
- आई.सी.एफ.आर.ई.-आई.सी.आई.एम.ओ.डी. का आर.ई.डी.डी. + हिमालय: भारत के हिमालयी राज्यों में वनों की कटाई और वन क्षरण के कारकों को संबोधित करने के लिए मिजोरम में जनवरी, 2016 में हिमालय कार्यक्रम लांच किया गया था, इसमें आर.ई.डी.डी. + को लागू करने में विकास और अनुभव का उपयोग किया गया था।
- यह परियोजना जर्मनी के पर्यावरण, प्रकृति संरक्षण एवं परमाणु सुरक्षा मंत्रालय द्वारा समर्थित है, यह परियोजना हिंदुकुश हिमालयी क्षेत्र के चार देशों- भूटान, भारत, म्यांमार और नेपाल में लागू की गई थी।
- संयुक्त राष्ट्र द्वारा आर.ई.डी.डी. + कार्यक्रम की शुरुआत 2005 में विकासशील देशों में वन प्रबंधन के माध्यम से जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए की गई थी। इसका उद्देश्य समुदायों के लिए प्रोत्साहन राशि का निर्माण करना था, जिससे कि वे वन पतन गतिविधियों को कम कर सकें।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

6. **<u>एल.टी.सी.जी. कर और एस.टी.टी. पर यथास्थिति हेतु प्रत्यक्ष कर संहिता पैनल</u>**

- हाल ही में, अखिलेश रंजन की अध्यक्षता वाली समिति ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी है, जो मौजूदा आयकर अधिनियम, 1996 को प्रतिस्थापित करने हेतु एक नए प्रत्यक्ष कर कानून का मसौदा तैयार करने पर काम करती है।
- इस समिति का गठन विभिन्न देशों में प्रचलित प्रत्यक्ष कर प्रणाली, अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं, देश की आर्थिक आवश्यकताओं और अन्य संबंधित मामलों की जांच करने हेतु किया गया था।

सिफारिश की मुख्य विशेषताएं

- टास्क फोर्स ने लाभांश वितरण कर को समाप्त करते हुए दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एल.टी.सी.जी.) कर और प्रतिभूति हस्तांतरण कर को बनाए रखने की सिफारिश की है।
- लाभांश वितरण कर को वापस लेने का प्रस्तावित कदम, आय के कई कराधान को संबोधित करके और कंपनियों पर प्रभावी कर की दर को कम करके निवेश को प्रोत्साहित करने में मदद करेगा।
- लाभांश वितरण कर, एक कंपनी के निवेशकों को भुगतान किए गए लाभांश के अनुसार भारत सरकार द्वारा भारतीय कंपनियों पर लगाया गया कर है, जो वर्तमान में 15% है।

- प्रतिभूति हस्तांतरण कर, एक स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से किए गए कर योग्य प्रतिभूति हस्तांतरण के मूल्य पर देय प्रत्यक्ष कर है।
- दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एल.टी.सी.जी.) कर, किसी भी वर्ग की परिसंपत्ति पर किसी विशेष अवधि के लिए कमाए गए लाभ को संदर्भित करता है, जो कि इक्विटी शेयरों के मामले में है, यह एक से अधिक वर्षों के लिए रखे गए शेयरों पर कमाए गए लाभ को संदर्भित करता है।
- उच्च-स्तरीय पैनल ने कॉरपोरेट कर की दर को घरेलू और विदेशी दोनों कंपनियों के लिए 25 प्रतिशत की दर से भी कम करने की सिफारिश की है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण समिति (अर्थव्यवस्था)

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

7. **<u>भारत ने विश्व का अभी तक का पहला फेशियल बायो-मेट्रिक डेटा-आधारित नाविक पहचान दस्तावेज लॉन्च किया है।</u>**

- भारत विश्व का पहला ऐसा देश बन गया है जिसने बायोमेट्रिक नाविक पहचान दस्तावेज (बी.एस.आई.डी.) जारी किया है, जो नाविकों के चेहरे के बायोमेट्रिक डेटा को कैप्चर करता है।
- इस परियोजना को शिपिंग एवं रासायन और उर्वरक द्वारा लॉन्च किया गया था।
- नया दस्तावेज़ हमारे नाविकों को आसान पहचान प्रदान करेगा जो उनके आवागमन को सुविधाजनक बनाएगा, जिससे उन्हें नौकरी पाने में आसानी होगी और उन्हें विश्व के किसी भी स्थान से पहचानने में मदद मिलेगी।
- नया कार्ड बी.एस.आई.डी. पर अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की सम्मेलन संख्या 185 की पुष्टीकरण में है।
- भारत ने अक्टूबर, 2015 में सम्मेलन की पुष्टि की थी।
- यह एस.आई.डी. धारक की गरिमा और गोपनीयता की रक्षा करते हुए उसकी पहचान को अधिक विश्वसनीय और कुशल बना देगा।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- टी.ओ.आई.

8. **<u>प्रधानमंत्री ने राष्ट्रव्यापी 'फिट इंडिया' मूवमेंट शुरू किया है।</u>**

- प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय खेल दिवस (29 अगस्त- हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जन्म वर्षगांठ) के अवसर पर 'फिट इंडिया' मूवमेंट की शुरुआत की है।
- फिट इंडिया मूवमेंट का उद्देश्य लोगों को उनके दैनिक जीवन में शारीरिक गतिविधि और खेल को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2 –सरकारी नीतियां

स्रोत- ए.आई.आर.

30.08.2019

1. **<u>केंद्र सरकार ने राज्यों में अनिवार्य वनीकरण के लिए 47, 436 करोड़ रूपए जारी किए हैं।</u>**

- पर्यावरण, वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री ने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एन.डी.सी.) के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए विभिन्न राज्यों को कैंपा निधि के 47,436 करोड़ से अधिक रूपए जारी किए हैं।
- क्षतिपूर्ति वनीकरण गतिविधियों की निगरानी, तकनीकी सहायता और मूल्यांकन के लिए पर्यावरण मंत्री की अध्यक्षता में कैंपा को राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के रूप में बनाया गया था।

संबंधित जानकारी

क्षतिपूर्ति वनीकरण कोष अधिनियम, 2016

- इस कोष की मंजूरी वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के प्रावधानों के अंतर्गत है।
- वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 (एफ.सी.ए.) गैर-वन उद्देश्यों जैसे औद्योगिक या अवसंरचना

परियोजनाओं के लिए वन भूमि के परिवर्तन या उपयोग को शासित करता है।

- वन भूमि को बदलने वाली कंपनी को क्षतिपूरक वनीकरण के लिए वैकल्पिक भूमि प्रदान करनी चाहिए।

मुख्य विशेषताएं

- भारतीय लोक लेखा खाता के अंतर्गत राष्ट्रीय क्षतिपूर्ति वनीकरण कोष की स्थापना और प्रत्येक राज्य के लोक लेखा खातों के अंतर्गत राज्य क्षतिपूर्ति वनीकरण कोष की स्थापना की जाएगी।
- निधियों में शामिल भुगतान हैं:

1. क्षतिपूर्ति वनीकरण
2. शुद्ध वर्तमान मूल्य (एन.पी.वी.)
3. कोई परियोजना-विशिष्ट भुगतान

- राष्ट्रीय कोष को एकत्र धन का 10% मिलेगा और शेष 90% संबंधित राज्य कोष में जाएगा।
- एकत्रित निधियों का उपयोग निम्न के लिए किया जाएगा:

1. वनीकरण
2. वन पारिस्थितिकी तंत्र का पुनर्जनन
3. वन्य जीवन संरक्षण और
4. आधारभूत संरचना का विकास

- करारोपण को एक अभयारण्य या एक राष्ट्रीय उद्यान में एक आरक्षित वन या संरक्षित क्षेत्र (पी.ए.) के अंदर भूमि की तलाश करने वाली विकास परियोजनाओं पर लगाया जाता है।
- निधियों के प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय एवं राज्य क्षतिपूर्ति वनीकरण कोष प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण (CAMPA) की स्थापना की जाएगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>वर्ष 2027 तक भारत की जनसंख्या, चीन की जनसंख्या से अधिक हो जाएगी: संयुक्त राष्ट्र</u>**

- संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक मामलों के विभाग द्वारा जारी "विश्व जनसंख्या संभावनाएं 2019" के अनुसार, भारत, जनसंख्या के संदर्भ में चीन से आगे निकल जाने का अनुमान, विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन जाने का अनुमान है।
- संयुक्त राष्ट्र की जारी की गई एक नई रिपोर्ट में अनुमान के अनुसार, भारत में वर्ष 2050 तक 273 मिलियन लोगों के जुड़ने की उम्मीद है और सदी के अंत तक सबसे अधिक आबादी वाला देश बना रहेगा।
- भारत के लगभग 1.5 बिलियन निवासियों के साथ दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बने रहने की उम्मीद है, जिसके बाद चीन में 1.1 बिलियन, नाइजीरिया में 733 मिलियन, संयुक्त राज्य अमेरिका में 434 मिलियन और पाकिस्तान में 403 मिलियन की जनसंख्या होने का अनुमान है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि 2019 में, भारत की अनुमानित जनसंख्या 1.37 बिलियन और चीन की 1.43 बिलियन है और वर्ष 2027 तक, भारत की जनसंख्या चीन से अधिक होने का अनुमान है।
- वैश्विक आबादी भी वर्ष 2050 तक अन्य 2 बिलियन लोगों के बढ़ने का अनुमान है, 2019 में 7.7 बिलियन से अगले 30 वर्षों में 9.7 बिलियन होने का अनुमान है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –जनसांख्यिकी

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. **<u>सुरक्षित शहर सूचकांक (एस.सी.आई.) 2019</u>**

- आर्थिक सतर्कता इकाई द्वारा जारी की गई सुरक्षित शहर सूचकांक रिपोर्ट, 2019 के अनुसार, मुंबई को सुरक्षित शहर सूचकांक (एस.सी.आई.) पर 45वें सबसे सुरक्षित शहर के रूप में स्थान प्रदान किया गया है, जब कि दिल्ली 52वें स्थान पर है।

- एशिया-प्रशांत क्षेत्र (ए.पी.ए.सी.) के शहरों से शीर्ष-10 सबसे सुरक्षित शहरों में से छह शहर हैं, जिसमें टोक्यो शीर्ष स्थान पर है।
- टोक्यो के साथ एस.सी.आई. 2019 में ए.पी.ए.सी. शहरों का प्रभुत्व रहा है।
- सिंगापुर और ओसाका दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं, जबकि सिडनी और मेलबर्न भी शीर्ष-10 शहरों की सूची में हैं।
- सुरक्षित शहर सूचकांक (एस.सी.आई.) 2019 पांच महाद्वीपों में दुनिया भर में 60 देशों को स्थान प्रदान करता है और शहरी सुरक्षा के बहुआयामी स्वरूप को मापता है, जिसमें डिजिटल, बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य और व्यक्तिगत सुरक्षा के रूप में वर्गीकृत संकेतक शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –आर्थिक विकास

स्रोत- लाइवमिंट

4. **सरकार ने कोयला खनन में 100% एफ.डी.आई. की अनुमति प्रदान की है।**

- केंद्र सरकार ने कोयला खनन और संबंधित बुनियादी ढांचे में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफ.डी.आई.) को मंजूरी प्रदान करने की घोषणा की है।
- कोयला क्षेत्र में कोयले की बिक्री के लिए कोयला खनन हेतु स्वचालित मार्ग के अंतर्गत 100 प्रतिशत एफ.डी.आई., प्रसंस्करण संसाधन सहित गतिविधियाँ शामिल की जाएंगी जो एक सक्षम और प्रतियोगी कोयला बाजार का निर्माण करने हेतु अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को आकर्षित करेगा।
- सरकार, अनुबंध विनिर्माण में भी एफ.डी.आई. में 100 फीसदी और डिजिटल मीडिया कंपनियों में 26 फीसदी तक बढ़ोतरी कर रही है।
- एकल-ब्रांड खुदरा क्षेत्र में एफ.डी.आई. पर मंत्रिमंडल ने अनिवार्य 30 प्रतिशत घरेलू सोर्सिंग नियमों की परिभाषा का विस्तार किया है।

संबंधित जानकारी

एफ.डी.आई. (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश)

- एक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफ.डी.आई.), एक अन्य देश में स्थापित एक इकाई द्वारा किसी देश में व्यवसाय में स्वामित्व नियंत्रण के रूप में किया गया निवेश है।
- दो मार्ग हैं, जिनके माध्यम से भारत को एफ.डी.आई. प्राप्त होती है।
- स्वचालित मार्ग- इस मार्ग से, एफ.डी.आई. को सरकार या भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पूर्वानुमति के बिना अनुमति दी जाती है।
- सरकारी मार्ग- इस मार्ग के माध्यम से सरकार द्वारा पूर्व अनुमोदन आवश्यक है। विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड (एफ.आई.पी.बी.), जो इस मार्ग की देखरेख करने के लिए जिम्मेदार संस्था थी, इसको 24 मई, 2017 को समाप्त कर दिया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –भारतीय अर्थव्यवस्था

स्रोत- डाउन टू अर्थ

5. **ओडिशा सरकार ने ममता योजना के लाभों का विस्तार करने का फैसला किया है।**

- ओडिशा सरकार ने विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पी.वी.टी.जी.) समुदायों की सभी गर्भवती महिलाओं के लिए ममता योजना के लाभ को अगले पांच वर्षों किसी भी जीवित जन्मों की संख्या के लिए बढ़ाने का फैसला किया है।

संबंधित जानकारी

ममता योजना

- यह सरकार की प्रमुख सशर्त नकद हस्तांतरण मातृत्व लाभ योजना है जिसे सरकार ने सितंबर, 2011 में शुरू किया था।
- गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं और उनके शिशुओं की स्वास्थ्य और पौष्टिक

स्थिति में सुधार करके शिशु और मातृत्व मृत्यु दर को कम करना इस योजना का उद्देश्य है।

- यह कामकाजी महिलाओं के लिए आंशिक रूप से मजदूरी नुकसान की भरपाई करने का इरादा रखता है जिससे कि उन्हें गर्भावस्था और गर्भावस्था के बाद की अवधि में पर्याप्त आराम और पौष्टिक आहार लेने में मदद मिल सके।
- इस योजना के अंतर्गत 5,000 रूपए को दो किश्तों में सीधे लाभार्थियों के खाते में हस्तांतरित किया जाएगा, यह उनके स्वास्थ्य और पोषण और उनके शिशुओं के लिए गर्भावस्था के विभिन्न चरणों को शामिल करता है।
- इसमें राज्य और केंद्र सरकार के कर्मचारियों को छोड़कर सभी गर्भवती और स्तनपान कराने वाली 19 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिलाओं को शामिल किया जाएगा, जिन्हें तिरुमाला योजना के अंतर्गत लाभ मिलेगा।
- ओडिशा में पी.वी.टी.जी. समुदाय की गर्भवती महिलाएं अपने पहले दो जीवित जन्मों के लिए ममता योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने हेतु पात्र हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वपूर्ण योजना

स्रोत- यू.एन.आई.

6. **<u>इंडोनेशिया अपनी राजधानी जकार्ता से पूर्वी कालीमंतन स्थानांतरित कर रहा है।</u>**

- इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने घोषणा की है कि देश की राजधानी बोर्नियो द्वीप पर पूर्वी कालीमंतन प्रांत में स्थानांतरित की जाएगी, जिसे वर्षावनों और ओरंगगुटॉन के लिए जाना जाता है।
- राजधानी को स्थानांतरित करने के कारण हैं:

1. पर्यावरणीय चिंताओं के मध्य एक अधिक न्यायसंगत विकास सुनिश्चित करने हेतु
2. जकार्ता में वार्षिक बाढ़ का खतरा रहता है और यह दुनिया के सबसे तेजी से डूबने वाले शहरों में से एक है।
3. जकार्ता में यातायात की भीड़ और वायु प्रदूषण है

- वर्तमान में, देश के लगभग 270 मिलियन लोगों में से 54% लोग जावा पर रहते हैं, जो देश का सबसे घनी आबादी वाला क्षेत्र है।

टॉपिक- पी.सी.एस. परीक्षाओं हेतु महत्वपूर्ण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>नैरोबी में जैव विविधता के संरक्षण हेतु वैश्विक योजना पर बातचीत शुरू हुई है।</u>**

- कम से कम 100 देशों के सरकारी अधिकारियों, विशेषज्ञों और कार्यकर्ताओं ने वर्ष 2020 के अंत तक जैव विविधता पर एक नए वैश्विक ढांचे की ओर बढ़ने के लिए केन्या के नैरोबी में वार्ता शुरू की है।
- संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन के 196 दलों द्वारा चीन के कुनमिंग में अक्टूबर, 2020 से आयोजित होने वाले 15वें पार्टियों के सम्मेलन (सी.ओ.पी. 15) के दौरान नए ढांचे को अपनाने का अनुमान है।
- 'वैश्विक ढांचा' प्रकृति की स्थिति में खतरनाक रुझानों को रोकने हेतु वैश्विक योजना का प्रतिनिधित्व करता है।
- संयुक्त राष्ट्र (यू.एन.) जैव विविधता सम्मेलन (सी.बी.डी.): इस ढांचे का लक्ष्य यह है कि दुनिया को वर्ष 2050 तक प्रकृति के साथ सद्भाव में रहने की दिशा में तैयार करना है।

संबंधित जानकारी

- हाल ही में, वैज्ञानिकों ने पृथ्वी पर जीवन की विविधता और प्रचुरता को बचाने के लिए "ए ग्लोबल डील फॉर नेचर (जी.डी.एन.)" नामक एक समयबद्ध, विज्ञान-आधारित नीति का प्रस्ताव दिया है।

जैव विविधता सम्मेलन (सी.बी.डी.)

- इसे 1992 के रियो पृथ्वी शिखर सम्मेलन में हस्ताक्षरित किया गया था, जो सतत विकास को बढ़ावा देने हेतु समर्पित है।
- इसके 3 मुख्य उद्देश्य हैं:

1. जैविक विविधता का संरक्षण
2. जैविक विविधता के घटकों का स्थायी उपयोग
3. आनुवंशिक संसाधनों के उपयोग से उत्पन्न होने वाले लाभों का उचित और न्यायसंगत साझाकरण

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

8. **<u>गंगा में एंटीबायोटिक प्रतिरोध की अध्ययन जाँच करने हेतु निधि</u>**

- सरकार ने गंगा की संपूर्ण लंबाई में माइक्रोबियल विविधता का आकलन करने और रोगाणु प्रतिरोध को बढ़ावा देने वाले रोगाणुओं का परीक्षण करने के लिए 9.3 करोड़ के अध्ययन को कमीशन किया है।
- यह निधि को राष्ट्रीय गंगा मिशन (नमामि गंगे) के अंतर्गत जारी की जाती है।
- यह परियोजना, मोतीलाल नेहरू प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (एन.ई.ई.आर.आई.) और सरदार पटेल विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा शुरू की जाएगी।
- इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य नदी में "संदूषण" (मल और औद्योगिक) के प्रकार को इंगित करना और वे मानव स्वास्थ्य (एंटीबायोटिक प्रतिरोध वृद्धि) के लिए कितने खतरनाक है, यह इंगित करना है।
- यह एस्चेरिसिया कोली के स्रोतों की पहचान करना चाहता है- यह एक प्रकार का बैक्टीरिया जो जानवरों और मनुष्यों के पेट में रहता है।
- 2014 के अध्ययन के अनुसार, धार्मिक सामूहिक समारोहों के दौरान गंगा में सामूहिक स्नान जैसी सांस्कृतिक गतिविधियाँ, "सुपरबग्स" की ओर ले जाने वाले प्रतिरोध जीन का स्तर अन्य समय की तुलना में लगभग 60 गुना अधिक था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

***